नई दिल्ली

रविवार, 6 जुलाई 2025

आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष, एकादशी वर्ष : 29, अंक : 82

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 33

न्यून. 28

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

इस महत्वपूर्ण मामले पर कैरेबियाई देश को भारत के साथ मिलकर काम करने की अपील की

त्रिनिदाद-टोबैगो की संसद से....

प्रधानमंत्री ने किया विश्व में 'ग्लोबल साउथ' को उचित स्थान दिलाने का आह्वान

आधुनिक भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से जुड़े कदमों का भी किया उल्लेख

पीएम के भाषण के दौरान कई बार त्रिनिदाद-टोबैगो की संसद में गूंजी तालियां

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दूसरे पड़ाव त्रिनिदाद-टोबैगो की संसद की संयुक्त सभा को बीते शुक्रवार को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने दोनों देशों के प्राचीन सभ्यता कालीन संबंधों से लेकर आतंकवाद, वैश्विक पटल पर ग्लोबल साउथ को उसका उचित स्थान दिलाने और देश व समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के ▶▶ शेष पेज 5 पर

महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण

उन्होंने कहा कि कैरेबियाई देश की संसद में महिला सदस्यों की संख्या देखकर खुशी हो रही है। हम आधुनिक भारत के निर्माण के लिए महिलाओं के हाथ मजबूत कर रहे हैं। ▶▶ शेष पेज 5 पर

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद 6 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

घाना के बाद आतंकवाद के मामले पर भारत को मिला त्रिनिदाद-टोबैगो का साथ

पीएम कमला ने स्वीकार किया प्रधानमंत्री मोदी का भारत यात्रा का न्योता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद भारत ने आतंकवाद के मामले पर दुनियाभर के देशों से पुरजोर अंदाज में समर्थन देने की कूटनीतिक कवायद शुरू की थी। जिसमें उसे काफी सफलता भी हाथ लगी। लेकिन कई ऐसे देश ऐसे रह गए, जहां भारत अपनी इस कोशिश में पहुंच नहीं सका। अब इसी अंतर को पाटने का काम स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दौरान कर रहे हैं। जिसका नतीजा यह है कि पहले भारत को आतंकवाद पर घाना का समर्थन मिला। तो वहीं अब कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो (टी-एंड-टी) भी इस मामले में ▶▶ शेष पेज 5 पर

शांति-सुरक्षा के लिए आतंकवाद खतरा

बैठक के बाद जारी किए संयुक्त बयान में भी दोनों नेताओं ने आतंकवाद का उल्लेख किया और उसे शांति और सुरक्षा के लिए एक समान खतरा बताया। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ सख्त अंदाज अपने विरोध को लेकर प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा पीएम मोदी और पीएम कमला ने घोषणा की कि आतंकवाद के लिए किसी तरह की कोई सफाई नहीं दी जा सकती है। सीमा-पार आतंकवाद भी इसमें शामिल है।

कुल 6 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

मंत्रालय ने बताया, बैठक के बाद भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के बीच कुल 6 समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय फार्माकोपिया पर एमओयू, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता पर समझौता, 2025-2028 की अवधि के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, खेलों में सहयोग पर एमओयू, राजनयिक प्रशिक्षण में सहयोग पर एमओयू और वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, त्रिनिदाद-टोबैगो में हिंदी व भारतीय अध्ययन की दो आईसीसीआर पीठों की पुनर्स्थापना पर एमओयू इसमें मुख्य हैं।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

14 साल के वैभव ने रचा इतिहास, खेली शतकीय पारी

वॉर्सेस्टर। भारत की अंडर-19 टीम इंग्लैंड दौरे पर है। पांच मैचों की यूथ ओडीआई सीरीज का चौथा मुकाबला 5 जुलाई (शनिवार) को वॉर्सेस्टर में खेला गया है, जहां वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी शतक जड़ा। वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 52 गेंदों पर शतक पूरा किया, यह यूथ ओडीआई में किसी बल्लेबाज का सबसे तेज शतक रहा। वैभव सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और 13 चौके शामिल रहे। वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वनडे मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय हैं। उन्होंने अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर किया।

तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू, 8 लोगों की मौत

संभल। यहां दर्दनाक सड़क हादसा बोलेरो चालक की लापरवाही से हुआ है। बारातियों से भरी बोलेरो की रफ्तार बेकाबू थी। इसके चलते ही चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और अचानक से गाड़ी पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि दूर तक आवाज पहुंची, लोग मौके पर आए, लेकिन मदद नहीं कर सके क्योंकि क्षतिग्रस्त बोलेरो दीवार से चिपक जैसी गई थी। पुलिस के पहुंचने पर शव और घायल बोलेरो से बाहर निकाले गए। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि इस भीषण हादसे में दूल्हे सहित आठ लोगों की जान चल गई है, एक घायल का उपचार चल रहा है।

मूसेवाला के हत्यारे के भाई को गोलियों से भूना

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर के मेहता के गांव चन्नन के में एक युवक की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। मरने वाला गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के आरोपी जगरूप सिंह रूपा का भाई बताया जा रहा है। मृतक जुगराज सिंह उर्फ तोता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। मृतक गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का साथी बताया जा रहा है। हत्या की जिम्मेदारी दविंदर बंबीहा गैंग ने ली है। वारदात को गुरुद्वारे के सामने अंजाम दिया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। थाना मेहता की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ब्यूनस आयर्स स्थित अल्वियर होटल में मौजूद भारतीयों ने लगाए मोदी-मोदी और भारत माता की जय के नारे

अपनी विदेश यात्रा के तीसरे पड़ाव अर्जेंटीना पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के तीसरे पड़ाव 'अर्जेंटीना' पहुंच गए हैं। जहां राजधानी ब्यूनस आयर्स के एज़ीज़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर अर्जेंटीना की तरफ से उनका लाल कालीन बिछाकर जोरदार स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री के आगमन पर उन्हें अर्जेंटीना के सैन्य बलों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया और उसके बाद वहां की सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। इसके बाद प्रधानमंत्री अल्वियर पैलेस होटल पहुंचे। जहां पहले से ही बड़ी तादाद में मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम का भव्य अंदाज में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

इस दौरान देश का राष्ट्रीय ध्वज थामे भारतीयों के मोदी-मोदी, भारत माता की जय और जय हिंद के नारों से पूरा होटल परिसर गुंजायमान हो गया। पीएम ने भी भारतीयों के स्वागत को पूरी आत्मीयता के साथ स्वीकार किया। जिसमें कुछ लोगों से उन्होंने हाथ मिलाया तो कुछ का नमस्कार की मुद्रा में दोनों हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया। होटल में कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री के सामने पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति भी दी। भारतीयों के इस स्वागत से पीएम मोदी भी अभिभूत नजर आए और इसका इजहार उन्होंने शनिवार सुबह एक्स पर की गई अपनी कुछ पोस्ट के जरिए किया। अर्जेंटीना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के मुद्दे पर व्यापक रूप से चर्चा की जाएगी।

एक्स पोस्ट में पीएम ने लिखा, सांस्कृतिक जुड़ाव में दूरी कोई बाधा नहीं, ब्यूनस आयर्स में भारतीयों के शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं

राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ द्विपक्षीय बैठक को लेकर पीएम ने जताई उत्सुकता

भारतीय समुदाय से चमकती भारत की भावना

पीएम ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'सांस्कृतिक जुड़ाव के मामले में दूरी कोई बाधा नहीं है। ब्यूनस आयर्स में भारतीयों द्वारा किए गए जोरदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वास्तव में बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है'।

पीएम की पहली द्विपक्षीय यात्रा

गौरतलब है कि बीते 57 वर्षों में भारत के किसी प्रधानमंत्री की अर्जेंटीना की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है। पीएम नरेंद्र मोदी अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंत्रण पर यह यात्रा कर रहे हैं। इससे पहले दोनों शीर्ष नेताओं के बीच पिछले साल 2024 में रियो डी जेनेरियो में आयोजित किए गए जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर एक मुलाकात हुई थी। अर्जेंटीना में प्रधानमंत्री की राष्ट्रपति माइली समेत उनके देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के साथ बैठकें होंगी। जिनमें राष्ट्रपति माइली और प्रधानमंत्री मोदी की बैठक काफी महत्वपूर्ण होगी। जिसमें मुख्य रूप से दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग और उससे जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। भागीदारी को बढ़ाने से जुड़े हुए कदमों पर भी दोनों नेता चर्चा करेंगे। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2018 में भी अर्जेंटीना की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, द्विपक्षीय यात्रा के लिए ब्यूनस आयर्स पहुंचा हूं। जिसका फोकस अर्जेंटीना के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर होगा। मैं राष्ट्रपति जेवियर से मिलने और उनके साथ विस्तृत बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।

गुजरात में बन रहा देश का पहला विवि

भारत का पहला सहकारी विश्वविद्यालय क्षेत्र में भाई-भतीजावाद को खत्म करेगा

500 करोड़ की लागत | **125** एकड़ पर होगा निर्माण | शाह का ऐलान त्रिभुवनदास किशीभाई पटेल होगा इस विवि का नाम

एजेंसी ▶▶ आणंद

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि गुजरात में सहकारी क्षेत्र के लिए बनने वाला देश का पहला राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भाई-भतीजावाद को समाप्त करेगा, क्योंकि भविष्य में इस क्षेत्र में केवल प्रशिक्षित व्यक्तियों को ही नौकरी मिलेगी। शाह आणंद कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान के परिसर में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय (टीएसयू) की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

विश्वविद्यालय का नाम दिवंगत त्रिभुवनदास किशीभाई पटेल के नाम पर रखा गया है, जो भारत में सहकारी आंदोलन के प्रमुखों में से एक थे और जिन्होंने अमूल की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। टीएसयू का निर्माण 500 करोड़ की लागत से 125 एकड़ ▶▶ शेष पेज 5 पर

विश्वविद्यालय प्रशिक्षण की कमी को दूर करेगा

उन्होंने कहा कि विवि इस क्षेत्र में लगने वाले भाई-भतीजावाद के आरोपों को दूर करने का काम करेगा। अतीत के विपरीत भविष्य में केवल प्रशिक्षित लोगों को ही इस क्षेत्र में नौकरी मिलेगी। पहले लोगों को काम पर रखा जाता था और फिर प्रशिक्षित किया जाता था। शाह ने कहा कि विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में प्रशिक्षण की कमी को पूरा करेगा जिससे देश का हर चौथा व्यक्ति या कहें कि लगभग 30 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं।

श्वेत क्रांति के जनक डॉ. कुरियन की भूमिका को नकार नहीं सकते

शाह ने विश्वविद्यालय का नाम श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन के नाम पर न रखे जाने संबंधी कुछ लोगों की टिप्पणियों पर कहा कि सहकारी क्षेत्र में उनकी भूमिका को कभी नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि त्रिभुवन पटेल ने सहकारी आंदोलन की अलख जगाई। यह उनका ही दृष्टिकोण था कि यह क्षेत्र आज मजबूती से खड़ा है। शाह ने कहा कि कांग्रेस के नेता जो इस तरह के सवाल उठा रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि पटेल उनकी पार्टी से ही थे और उस समय भाजपा का अस्तित्व ही नहीं था।

नाम के सवाल पर विपक्ष को दिया करारा जवाब

विश्वविद्यालय का नाम श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन के नाम पर न रखे जाने पर शाह ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 'डॉ. कुरियन की सहकारी क्षेत्र में भूमिका को कोई नकार नहीं सकता, लेकिन पटेल ने इस आंदोलन की नींव रखी। उनके दृष्टिकोण की वजह से ही आज यह क्षेत्र इतना मजबूत है।

कांग्रेस अपने नेता तक को नहीं जानती

शाह ने कहा कांग्रेस इस तरह के सवाल उठा रहे हैं, जबकि उन्हें यह भी नहीं पता कि त्रिभुवनदास पटेल उनकी ▶▶ शेष पेज 5 पर

पराली जलाना, स्वच्छ परिवहन, धूल नियंत्रण और वाहन उत्सर्जन नियंत्रण जैसे क्षेत्रों पर प्रमुख रूप से ध्यान दिया गया

सीएक्यूएम ने हरियाणा और पंजाब सरकारों के साथ वायु प्रदूषण शमन उपायों पर समीक्षा बैठक की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में समन्वित कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक ठोस प्रयास के अंतर्गत चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों के साथ दो महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें कीं। इस अवसर पर आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थिति रहे। इन समीक्षा बैठकों का उद्देश्य उक्त दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना है।

हरियाणा राज्य सरकार के साथ बैठक के दौरान, अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार 2025 में धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और

थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें 2025-26 के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत बायोमास को-फायरिंग लक्ष्य के संबंध में की गई प्रगति की समीक्षा भी शामिल है। समीक्षा किए गए अन्य मुद्दों में सड़क धूल शमन रणनीतियां, विशेष रूप से राज्य सरकार द्वारा चिन्हित सड़कों के पुनर्विकास के लिए तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए आयोग द्वारा जारी विभिन्न निर्देश शामिल थे। इनमें एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) वाहनों के परिसमापन और निर्देश संख्या 89 दिनांक ▶▶ शेष पेज 5 पर

नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया

भगोड़े नीरव मोदी को बैंक फंड्स को लूटने में 'मदद' की थी नेहल ने

46 वर्ष का नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक

ईडी और सीबीआई की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध पर कार्रवाई

13600 करोड़ रुपए का पीएनबी घोटाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएनबी घोटाले मामले में भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण के अनुरोध के बाद उस पर शिकंजा कसा गया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई को 4 जुलाई को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध की गई। इससे पहले साल 2019 में प्रवर्तन निदेशालय ने इंटरपोल से नीरव मोदी को बैंक फंड्स को लूटने में मदद करने के आरोप में नेहल मोदी की भूमिका के लिए उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया था।

50 किलो सोना, नकदी और 150 बक्से मोती चुराने के भी आरोप

नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में कथित 13,600 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी वाले बैंक लेनदेन के मामले के आरोपी और भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी का भाई है। नेहल मोदी के खिलाफ इससे पहले 2019 में रेड नोटिस जारी किया गया था। 46 वर्ष का नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है। नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित है। जांच में नेहल मोदी को नीरव मोदी की आपराधिक आय को वैध बनाने के लिए काम करने वाले अहम शख्स पाया गया था। नेहल ने ▶▶ शेष पेज 5 पर

धीरेंद्र प्रताप का शव लिफ्ट में मिला, दम घुटने से मौत की आशंका

विशाल मेगा मार्ट आग: यूपीएससी की तैयारी कर रहे युवक समेत दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मध्य दिल्ली के करोल बाग स्थित विशाल मेगा मार्ट में शुक्रवार शाम लगी आग में दो लोगों की मौत हो गई। कुमार धीरेंद्र प्रताप (25) का शव लिफ्ट के अंदर मिला। वह यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने आशंका जतायी है कि उसकी मौत दम घुटने से हुई है। दूसरे व्यक्ति का झुलसा हुआ शव इमारत में आग बुझाने के दौरान मिला। शव की शिनाख्त की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब छह बजकर 44 मिनट पर पदम सिंह रोड स्थित चार मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। आग विशाल मेगा मार्ट के आउटलेट में लगी थी। आग इमारत की दूसरी मंजिल तक ही सीमित रही। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कुल 13 गाड़ियां मौके पर भेजी गई थी। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। शुरुआती तौर पर कहा जा रहा है कि बिलड़िंग में पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होने के कारण आग बुझाने की कार्रवाई लंबी चली। हालांकि आग लगने के सटीक कारण की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई है। पुलिस ने कहा कि इस सिलसिले में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

दूसरे मृतक की नहीं हो पाई पहचान

पांच साल से यूपीएससी की तैयारी कर रहा था धीरेंद्र

लिफ्ट से जो शव बरामद हुआ वह कुमार धीरेंद्र प्रताप नाम के युवक का था। धीरेंद्र करोल बाग में ही पीजी में रहकर पांच साल से यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। शुक्रवार शाम छह बजकर 51 मिनट पर धीरेंद्र ने लिफ्ट के अंदर से अपने बड़े भाई को लगातार मैसेज भेजे। पहला मैसेज था, 'भइया', इसके बाद, 'मैं लिफ्ट में हूं। करोल बाग विशाल मेगा मार्ट। इसी समय भेजा गया उसका अंतिम संदेश था, अब सांस फूल रही। कुछ करो। इसके बाद कोई संदेश नहीं आया। पुलिस, दमकल और आपदा प्रबंधन टीमों की संयुक्त बचाव कार्रवाई के दौरान धीरेंद्र लिफ्ट में अचेत हालत में मिला। उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा एक और शव बरामद हुआ, जो पूरी तरह जल चुका है और उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

बिल्डिंग में अग्नि सुरक्षा नियमों की थी भारी कमी

दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इमारत में वेंटिलेशन की कमी और सामान से भरे सीढ़ियों ने बचाव कार्य को मुश्किल बना दिया था। करोल बाग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस हादसे ने व्यावसायिक इमारतों में अग्नि सुरक्षा नियमों की कमी को एक बार फिर उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

अंबेडकर नगर के दक्षिणपुरी इलाके की घटना

घर में मृत मिले तीन एसी मैकेनिक, एक की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणपुरी इलाके में तीन एसी मैकेनिक एक घर के अंदर मृत पाए गये। इनका चौथा साथी एम्स ट्रामा सेंटर में उपचाराधीन है। पुलिस को शनिवार सुबह मामले की सूचना मृतकों में से एक के जानकार ने दी। इसके बाद घर का दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई थी। मौत के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। घर से अंदर एक एसी गैस का सिलेंडर मिलने की बात सामने आई है। बहरहाल अंबेडकर नगर थाने की पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार यह घटना तब सामने आई जब भलस्वा डेयरी निवासी जीशान नामक के व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उसका रिश्तेदार फोन नहीं उठा रहा है। इसके बाद पुलिस दक्षिणपुरी की गली नंबर 14 स्थित मकान नंबर 262 में मौके पर पहुंची। यह वन रूम सेट था। उसका दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़ पुलिस अंदर दाखिल हुई। चार व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिले। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि चारों को आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें सफदरजंग अस्पताल और एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। इनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया गया। चौथे व्यक्ति की पहचान हसीब के रूप में हुई है और उसका इलाज जारी है। मरने वाले दो अन्य के नाम इमरान उर्फ सलमान और मोहसिन बताये गये हैं। तीसरे मृतक का नाम कपिल है। पुलिस ने बताया कि चारों एसी मैकेनिक के रूप में काम करते थे और एक साथ ही रहते थे। मौत के पुख्ता कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

'विकासपुरी में सीवर और नाले-नालियों की सफाई जल्द से जल्द पूरी की जाए'

नई दिल्ली। बरसात के मौसम में विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में कही भी जलभराव की समस्या न उत्पन्न हो इसके लिए सीवर और नालों के साथ नालियों की सफाई सभी संबंधित विभाग एक साथ मिलकर तुरंत करें। यह निर्देश स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र विकासपुरी में कई विकास कार्यों का उद्घाटन के अवसर पर अधिकारियों को दिए। इस दौरान डॉ. पंकज ने कहा कि कैबिनेट मंत्री के साथ-साथ विकासपुरी का विधायक होने के नाते मेरी यह जिम्मेदारी है कि मैं अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की हर समस्याओं को सुनकर तुरंत उनका निदान करूं। मैं ब्लेम-गेम में विश्वास नहीं करता हूं। जमीनी स्तर पर काम करने में भरोसा करता हूं। इसलिए काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि मंत्री पंकज ने अपने विधानसभा क्षेत्र विकासपुरी के कोटला विहार फेस-2 कॉलोनी में पानी की सप्लाई और सीवरेज के साथ ही रहौला विहार में पार्कों के निर्माण, ओपन जिम की व्यवस्था के साथ छठ घाट के जीर्णोद्धार जैसे कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से सीधा संवाद कर जनसमस्याओं को ध्यान से सुना और मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को 'ऑन द स्पॉट' जनसमस्याओं को तुरंत दूर करने के सख्त निर्देश दिए।

चोरी के मोबाइल फोन से बैंक खाली करने वाले तीन अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

चोरी या लूट के मोबाइल फोन का दुरुपयोग कर बैंक खातों से पैसे उड़ाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ रोहिणी जिले की साइबर पुलिस ने किया है। इनके पास से तीन मोबाइल फोन व एक रजिस्टर बरामद हुआ है। साइबर पोर्टल पर इस गिरोह से जुड़ी 14 शिकायतें मैच हुई है। पकड़े गये जालसाजों के नाम सचिन, करू राज उर्फ अमरजीत और आकाश उर्फ विशाल उर्फ केडी है।

डीसीपी राजीव रंजन के अनुसार एनसीआरपी पोर्टल से धोखाधड़ी के संबंध में एक ऑनलाइन शिकायत साइबर पुलिस स्टेशन में प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि धोखाधड़ी वाले लेनदेन से उसके साथ 1,36,210 की ठगी हुई है। उन्होंने आगे बताया कि उनका मोबाइल फोन 4 अप्रैल को खो गया था। उन्हें संदेह है कि किसी ने उनके खोए हुए फोन का दुरुपयोग करके उनके बैंक खाते से पैसे निकाले हैं। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। बैंक से शिकायतकर्ता के खातों का विवरण प्राप्त किया गया और उसका विश्लेषण किया गया। पता चला कि सभी पैसे रोहिणी में विभिन्न स्थानों पर एटीएम से निकाले गए थे। इसके बाद टीम ने एक के बाद एक तीनों आरोपियों को दबोच लिया। आरोपी करु राज रिठाला में एक सीएससी केंद्र चलाता है। वह खच्चर खाते उपलब्ध कराता था। पूछताछ के दौरान करूराज ने खुलासा किया कि वह इंडियन ओवरसीज बैंक का अधिकृत एजेंट है। वह अपने काम के लिए सीएससी केंद्रों पर आने वाले लोगों से उनकी जानकारी के बिना ही खाता खोलने के फॉर्म पर दस्तावेज और हस्ताक्षर प्राप्त कर लेता था।

बुराड़ी के मर्डर केस में शामिल बदमाश क्राइम ब्रांच ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बुराड़ी में 26 वर्षीय युवक की हत्या कर फरार कुख्यात अपराधी को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार है। क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल टीम के हत्थे चढ़े बदमाश का नाम 32 वर्षीय अरुण डेढ़ा बताया गया है। इसने 25 जून को बुराड़ी थाना क्षेत्र में नशे में इस हत्या को अंजाम दिया था। गिरफ्त में आया डेढ़ा कुख्यात अपराधी है और पहले से ही हत्या के प्रयास, अतिक्रमण, कानूनी निर्देशों की अवहेलना, चोट पहुंचाने और आर्म्स एक्ट आदि के आठ मामलों में शामिल रहा है।

पुलिस के अनुसार 25 जून को बुराड़ी थाना क्षेत्र में अपने जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले 26 वर्षीय अजीत कुमार त्रिपाठी की गोली मारकर हत्या की गई थी। रात करीब 9 बजे बुराड़ी के कौशिक एन्क्लेव निवासी अजीत अपने नियोक्ता राकेश कुमार और एक सुरक्षा गार्ड के साथ बुराड़ी के हूवर अपार्टमेंट की पार्किंग में स्थित अपने कार्यालय से घर जा रहा था। इसी बीच हूवर अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर किराए के मकान में रहने वाले अरुण डेढ़ा नामक व्यक्ति ने शराब के नशे में आकर गाली-गलौज शुरू कर दी। फ्लैट के मालिक चेतन चावला ने भी उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। जब अजीत कुमार त्रिपाठी गाली-गलौज का कारण जानने उसके पास गए तो उसने पिस्तौल निकालकर अजीत कुमार त्रिपाठी की ओर तान दी और उन पर फायर कर दिया। इसके बाद अरुण वहां से भाग गया। अजीत को बुराड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। यह घटना मीडिया में भी व्यापक रूप से प्रकाशित हुई थी क्योंकि घटना के ठीक अगले दिन मृतक अजीत अपना 27वां जन्मदिन मनाने जा रहा था, लेकिन उसके जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले उसकी हत्या कर दी गई। आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। इसे तिलपता चौक, दादरी, यूपी के पास कासना-दिल्ली रोड पर स्थित एक ओपन पार्किंग से पकड़ा गया। अरुण डेढ़ा उत्तर पूर्वी दिल्ली के गामड़ी गांव का रहने वाला था। डेढ़ा शादीशुदा है और उसके दो नाबालिग बच्चे हैं। आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने के कारण, उसकी पत्नी पिछले चार वर्षों से अपने माता-पिता के घर पर अलग रह रही है। इसलिए वह पिछले 6/7 महीनों से हूवर अपार्टमेंट, बुराड़ी में किराए के मकान में अलग रह रहा था।

नरेला में मुठभेड़ के बाद दो बदमाश गिरफ्तार

■ रोहतक के रिटोली मर्डर में थे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने नरेला इलाके मे मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। हाल ही में रोहतक के रिटोली मर्डर केस में ये बदमाश शामिल थे। इनके नाम मोखरा निवासी भूमित मलिक और मरोढ़ी निवासी मोहित वशिष्ठ बताये गये हैं। दोनों का संबंध विदेश में बैठे कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग से बताया गया है।

डीसीपी अमित कौशिक के अनुसार स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज टीम को इन बदमाशों के दिल्ली में होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक ट्रैप नरेला इलाके में लगाया गया। शुक्रवार देर रात बदमाशों के वहां आते ही उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा गया। लेकिन उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग कर दोनों बदमाशों को काबू कर लिया। दोनों के पैरों में गोली लगी है। गत जून माह की एक तारीख को रिटोली, रोहतक में एक सनसनीखेज हत्या में दोनों शामिल थे। हत्या की घटना के बाद से ही दोनों फरार थे। पीड़ित को हिमांशु भाऊ ने अपने दुश्मन का करीबी रिश्तेदार होने के कारण निशाना बनाया था। इनके पास से एक मोटरसाइकिल, दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद हुये। आरोपी जबरन वसूली और टारगेट किलिंग व गैंगवार की कई घटनाओं में शामिल रहे हैं। हिमांशु उर्फ भाऊ एक खूंखार अपराधी है जो हरियाणा और दिल्ली/एनसीआर के आसपास के इलाकों में बिल्डरों, कार शोरूम के मालिकों और फाइनेंसरों की टारगेट किलिंग और जबरन वसूली में शामिल है। वह रोहतक के रिठोली गांव का रहने वाला है और भारत से भागकर विदेश से अपना गिरोह चला रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/नार्दर्न रेलवे, चौथी मंजिल, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली–110001 ने अधोविख्यात काम के लिए **एक पैकेट प्रणाली** के तहत ई–निविदा आमंत्रित करता है:–

1	कार्य और स्थान का नाम	प्लेटफार्म 1 और 2 (चिपयाना) और प्लेटफार्म 3,4,5 और 6 (दिल्ली एंड) के चौड़ीकरण और ट्रैक की स्लीविंग और गाजियाबाद स्टेशन पर आरपीसी –4 सुविधा के साथ दो स्टेबलिंग लाइन का प्रावधान के संबंध में 25 केवी ओएचई की डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग और संशोधन।
2	कार्य की पूर्णता अवधि	12 महीने
3	लगभग काम की लागत	रु-2,07,94,410.46/-
4	बयाना धन राशि (ऑनलाइन जमा करने के लिए)	रु-2,54,000/-
5	ई–निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	दिनांक **05.04.2025** को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** 16:00 बजे निविदाएं अपलोड की जा सकती हैं। निविदादाता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा **30.07.2025** को 15:00 बजे खोली जाएगी।
6	निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज	विस्तृत ई–निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध होगा **www.ireps.gov.in 16.07.2025** से **30.07.2025** तक। उपर्युक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निबंधन और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

341–Dy.CEE/C/NDLS/2025-26 Dated 05.07.2025 **2028/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राजधानी में कई हिस्सों में लगातार तीसरे दिन हल्की बारिश हुई दर्ज

नई दिल्ली। मानसून के आने व लगातार तीसरे दिन दिल्ली के कई हिस्सों में बारिश होने के बावजूद लोगों को भीषण गर्मी व उमस से राहत नहीं मिल रही है। मौसम के खराब मूड के चलते शनिवार को अधिकतम तापमान एक बार फिर चढ़ते हुए 37.1 डिग्री पहुंच गया जो सामान्य से 05.0 डिग्री अधिक है। जबकि न्यूनतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। आईएमडी के अनुसार गत 24 घंटे में अधिकतम आद्रता 89 प्रतिशत दर्ज हुई जबकि न्यूनतम आद्रता का स्तर 57 प्रतिशत रहा। आईएमडी के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से पांच साढ़े बजे के बीच दिल्ली में सबसे ज्यादा बारिश पालम में 1.8 मिमी दर्ज हुई। जबकि सफदरजंग में 1.8 मिमी बारिश दर्ज हुई।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत बाबरपुर जिला से हुई प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस अपना अस्तित्व बचाने के लिए एक दशक से ज्यादा समय से अपना पूरा दम लगा रही है। संगठन में कई बदलाव, लोकसभा में आम आदमी पार्टी से गठबंधन तक किया लेकिन कांग्रेस को विधानसभा और लोकसभा में तीसरी बार शून्य ही मिला। अब प्रदेश कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक स्तर पर मंडलम और सेक्टर का गठन करके जमीन पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने जा रही है। इसकी शुरुआत शनिवार को बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रशिक्षण शिविर आयोजन करके जिलों में शुरुआत कर दी गई। इस अभियान की शुरूआत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने की। इस अवसर पर यादव के अलावा दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, जिला अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद थे। अपने संबोधन में यादव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर ब्लाक के अंतर्गत मडलम और सेक्टर के गठन के बाद किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। यादव ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सहयोग से शुरु किए गए प्रशिक्षण शिविर तीन सेशन में होगा। प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस का विजन, कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास और दूसरे सेशन में बूथ, मंडलम, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों और तीसरे सेशन में चुनाव के समय पार्टी और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और कार्यशैली पर विस्तार से चर्चा हुई। यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का पहला पड़ाव दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन के नेतृत्व में सफलता के साथ पूरा किया गया। अब दूसरे पड़ा में उनके निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत सभी जिलों में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत आज से हुई है।

बिजली संकट पर कांग्रेस का तीखा हमला, सीएम रेखा गुप्ता से की कंपनियों के ऑडिट की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राजधानी में बिजली संकट पर तीखा हमला बोलते हुए दिल्ली की भाजपा सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने सीएम रेखा गुप्ता से बिजली कंपनियों के ऑडिट की मांग की है। इस बारे में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि दिल्ली में लंबे समय से बिजली संकट गहराया हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने बिजली कंपनियों को करीब 25 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी दी थी, जिसका आज तक एक बार भी कोई स्वतंत्र ऑडिट नहीं हुआ। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि 2015 से 2025 के बीच बिजली कंपनियों को कितनी सब्सिडी दी गई, कितनी राशि वसूल की गई, और उपभोक्ताओं से किस दर पर बिजली बेची गई। इसकी पूरी जानकारी आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। डॉ. नरेश ने कहा कि यह जानना जरूरी है कि हर साल जनता की जेब से जो पैसा सब्सिडी के नाम पर निकाला गया, उसका लाभ आखिरकार पहुँच किसे रहा है। प्रश्न उठाते हुए कहा कि 2015 से 2025 तक बिजली कंपनियों ने उपभोक्ताओं से कितनी सब्सिडी वसूली और उस दौरान बिजली की दरें क्या थी, इसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। पिछले दस वर्षों में दिल्ली सरकार ने बिजली सब्सिडी के नाम पर हजारों करोड़ रुपये बिजली कंपनियों को दिए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इसका लाभ कितने उपभोक्ताओं को वास्तविक रूप से मिला। कांग्रेस ने भाजपा सरकार को उसके ही चुनावी घोषणापत्र की याद दिलाते हुए कहा कि सरकार ने वादा किया था कि डिस्कॉम सब्सिडी का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाएगा।

बिजली की मांग अब भी 7 हजार मेगावाट के पार

नई दिल्ली। दिल्ली में मानसून आने के बाद भी बिजली की मांग सात हजार मेगावाट से अधिक बनी हुई है। हालांकि इस बार अभी तक बिजली की मांग गत वर्ष बनाए गए ऐतिहासिक रिकॉर्ड 8647 मेगावाट तक नहीं पहुंची है। बावजूद इसके आपूर्ति कर्ता निजी बिजली कंपनियों को अब झमाझम बारिश का इंतजार है। क्योंकि जैसे ही मानसून की झमाझम बारिश होने लगेगी, बिजली की मांग में भारी गिरावट होगी। मांग घटने ही बिजली कंपनियां राहत की सांस लेती है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार 5 जुलाई 2025 को बिजली की अधिकतम मांग 7091 मेगावाट दर्ज हुई। जबकि 4 जुलाई 2025 को मांग 7166 मेगावाट रही थी। जबकि 3 जुलाई 2025 को मांग का आंकड़ा 7410 मेगावाट दर्ज हुई।

डीयू अकादमिक परिषद की 1023 वीं बैठक का आयोजन

शिक्षकों को पेपर चेकिंग का भुगतान समय पर मिलना चाहिए : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद (एसी) की 1023 वीं बैठक का आयोजन कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को हुआ। बैठक में जीरो आवर के दौरान एक सदस्य द्वारा पेपर चेकिंग की पेमेंट में देरी का मुद्दा उठाए जाने पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने आदेश दिया कि सभी विभाग लंबित बिलों को जल्दी सबमिट करें और परीक्षा शाखा एवं वित्त विभाग जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करें। कुलपति ने कहा कि शिक्षकों को भुगतान समय पर मिलना चाहिए। डीयू एसी की बैठक के आरंभ में डीयू के पूर्व प्रति कुलपति एवं पूर्व एक्टिंग कुलपति स्वर्गीय प्रोफेसर पीसी जोशी को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उनकी सेवाओं को भी याद किया गया और एक शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

'भारतीय इतिहास में सिख शहादत' पढ़ाया जाएगा

कुलपति ने बताया कि डीयू के कॉलेजों में "भारतीय इतिहास में सिख शहादत (लगभग 1500-1765)" को सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाएगा। इसके कोर्स को अकादमिक परिषद ने स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। डीयू के सीपीआईएस द्वारा सिख शहादत का कोर्स प्रस्तुत करने पर कुलपति ने सीपीआईएस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कोर्स केवल सिखों के इतिहास से संबंधित ही नहीं बल्कि भारत के इतिहास से भी संबंधित है।

बैकलॉग को पूरा करने के लिए मिल सकती है आगे दो साल की अनुमति

शैक्षणिक सत्र 2016-2017 में डीयू में प्रवेश लेने वाले वे सभी छात्र जो किसी भी कारण से अपने प्रोग्राम के लिए निर्धारित न्यूनतम अवधि की सामान्य अवधि के भीतर उसे पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें डिग्री के लिए योग्य होने के लिए बैकलॉग को पूरा करने हेतु सामान्य अवधि से दो साल आगे की अनुमति दी जा सकती है। गौरतलब है कि सीबीसीएस से यूजीसीएफ में परिवर्तन के कारण पाठ्यक्रम ढांचे में इस तरह के बदलाव से ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहां कुछ छात्र विश्वविद्यालय के अध्यादेशों के संशोधित अध्यादेश 8 के तहत निर्धारित अवधि के भीतर अपनी पढ़ाई पूरी करने में असमर्थ हैं।

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी भारत की चेतना के प्रेरणा स्रोत हैं : विजेंद्र

नई दिल्ली। भारत की युवा शक्ति को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सेवा-भाव की ओर प्रेरित करने वाले स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अग्रदूत थे। उनके विचार आज भी भारत की चेतना के प्रेरणा स्रोत हैं। यह बातें शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कही। रोहिणी सेक्टर-8 स्थित विवेकानंद वरिष्ठ नागरिक फोरम द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन आज के भारत के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। जब हम आत्मनिर्भर भारत, युवा शक्ति के उत्थान और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को लेकर सजग हैं, तब विवेकानंद के विचार हमें आत्मबल, राष्ट्रभक्ति और सार्वभौमिक मानवता के मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देते हैं। गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि विवेकानंद का संदेश केवल धार्मिक या आध्यात्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में युवा केवल शारीरिक रूप से सशक्त नहीं, बल्कि नैतिक रूप से दृढ़ और मानसिक रूप से प्रबुद्ध होना चाहिए। यह आज के समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रेरक शक्ति हैं। आज के समय में, जब युवा पीढ़ी अनेक सामाजिक, नैतिक और वैचारिक चुनौतियों का सामना कर रही है, तब विवेकानंद के विचार उन्हें न केवल आत्मबल और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं, बल्कि देशभक्ति, सेवा और नेतृत्व जैसे मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा भी देते हैं। अंत में, उन्होंने देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में अपनाएं और एक समावेशी, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड (परिसमापन में)

परिसमापक का पता – 106, प्रथम तल, कनकिया एट्रियम 2, क्रॉस रोड ए, कोर्टयार्ड मैरियट के पीछे, चकाला, अंधेरी ईस्ट, मुंबई – 400093
संपर्क: +91 8879399177, ईमेल: liquidator.pratibha@gmail.com

ई–नीलामी – आईबीसी, 2016 के तहत परिसंपत्तियों की बिक्री
ई–नीलामी की तिथि और समय: 08 अगस्त 2025 (शुक्रवार)
अपी. 01:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक (प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड (परिसमापन में) के स्वामित्व वाली संपत्तियों की बिक्री, जो आईबीसी 2016 की धारा 35(एफ) के तहत परिसमापन प्रक्रिया विनियमों के विनियमन 33 के साथ परिसमापन संपत्ति का हिस्सा है। ई–नीलामी **"जहां है, जैसा है", "जो है, जैसा है" के आधार पर, "जो कुछ भी है" और "कोई वापसी नहीं"** के आधार पर आयोजित की जाएगी।

ई–नीलामी बिक्री ई–नीलामी सेवा प्रदाता के माध्यम से ई–बिक्रय नीलामी मंच वेबसाइट https://ibbi.baanknet.com/eauction-ibbi/home के माध्यम से हस्ताक्षरकर्ता द्वारा की जाएगी।

भारतीय राशि में

क्रमांक	विवरण	आरक्षित मूल्य	ईएमडी	वृद्धिशील बोली राशि
मर्सिडीज़ बेंज की बिक्री ई–नीलामी की तिथि और समय: 08 अगस्त 2025 (शुक्रवार) अपी. 01:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक				
1.	मर्सिडीज़ बेंज -S-350 (MH04 HD 0006)	37,17,900	371,790	40,000

नोट:
1. बोली लगाने की अनुमति ईएमडी जमा करने पर दी जाएगी।
2. परिसमापक बिना कोई कारण बताए और बिना किसी दायित्व के प्रक्रिया को रद्द या संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यह एक गैर–बाध्यकारी प्रक्रिया है और परिसमापक/हितधारक परामर्श समिति के विवेक के अधीन होगी। अधिक जानकारी के लिए प्रक्रिया ज्ञापन देखें।
3. संभावित बोलीदाताओं को यह वचन देना होगा कि वे संहिता की धारा 29ए के अंतर्गत किसी भी प्रकार की अयोग्यता से ग्रस्त नहीं हैं, जहां तक लागू हो और यदि किसी भी स्तर पर अयोग्य पाए जाते हैं, तो जमा की गई बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी।

बोली दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि: 26 जुलाई 2025 (शनिवार)
निरीक्षण की अंतिम तिथि: 02 अगस्त 2025 (शनिवार)
ई–नीलामी के लिए ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि: 05 अगस्त 2025 (मंगलवार)
ई–नीलामी की तिथि और समय: 08 अगस्त 2025 (शुक्रवार)

नोट: विस्तृत नियम व शर्तें, ई–नीलामी बोली दस्तावेज, घोषणा और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के अन्य विवरण https://ibbi.baanknet.com/eauction-ibbi/home और प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड की वेबसाइट https://www.pratibhagroup.com पर उपलब्ध हैं।

तारीख– 06.07.2025
स्थान: मुम्बई

हस्ता/–
एविल मेनेजेस
प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के परिसमापक के रूप में
असाइनमेंट के लिए प्राधिकरण 31 दिसंबर 2025 तक वैधता
पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P00017/2016-17/10041
पंजीकृत पता: 106, प्रथम तल, कनकिया एट्रियम 2, क्रॉस रोड ए, कोर्टयार्ड मैरियट के पीछे, चकाला, अंधेरी ईस्ट, मुंबई – 400093
ईमेल: liquidator.pratibha@gmail.com

बजट के लिए कैबिनेट से पारित कराने की नहीं होगी आवश्यकता

दिल्ली जल बोर्ड को स्वायत्त बनाने के लिए बढ़ाए गए वित्तीय अधिकार : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने यमुना को निर्मल बनाने, नालों की सफाई व पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए दिल्ली जल बोर्ड के वित्तीय अधिकारों में इजाफा कर दिया है। इस बात की जानकारी शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के वित्तीय अधिकारों में इजाफा कर दिया है। अब बोर्ड करोड़ों रुपयों की लागत वाली परियोजनाओं को स्वयं ही पूरा करेगा, जिनमें यमुना का शुद्धिकरण, नालों के पानी का ट्रीटमेंट, नियमित पेयजल आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार ऐसी परियोजनाओं को अब कैबिनेट में लाने की आवश्यकता नहीं होगी। नए निर्णय में बोर्ड के अध्यक्ष, सीईओ व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में भी बढ़ोतरी कर दी गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का स्पष्ट कहना है कि बोर्ड की शक्तियों में यह बढ़ोतरी शासन प्रणाली को अधिक सक्षम, प्रभावी और उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से की गई है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि दिल्ली की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नारे न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन (मिनिमम गवर्नमेंट मैक्सिमम गवर्नेंस) पर अमल कर रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि बोर्ड का अर्थ ही होता है कि वह सक्षम व स्वायत्त हो, तभी उसकी कार्यप्रणाली प्रभावी हो पाएगी।

करोड़ों रुपये की परियोजनाओं को जल बोर्ड स्वयं ही करेगा पूरा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि नई व्यवस्था के अनुसार दिल्ली जल बोर्ड अब 50 करोड़ रुपये से अधिक व्यय करने का अधिकार दे दिया गया है। वह अधिक बजट की परियोजनाओं को स्वीकृत कर सकता है। नए निर्णय के अनुसार जल बोर्ड के अध्यक्ष को विभिन्न परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ रुपये तक के वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। इसके अलावा जल बोर्ड के सीईओ को 25 करोड़ रुपये, मेंबर को 5 करोड़ रुपये तक के वित्तीय अधिकार के अलावा अन्य वरिष्ठ अफसरों के वित्तीय अधिकारों में बढ़ोतरी कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि पूर्व सरकार ने बोर्ड के सभी वित्तीय अधिकार समाप्त कर दिए थे। उसका परिणाम यह हुआ कि यमुना की स्वच्छता, नालों की आधुनिक प्रणाली से सफाई, पेयजल से जुड़ी योजनाएं ठप हो गईं, जिसके चलते न तो यमुना नदी निर्मल हो पा रही थी और न दिल्ली के लोगों को पेयजल की समुचित आपूर्ति हो पा रही थी। अब हमारी सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड को सही मायनों में 'बोर्ड' बना दिया है और उसकी कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए उसके वित्तीय अधिकारों में बढ़ोतरी कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि जल बोर्ड की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाया गया है। इससे भ्रष्टाचार की संभावना घटेगी और जिम्मेदारी तय रहेगी। सीएम ने कहा कि नालों की सफाई के लिए जहां-जहां सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) और डीसिल्टिंग प्लांट्स की जरूरत है, अब उन्हें स्थापित करने में तेजी लाई जाएगी

पेयजल आपूर्ति में हो रहा तेजी से सुधार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि दिल्ली में पीने के पानी की आपूर्ति में तेजी से सुधार हो रहा है। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, जिसमें यमुना को निर्मल बनाने के लिए उसकी जल्द और प्रभावी सफाई, आधुनिक सिस्टम स्थापित कर नालों का दूषित व बदबूदार पानी साफ करना, ताकि वे यमुना को दूषित न कर पाएं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से यमुना की सफाई योजनाएं कागजों तक सीमित थीं, क्योंकि कार्यों की स्वीकृति और बजट के लिए प्रक्रिया अत्यंत लंबी और जटिल थी। अब यह बाधा हट गई है। हमारी सरकार का लक्ष्य 'परिणाम-उन्मुख प्रशासन' देना है, न कि कागजी प्रक्रियाओं में जनता को उलझाए रखना।

'एनडीएमसी का आम महोत्सव किसानों को बना रहा सशक्त'

- कुलजीत सिंह चहल ने दो दिवसीय आम महोत्सव का किया उद्घाटन
- देश भर से 500 से अधिक आम की किस्मों का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत-2047 के दूरदर्शी लक्ष्यों के तहत, एनडीएमसी आम महोत्सव किसानों को सशक्त बनाने, कृषि-नवाचार को बढ़ावा देने और भारत की कृषि विविधता का जश्न मनाने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य कर रहा है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शनिवार को चाणक्यपुरी के विनय मार्ग स्थित पालिका सेवा अधिकारी संस्थान (पीएसओआई) में दो दिवसीय मैंगो फेस्टिवल - 'खास-ए-आम' के उद्घाटन के बाद पर यह बाते कही। उन्होंने बताया कि आम महोत्सव का मुख्य आकर्षण ढाई किलो का आम- 'राजा वाला' है। बताया गया कि देश भर से 500 से अधिक आम की किस्मों को एक साथ लाकर और किसान समितियों, अनुसंधान संस्थानों और विक्रेताओं को सीधे संपर्क प्रदान करके, यह महोत्सव आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक है और समावेशी विकास और किसान-केंद्रित विकास के लिए एनडीएमसी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

चहल ने कहा कि एनडीएमसी द्वारा आयोजित यह आम महोत्सव एक ऐसा संगम है, जहां इस आम महोत्सव में 515 प्रकार के आम प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें भारत के विभिन्न राज्यों के विभिन्न किसानों ने उगाया है। एनडीएमसी ने आम महोत्सव के अपने पहले प्रयास में, किसानों को एक अनूठा मंच प्रदान किया है, जहां वे अपने आमों और उनके उत्पादों का प्रदर्शन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। हमारी सरकार का फोकस केवल घोषणाओं पर नहीं, जमीन पर ठोस परिणाम देने पर है। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के पीतमपुरा में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और निरीक्षण करने के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन इलाकों में नागरिक वर्षों से जलभराव, जर्जर सड़कों और अंधेरे जैसी समस्याओं का सामना कर रहे थे, वहां आज समाधान की दिशा में ठोस पहल हो रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाना है, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन को सुविधाजनक, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना भी है।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग के पीतमपुरा में 2 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और निरीक्षण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार का लक्ष्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि हर कार्य के माध्यम से आमजन के जीवन को बेहतर बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में चल रही विकास परियोजनाएं 'विकसित दिल्ली की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में मजबूत कदम हैं। इसी कड़ी में आज शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से कई अहम निर्माण परियोजनाओं का निरीक्षण एवं उद्घाटन किया गया।

खजूरी चौक पर ट्रैफिक जाम की समस्या का जल्द से जल्द किया जाए समाधान : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। खजूरी चौक पर ट्रैफिक जाम की समस्या का सभी विभाग आपसी समन्वय से जल्द से जल्द समाधान करें। यह निर्देश शनिवार को दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिए हैं। गौरतलब है कि विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में खजूरी चौक क्षेत्र में लगने वाले गंभीर ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक राजधानी के उत्तर-पूर्वी हिस्से में बढ़ते यातायात दबाव और आम जनता को हो रही असुविधा को देखते हुए बुलाई गई थी। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) सहित कई प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद कपिल मिश्रा ने कहा कि खजूरी चौक, दिल्ली का एक प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है जहाँ वजीराबाद, सिग्नेचर ब्रिज, भजनपुरा, शास्त्री पार्क, करावल नगर जैसे घने आबादी वाले क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। यह क्षेत्र लगातार ट्रैफिक जाम की चपेट में रहता है, जिससे न केवल यात्रियों को परेशानी होती है बल्कि एम्बुलेंस, दमकल और अन्य आपातकालीन सेवाओं की गति भी बाधित होती है। इसलिए खजूरी चौक पर सुचारू यातायात संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर कार्य करना होगा। कपिल ने बताया कि बैठक में अतिरिक्त ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती कर यातायात को नियंत्रित करना, सड़क चौड़ीकरण और आवश्यकतानुसार अंडरपास या फ्लाईओवर के निर्माण की संभावनाएं तलाशना, ऑटो, बस और निजी वाहनों के लिए अलग-अलग लेन निर्धारित करना,वैकल्पिक मार्गों का विकास और यातायात विभाजन की रणनीति बनाना और मेट्रो और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को प्रोत्साहन देना ताकि निजी वाहनों का दबाव कम हो।

दिल्ली सरकार ने बढ़ाई कांवड़ समितियों के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कांवड़ समितियों के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 दिन बढ़ाकर 10 जुलाई 2025 कर दी है। कांवड़ समिति रविवार को भी आवेदन जमा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि कई कांवड़ समितियां विभिन्न कारणों से अपना आवेदन समय पर जमा नहीं कर सकीं। इसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है ताकि कोई भी समिति छूट न जाए और सभी को उचित प्रशासनिक एवं वित्तीय सहयोग मिल सके। पहले अंतिम तिथि 5 जुलाई तक थी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशानुसार, कांवड़ समितियों के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित की जा रही है। संबंधित जिलों में एडीएम (अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट) की निगरानी में सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से सभी आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और विभागीय अनुमतियां 72 घंटे के भीतर जारी की जा रही हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कांवड़ यात्रा भक्ति और सेवा का प्रतीक है और उनकी सरकार इस पवित्र कार्य से जुड़े प्रत्येक श्रद्धालु और समिति को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

समाज में व्यक्ति की प्रतिष्ठा समाप्त कर देता है नशा : इंद्राज

नई दिल्ली। नशे की लत न केवल व्यक्ति को परिवार से दूर करती है, बल्कि समाज में उसकी प्रतिष्ठा भी समाप्त कर देता है। यह बात शनिवार को दिल्ली के समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली स्थित बवाना क्षेत्र के जेजे कॉलोनी में दौरा करने के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए कही। वहीं इस दौरान मंत्री इंद्राज ने जन सुनवाई भी की। जन सुनवाई के दौरान स्थानीय निवासियों ने पानी की नई लाइन बिछाने, सड़कों और नालियों के निर्माण एवं नियमित सफाई, पार्कों के सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा की और अपने सुझाव दिये। समाज कल्याण मंत्री ने नशे के खिलाफ लड़ाई में जन सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे की लत किसी भी व्यक्ति को केवल शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से भी कमजोर बना देती है। अगर कोई व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई नशे में गंवा देगा तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और भविष्य पर गंभीर असर पड़ेगा। मंत्री रविंद्र इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। नशे की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए दिल्ली सरकार हर संभव प्रयास कर रही है और विभागीय समन्वय से इस दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

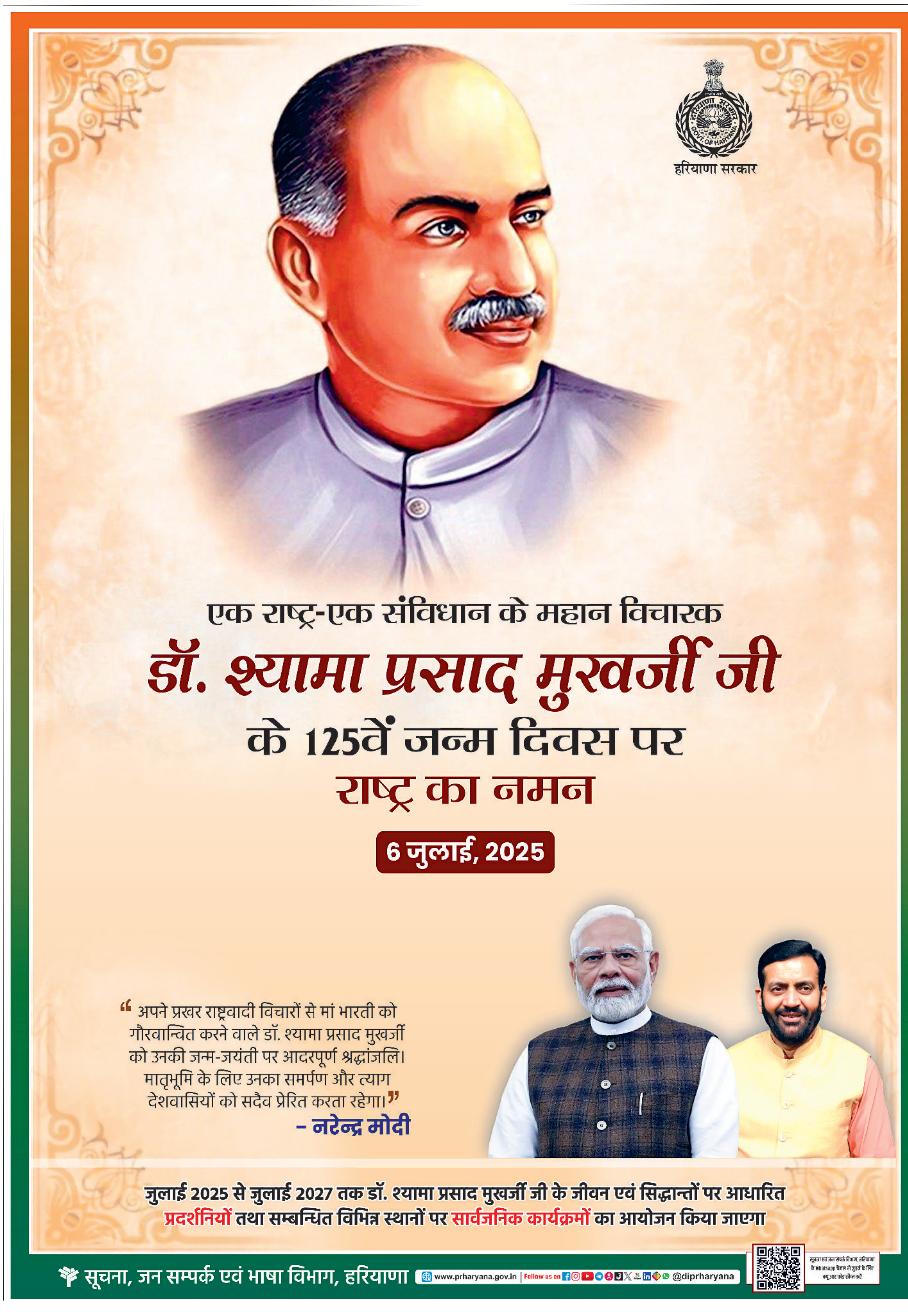

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत

गुरुग्राम। सेक्टर 40 एरिया में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने चालक पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में झज्जर के विपिन ने कहा कि उसका भाई 27 वर्षीय दिनेश गुरुग्राम स्थित एक कंपनी में डिलीवरी का काम करता था।

स्कूली बच्चों से भरा ऑटो पलटा, 3 घायल

फरीदाबाद। दो नंबर चौक पर शनिवार सुबह एक कार ने स्कूली बच्चों को लेकर जा रहे ऑटो में टक्कर मार दी। घटना में तीन बच्चों को चोट आई है। बताया जा रहा है कि कार सवार नशे की हालत में था। कार ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ। ऑटो चालक लक्ष्मण शर्मा स्कूली बच्चों को लेकर स्कूल जा रहा था।

तेज रफ्तार वाहन ने महिला को कुचला, मौत

गुरुग्राम। फर्रुखनगर एरिया में केएमपी पर तेज रफ्तार वाहन ने कूड़ा बीन रही एक महिला को कुचल दिया। महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में भिवानी की रहने वाली कृष्णा ने कहा कि उसकी ननद कैथल गुरुग्राम में कूड़ा बीनने का काम करते थे। केएमपी पर संतोष के साथ कूड़ा बीन रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने संतोष को टक्कर मार दी। लोगों ने घायल संतोष को उपचार के लिए सेक्टर 10 के सिविल अस्पताल पहुंचाया।

नमो भारत स्टेशन बना कला-संगीत का संगम

आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर कला प्रदर्शनी के साथ निःशुल्क लाइव पोर्ट्रेट का आनंद उठा रहे नमो भारत के यात्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

एनसीआरटीसी यात्रियों के अनुभव को और भी यादगार बनाने के लिए निरंतर नए-नए प्रयास कर रहा है। आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर आयोजित कला प्रदर्शनी के साथ ही यात्रियों को निःशुल्क लाइव पोर्ट्रेट बनवाने का भी लुत्फ लिया। अब तक नमो भारत के सैकड़ों यात्री अपने लाइव पोर्ट्रेट बनवाकर अपनी यात्रा को यादगार बना चुके हैं। एनसीआरटीसी इस खास एक्टिविटी का आयोजन इंटरनेशनल इंस्ट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स (आईआईएफए), मोदीनगर के सहयोग से कर रहा है, जिसके अंतर्गत संस्थान के छात्र स्टेशन परिसर में यात्रियों की लाइव स्केचिंग कर रहे हैं। नमो भारत के यात्री 27 जुलाई 2025 तक इस कला प्रदर्शनी का आनंद ले सकते हैं। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि स्टेशन के अपर कॉनकोर्स लेवल पर नॉन पेड एरिया में लगाई गई चित्रकला प्रदर्शनी , 'यंग ब्रश स्ट्रोक्स' के साथ ही फ्री लाइव स्केचिंग जोन बनाया गया है। इस प्रदर्शनी में आईएफए के छात्रों और शिक्षकों द्वारा बनाई गई कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं। एनसीआरटीसी का प्रयास है कि नमो भारत स्टेशनों को यात्रा के केवल एक स्टॉप के बजाए एक जीवंत, सामाजिक केंद्र में परिवर्तित कर यात्रियों की यात्रा को और सुखद बनाया जाए। इस श्रृंखला में एनसीआरटीसी द्वारा कई पहल की जा रही है। लाइव स्केचिंग और चित्रकला प्रदर्शनी इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा हैं।

प्रदर्शनी को हजारों लोग देख चुके हैं

यह पहल इन युवा कलाकारों को एक मंच प्रदान कर रही है जिसके माध्यम से वह अपनी कला और प्रतिभा को हज़ारों लोगों के साथ साझा कर रहे हैं। 27 जून को एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल द्वारा उद्घाटित की गई इस प्रदर्शनी को अब तक हजारों लोग देख चुके हैं और एनसीआरटीसी को इस सफल पहल के लिए शुभकामनाएँ दी हैं। आईआईएफए के युवा कलाकारों ने भी एनसीआरटीसी को इस पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

नमो भारत स्टेशनों को सामाजिक केंद्र में बदलने की एक और पहल

नमो भारत स्टेशनों को एक सामाजिक केंद्र में बदलने की एक और सफल पहल है नमो भारत अनप्लग्ड- म्यूज़िकल फ्राइडेज़। हर शुक्रवार की शाम 6 बजे से आनंद विहार स्टेशन पर आयोजित होने वाले म्यूज़िकल फ्राइडेज़ का यह दूसरा संस्करण है, जिसे सीज़न 1 की अपार सफलता और लोगों की मांग पर फिर शुरु किया गया है। म्युजिकल फ्राइडे स्कूल, कॉलेजों और एनसीआर के अन्य उभरते संगीत बैंड्स या एकल कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान करता है।

कर्मचारी-मजदूर संगठनों ने हड़ताल को सफल बनाने के लिए झौंकी ताकत, रोजाना हो रही सैकड़ों मीटिंग

सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 9 जुलाई की हड़ताल में लाखों कर्मचारी व मजदूर भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी, मजदूर व कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल होगी। इस हड़ताल का आह्वान देश की दस केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों, केन्द्र एवं राज्य सरकार और पीएसयू के कर्मचारियों के सैकड़ों कर्मचारी संघों की फेडरेशनों ने संयुक्त रूप से किया है। हड़ताल को राज्य में सफल बनाने के लिए सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा व मजदूर संगठन सीटू हरियाणा ने पूरी ताकत झोंक दी है। शनिवार को एसकेएस व सीटू के नेताओं ने अरावली गोल्फ कोर्स, फरीदाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। प्रेस कांफ्रेंस को अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री, सीआईटीयू के महासचिव जय भगवान ने संबोधित किया। उक्त नेताओं ने दावा किया कि 9 जुलाई की हड़ताल राज्य में पूरी तरह सफल रहेगी और हड़ताल लाखों की तादाद में कर्मचारी एवं मजदूर शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों संगठनों के नेतृत्व में पांच जत्थे 30 जून से चले हुए हैं, जो रोजाना अलग अलग जिलों में सैकड़ों मीटिंग कर रहे हैं।

लेबर कोड्स लागू होने के बाद मजदूर पूंजीपतियों के होंगे गुलाम

उक्त जत्थे सरकार की मजदूर, कर्मचारी एवं जन विरोधी नीतियों से आम जन को अवगत करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हड़ताल के प्रमुख मुद्दों में लेबर कोड्स को रद्द करना, पीएफआरडीए एक्ट रद्द कर पुरानी पेंशन बहाली, सभी प्रकार के आउटसोर्स ठेका, कच्चे कर्मियों व आशा, आंगनवाड़ी, मिड डे मील वर्करों को नियमित करने, 26 हजार रुपए न्यूनतम वेतन देने, आठवें पे कमीशन की अधिसूचना जारी करने और राज्य कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग का गठन करने, मनरेगा में 200 दिन काम ओर 800 रुपए मजदूरी तय करने, सरकारी विभागों को सिकोड़ने और पीएसयू के निजीकरण पर रोक लगाने, नेशनल एजुकेशन पालिसी को वापस लेने, 18 महीने के बकाया डीए डीआर रिलीज करने, सरकारी सहायता प्राप्त कैशलैस मेडिकल सुविधा प्रदान करने, निर्माण श्रमिकों के लिए बोर्ड से सुविधाएं दिलाने, संविधान के अनुच्छेद 311 (2) एएबी व सी को निरस्त करना आदि है। सरकार ने पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए 29 श्रम कानूनों को खत्म कर चार लेबर कोड्स बनाए हैं। कोड्स मजदूरों और कर्मचारियों के लिए गुलामी का दस्तावेज हैं। यह हमेशा के लिए स्थाई नौकरी और रोजगार सुरक्षा को खत्म कर देगा। कार्य दिवस 8 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे करने का निर्णय बेहद खतरनाक है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसलिए इसका प्रतिरोध होगा और 9 जुलाई को हड़ताल ऐतिहासिक होगी संगठन नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार देश के चंद पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। 5 पूंजीपतियों को देश के पब्लिक सेक्टर को सौंपा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में केंद्र सरकार 17 लाख करोड़ रुपए की छूट पूंजीपतियों को दे चुकी है और कर्जे माफ कर चुकी है। जिससे आर्थिक असमानता बढ़ रही है। महंगाई, बेरोजगारी, भूखमरी चरम पर है। इसलिए इस हड़ताल में मेहनतकश जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा। संयुक्त किसान मोर्चा ने भी हड़ताल का समर्थन करते हुए इसमें हिस्स लेने का फैसला किया है। प्रेस कांफ्रेंस में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान करतार सिंह, सचिव युद्धवीर सिंह खत्री, सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर व सचिव वीरेंद्र डंगवाल आदि मौजूद थे।

युवक दोस्तों के साथ प्लाट पर बैठा था

हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से युवक पर चलाई दो बार गोली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बल्लभगढ़

मच्छगर गांव में एक युवक पर दो बाइकों पर सवार होकर आए हमलावरों ने तमंचे से दो बार गोली चलाई। गनीमत रही कि युवक को गोली नहीं लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर आस-पास हड़कंप मच गया।

गांव के रहने वाले बंटी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब पौने ग्यारह बजे वह अपने प्लॉट में नवीन, आकाश, गोलू, योगेश उर्फ चिंटू और अनुज के साथ बैठा था। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला अंकित गली में पैदल चलते हुए आया और गाली-गलौज करने लगा। अंकित ने गेट पर तमंचे से गोली चलाई।

गोली चलने की आवाज सुनकर बंटी और उसके साथी प्लॉट से बाहर आए तो अंकित माता चौक की तरफ भाग गया। वहां माता चौक पर अनिल उर्फ खान, विशाल, गौरव, यश और रितिक दो बाइकों के साथ खड़े थे। जब बंटी और उसके साथी उनकी तरफ बढ़े तो हमलावर उन्हें आता देख बाइकों पर सवार होकर भाग निकले। इसके बाद बंटी अपने दोस्तों के साथ वापस प्लॉट में आकर बैठ गया। थोड़ी देर बाद अनिल और अंकित दोबारा बाइक पर आए और जान से मारने की नीयत से फिर से गोली चलाई। इस दौरान बंटी एक तरफ हट गया और बाल-बाल बच गया। इसके बाद सभी हमलावर अपनी बाइकों पर सवार होकर फरार हो गए।

पुराने वाहनों को ईंधन आपूर्ति पर रोक लगाने संबंधी आदेश जारी

फरीदाबाद। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में जिला फरीदाबाद में एंड ऑफ लाइफ वाहनों से उत्पन्न वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु अहम कदम उठाया गया है। डीसी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ऐसे सभी वाहनों, जिनकी पहचान एएनपीआर कैमरों या अन्य स्मार्ट सिस्टम के माध्यम से हुई है और जो 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल वाहन अथवा 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं, उन्हें आगामी 1 नवम्बर 2025 से ईंधन आपूर्ति नहीं की जाएगी। बैठक में पुलिस विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, आरटीए व संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। डीसी विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि विशेष रूप से फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर में लागू होंगे। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि ईंधन पंप मालिकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पंजीकरण तिथि के आधार पर उसके रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट की जांच कर सुनिश्चित करें कि वाहन 10 वर्ष डीजल या 15 वर्ष पेट्रोल से अधिक पुराना न हो। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित पेट्रोल पंप मालिक के विरुद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

महापौर ने मजार के आस पास कब्जे को अपने सामने हटवाया,कराया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

महापौर सुनीता दयाल ने शनिवार की सुबह नए बस अड्डे पर वर्षों से बनी मजार के आस पास कब्जे को अपने सामने हटवाया और वहां पर पौधरोपण किया। इसके बाद महापौर ने बयान जारी कर कहा कि यहां पर मजार को गयाजुदीन के नाम की बताकर जनता को गुमराह किया जा रहा है। इसकी जाँच बाद में करवाई की जाएगी।

महापौर ने मजार जाकर हटवाई। ईंट, मिट्टी, हटाकर उसे समतल कर किया और वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने कहा दावा किया है कि नगर निगम के ग्रीनबेल्ट कर कब्जा किया गया था। बयान में यह भी कहा गया है कि मजार पर महापौर के आने की सूचना मिलते ही फकीर भाग निकला।

शहर में सरकारी भूमि पर बनी मजारों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार की शाम को भी महापौर ने इस मजार के पास मौजूद एक व्यक्ति को जमकर हड़काया था।

जिला बार एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं को केस दिलाने वाले पुलिसकर्मियों पर जांच की मांग

गुरुग्राम। जिला बार एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं को केस दिलाने वाले पुलिसकर्मियों पर जांच करने की मांग की है। जिला बार एसोसिएशन ने इस आचरण की कड़ी निंदा की है। एसोसिएशन मानती है कि इससे पुलिस और कानूनी पेशे दोनों की ईमानदारी पर सीधा असर पड़ता है। बार एसोसिएशन ने अपने पत्र में कहा है कि कुछ पुलिसकर्मी कमिशन या अपने निजी स्वार्थ के लिए अधिवक्ता को केस दिलावाते हैं। इसके साथ ही एसोसिएशन का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मी मीटिंग कराने के साथ उन्हें अपने साथ अधिवक्ताओं के चैंबर तक लेकर आते हैं। ऐसा करने से सिर्फ सरकारी शक्ति का दुरुपयोग ही नहीं बल्कि युवा अधिवक्ताओं के साथ यह भेदभाव होता है।

जिलाधिकारी ने किया कांवड़ मार्ग का किया स्थलीय निरीक्षण

कांवड़ यात्रा से संबंधित कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाएं, न हो कोई असुविधाः जिलाधिकारी मीणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने शनिवार को कांवड़ मार्ग (पाइप लाइन मार्ग मुरादनगर) का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्ग में यदि सड़क क्षतिग्रस्त तो उसे तुरंत सही करवाया जाएं, कांवड़ यात्रा मार्ग में कहीं भी गंदगी नहीं ना हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क के किनारे झाड, फूंस, गूलर, भांग आदि के पौधे हैं ना हो, मीट/मांस/मदिरा आदि की दुकानों के संचालकों को समयान्तराल में जारी दिशा—निर्देशों से अवगत कराया जाएं। अस्थाई कांवड़ शिविरों में समुचित व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएं।

दुकानों पर साफ-सफाई का रखें विशेष ध्यान

साथ ही उन्हें प्लास्टिक मुक्त कांवड़ यात्रा संपन्न कराने हेतु जागरूक व प्रेरित किया जाए। साथ ही वहां लगे अग्निशमन यंत्रों की भी जांच की जाएं। विद्युत के खंभों को इंसुलेटिड शीट से कवर शीघ्र कवर किया जाएं। कांवड़ मार्ग पर कहीं भी जल भराव की स्थिति ना बने, इस बात का ध्यान रखा जाएं। कांवड़ यात्रियों से संबंधित अन्य सभी सुविधा एवं सुरक्षा के विशेष बिन्दु पर ध्यान दिया जाएं। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों के संचालकों से वार्ता करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान प्लास्टिक से निर्मित वस्तुओं का उपयोग ना किया जाएं। साथ ही यात्रियों के भोज्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की त्रुटि ना हो। भोज्य पदार्थों को ढ़ककर एवं सावधानी के साथ पकायें। अपने आप—पास सफाई व स्वच्छता बनाए रखे। दुकानों पर दुकान का लाईसेंस और रेट लिस्ट अवश्य चस्पा करें। आप लोग अपने क्षेत्र में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन सहित अन्य का नंबर अवश्य सुरक्षित कर लें जिससे कि कोई समस्या होने पर उसका त्वरित ही समाधान किया जा सके। कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने में सहयोग प्रदान करें।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के आश्वासन पर ग्रामीणों को है पूरा भरोसा

सरकार और अधिकारियों के सहयोग से निकलेगा अनंगपुर मामले का हलः करतार भड़ाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राजा अनंगपाल की भूमि गांव अनंगपुर में वन विभाग और नगर निगम द्वारा तोडफोड़ किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। हरियाणा के पूर्वमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता करतार सिंह भड़ाना ने इस मुद्दे पर लोगों से अपील की है कि वह इस मुश्किल घड़ी में संयम से काम ले और राजनीति का शिकार होने से बचे क्योंकि कुछ विपक्षी नेता अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने के चक्कर में अनंगपुर गांव को तुड़वाना चाहते है इसलिए लोगों को एकजुट होकर ऐसे स्वार्थी नेताओं के बहकावे में आने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव अनंगपुर के लोगो को केंद्रीय राज्यमंत्री एवं फरीदाबाद के सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने आश्वासन दिया है कि वह किसी कीमत पर गांव में तोडफोड़ नहीं होने देंगे और अगर जेसीबी यहां आई तो उसके आगे खड़ा होकर विरोध करेंगे और पिछले चार दिनों से यहां तोडफोड़ दस्ता आया भी नहीं है, ऐसे में हम सभी को केंद्रीय मंत्री के आश्वासन पर भरोसा जताना चाहिए क्योंकि इस समस्या का हल सरकार व अफसरों के साथ मिलकर ही निकाला जा सकता है।

पूर्वमंत्री ने कहा-आज होगी अनंगपुर में पंचायत

भड़ाना शनिवार को सूरजकुंड स्थित अपने कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनंगपुर गांव 1100 साल पहले बसा था और उस दौरान जिसके पास खेती के लिए एक बीघा जमीन थी, उसे पशु पालने, चराने इत्यादि के लिए सात बीघे पहाड़ मिलता था, वर्षो से लोग यहां बसे हुए है, यह हमारी अपनी जमीन है, अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट में गलत तथ्य प्रस्तुत कर इसे फारेस्ट विभाग में डाल दिया। नियमानुसार अगर फारेस्ट विभाग जमीन लेता है तो कंपोशेसन दिया जाता है अथवा हम खुद लिखकर फारेस्ट विभाग को जमीन दे सकते है, लेकिन अनंगपुर गांव की जमीन यहां के लोगों की पुश्तैनी मलकियत है। करतार भड़ाना ने कहा कि तोडफोड़ की इस कार्रवाई के तहत उनके फार्म हाऊस भी तोड़े गए, जबकि उनकी सभी प्रॉपर्टी पूरी तरह से वैध है, लेकिन उनके फार्म टूट गए, कोई दुख नहीं लेकिन गांव नही टूटना चाहिए, इसी प्रयास में वह जुटे हुए है। श्री भड़ाना ने स्पष्ट किया कि अनंगपुर मामले में सुप्रीमकोर्ट के जो ऑर्डर आए है, वह पंचायतों से नहीं सुलझेगा, बल्कि उसे सरकार व अफसरों के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सही तथ्यों के साथ रखना होगा, तभी हमारा गांव बच पाएगा। रविवार को गांव अनंगपुर में आयोजित होने वाली पंचायत को लेकर पूर्वमंत्री ने कहा कि अभी पंचायत की कोई आवश्यकता नहीं है, जब जरूरत पड़ेगी तो पहले गांव की पंचायत की जाएगी।

डीसी का फोटो लगाकर पैसे मांगने का मामलाः दूसरा आरोपी युवक गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसी का फोटो लगाकर 50 हजार रूपए मांगने वाले दूसरे आरोपी एंथोनी को दिल्ली से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसको एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। जानकारी के अनुसारए डीसी कार्यालय में काम करने वाले एक कर्मचारी ने साइबर थाना सेंट्रल पुलिस को दी शिकायत में बताया है किए उसके नंबर पर एक अनजान नंबर से वॉट्सऐप पर मैसेज आया। जिसमें उससे 50 हजार रूपए की मांग की गई। उसने देखा कि नंबर पर फरीदाबाद के डीसी विक्रम सिंह का फोटो लगा हुआ है, तो वह हैरान रह गया। जिसके बाद उसने इस मामले शिकायत साइबर थाना सेंट्रल पुलिस को दी। पुलिस ने इस मामले की जांच करते हुए एक दूसरे आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान एंथोनी निवासी मणिपुर के रुप में हुई है जो दिल्ली के मुनीरका में रह रहा था।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल होंगे मुख्य अतिथि

7 जुलाई को सामुदायिक भवन में होगा स्वच्छता शपथ एवं सफाई अभियान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगर निगम फरीदाबाद द्वारा (सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ) पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार 7 जुलाई 2025 को प्रातः 11.30 बजे सेक्टर-15 स्थित सामुदायिक भवन में स्वच्छता शपथ और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में फरीदाबाद की महापौर प्रवीण जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी। नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों में संचालित किया जा रहा है।

अभियान का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा बीमारियों से बचाव हेतु सफाई को जन आंदोलन बनाना है। कार्यक्रम में स्थानीय शहरी निकाय विभाग के आयुक्त-सचिव विकास गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए, विद्यार्थी, स्वयंसेवी संस्थाएं, निगम अधिकारी.कर्मचारी एवं सफाई मित्र भाग लेंगे। नगर निगम फरीदाबाद सभी नागरिकों से अपील करता है कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेकर स्वच्छता को अपनी दिनचर्या बनाएं।

खबर संक्षेप

कोयला खदान धंसने से 3 की मौत, 5 अब भी फंसे

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक कोयला खदान के धंसने से तीन की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार खदान में अभी भी 5 लोग फंसे हुए हैं। फंसे हुए लोगों को बचाने का काम किया जा रहा है। यह कोयला खदान अवैध थी, क्योंकि सीसीएल ने यहां कोयला खदान का काम बंद कर दिया था, इसके बावजूद 10 लोग कोयला खदान में काम कर रहे थे।

कांवड़ यात्रा के चलते बदली कंपार्टमेंट परीक्षा की तिथि

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं के जो भी छात्र इस साल की कम्पार्टमेंट परीक्षाओं की तैयारी कर रहें हैं उनके लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए कक्षा 10वीं और 12वीं की कम्पार्टमेंट (सुधार) परीक्षाओं की डेट्स में बदलाव इस संबंध में एक आधिकारिक नोटिस जारी करते हुए छात्रों को सूचित किया है कि अब परीक्षाएं नई तारीखों पर आयोजित की जाएंगी।

रिश्वत की शिकायत पर सीबीआई का छापा

मुरादाबाद। चंदौसी में रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के कार्यालय पर सीबीआई ने छापा मारा। वित्तीय अनियमितता व भुगतान के लिए रिश्वत की शिकायत पर सीबीआई गाजियाबाद से पहुंची थी। आईओडब्ल्यू और एईएन के दफ्तर में दस्तावेज देखे। कुछ फाइलें जब्त कर लीं।घंटों तक सहायक अभियंता (एईएन) से पूछताछ की। इसके बाद टीम उन्हें अपने साथ ले गई।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना, तीर्थयात्रा के लिए मिलेंगे 10 हजार रुपए

यूपी में बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा कराएगी योगी सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं के लिए 'बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना' और सिख श्रद्धालुओं के लिए 'पंच तख्त यात्रा योजना' शुरू की जाए।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे प्रमुख हिंदू तीर्थस्थलों के विकास के बाद अब राज्य सरकार ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं के लिए दो नई तीर्थयात्रा योजनाएं शुरू करने का ऐलान किया है। इन योजनाओं के तहत श्रद्धालुओं को प्रति व्यक्ति 10,000 रुपए का अनुदान दिया जाएगा। सरकार के स्तर पर इस योजना से बौद्ध और सिख धर्मावलंबियों को विशेष मदद मिल जाएगी। शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन धार्मिक पर्यटन योजनाओं को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में सरकार का यह कर्तव्य है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता करे।

दो योजनाएं होंगी शुरू

बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना- योगी आदित्यनाथ सरकार बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना को शुरू करने की तैयारी में है। बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए शुरू की जा रही इस योजना में उन्हें विशेष तीर्थस्थलों की यात्रा कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि योजना में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता दी जाए।

पंच तख्त यात्रा योजना- योगी सरकार सिख श्रद्धालुओं के लिए पंच तख्त यात्रा योजना शुरू करने की तैयारी में है। प्रस्तावित योजना के तहत प्रदेश के निवासी सिख तीर्थयात्रियों को भारत के पांच पवित्र 'तख्त साहिब' स्थलों की यात्रा कराई जाएगी। इनमें श्री आनंदपुर साहिब (पंजाब), श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर (पंजाब), श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो (पंजाब), तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ (महाराष्ट्र) और श्री हरमंदिर साहिब (पटना साहिब), बिहार की यात्रा कराई जाएगी।

ऑनलाइन करना होगा आवेदन

मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होनी चाहिए, ताकि चयन में पारदर्शिता बनी रहे। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्राथमिकता देने की बात भी कही गई है। इन दोनों योजनाओं को आईआरसीटीसी के सहयोग से संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं को लागू किया जाए।

निर्णय पारदर्शिता और जन कल्याण सुनिश्चित करने लिया गया

कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदार को नहीं लिखने होंगे दुकानों के नाम, क्यूआर कोड देगा जानकारी

यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग पर संचालित हो रही दुकानों, ढाबों और होटलों के नाम को लेकर अभी भी विवाद है। इसपर एफएसडीए ने निर्देश जारी किए हैं कि दुकानों के नाम लिखे जाएंगे और दुकानदार से जुड़ी जानकारी क्यूआर कोड के जरिए ग्राहकों को दी जाएगी।

ग्राहक फीडबैक दे सकेंगे — *विभाग की मोबाइल वैन भी तैनात रहेगी*

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित दुकानों पर नेम प्लेट लगाने के नियम को लागू कर दिया है। इसको लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) ने प्रपत्र जारी कर दिया है। एफएसडीए ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि दुकानदारों को अपना नाम नहीं लिखना होगा। केवल दुकान का नाम ही लिखा जाएगा। हालांकि, क्यूआर कोड में दुकानदार से जुड़ी जानकारी होगी तो कांवड़ियों के लिए मददगार होगी। कहा जा रहा है कि यह निर्णय पारदर्शिता और जन कल्याण सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग वाली दुकानों पर दुकानदार के नाम लिखने की बात कही गई है, लेकिन एफएसडीए के एक्ट में इसका कोई प्रावधान नहीं है। तमाम कोशिशों के बाद भी इसका विकल्प नहीं मिला।

नई रणनीति के तहत ग्राहक दे सकेंगे फीडबैक

ऐसे में विभाग ने नई रणनीति अपनाते हुए ग्राहक संतुष्टि फीडबैक प्रपत्र तैयार किया है। इस प्रपत्र को हर दुकानदार को अपनी दुकान पर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसमें लाइसेंस नंबर, दुकान का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी (यदि है तो) लिखा जाएगा। इस प्रपत्र में टोल फ्री नंबर और फूड सेफ्टी कनेक्ट एप के तहत क्यूआर कोड लगा है। क्यू आर कोड को स्कैन करते ही ग्राहक पूरा विवरण देख सकेंगे। इसमें दुकानदार के नाम से ही अन्य सभी विवरण भी सामने आ जाएंगे। ऐसे में ग्राहक फीडबैक दे सकेंगे।

मिलावट से जुड़े फीडबैक का घंटेभर में निस्तारण

एप के जरिए ग्राहक मिलावट पर भी फीडबैक दे सकेंगे। ग्राहक को बताना होगा कि उसने संबंधित दुकान पर क्या खाया और उसे किसमें मिलावट की आशंका है। यह फीडबैक अपलोड होते ही विभाग की टीम के पास संदेश पहुंच जाएगा। कंट्रोल रूम से उस इलाके में मौजूद खाद्य निरीक्षक को बताया जाएगा और वह संबंधित खाद्य पदार्थ की जांच करेगा। प्राथमिक जांच में ही संदेह सही निकला तो संबंधित खाद्य पदार्थ को नष्ट करा देगा।

ग्राहकों को भी करते रहेंगे जागरूक

आम तौर पर खाद्य पदार्थों की जांच को लेकर बेसुध रहने वाला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) की नींद खुल गई है। प्रदेशभर में मिलावटखोरी के मामले सामने आने के बाद इसे रोकने की पुख्ता रणनीति बनाई गई है। अब कांवड़ यात्रा वाले मार्गों, धार्मिक स्थलों पर मिलावटखोरी रोकने के लिए जागरुकता से संबंधित कार्यक्रम भी चलते रहेंगे। इसमें श्रद्धालुओं को बताया जाएगा कि खाद्य पदार्थ में कैसे मिलावट का अंदाजा लगाएं। विभाग की मोबाइल वैन भी तैनात रहेगी। जहां लोग खुद जांच करा सकेंगे।

'पाताल से खींचकर लाएंगे'

गोपाल खेमका के मर्डर पर डिप्टी सीएम बोले- एनकाउंटर होगा

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना के प्रतिष्ठित व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या कानून व्यवस्था पर सीधा हमला मानी जा रही है। डिप्टी सीएम ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर न्याय का भरोसा दिलाया। कहा कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन को खुली छूट दी गई है। पाताल में भी अगर अपराधी छिपे होंगे तो उन्हें खींचकर लाया जाएगा। विजय सिन्हा ने साफ किया कि अब सिर्फ गिरफ्तारी नहीं होगी। जरूरत पड़ी तो एनकाउंटर और बुलडोजर की कार्रवाई भी की जाएगी।

सीएम ने दिया सख्त कार्रवाई का निर्देश

सीएम नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराध नियंत्रण में कोताही न बरतें। लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में मुख्यमंत्री को पुलिस महानिदेशक ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कामों को लेकर भी अपडेट दिया। सीएम ने घटना के कारणों की पूरी तहकीकात कर दोषी की पहचान करने व बिना भेदभाव के कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि यदि आपराधिक घटना के पीछे किसी प्रकार की साजिश है तो जांच के बाद कठोर कार्रवाई की जाए।

विपक्ष ने सरकार को घेरा

घटना पर बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद ने एनडीए सरकार को घेरा है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तंज कसते हुए कहा कि हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है, लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते?

बेऊर जेल के अंदर छापेमारी

इस घटना पर पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि सीसीटीवी के आधार पर और जांच में कुछ लीड मिली है जिस वजह से बेऊर जेल में छापेमारी चल रही है। अभी इस विषय में मैं ज्यादा खुलासा नहीं कर सकता हूं, लेकिन हम लोग सही रास्ते पर चल रहे हैं। बहुत जल्दी आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे। बेऊर जेल में छापेमारी के मामले में उन्होंने कहा कि वहां से तार जुड़े हुए हो सकते हैं, इसी के लिए वहां पर छापेमारी चल रही है।

पेज एक का शेष

घाना के बाद ....

मजबूती से भारत के साथ खड़ा हो गया है। बीते शुक्रवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिनिदाद-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के रेड हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों, अभिव्यक्तियों से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि पीएम मोदी ने पहलगाम हमले को लेकर भारत के लोगों को त्रिनिदाद-टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन और एकजुटता की प्रशंसा की। दोनों ने वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई। वार्ता में साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री कमला को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया है।

सीडीआरआई, जीबीए में शामिल हुआ टी एंड टी: टी एंड टी में पीएम मोदी ने कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की। जिनमें भारतीय समुदाय सदस्यों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड सुविधा का विस्तार, विद्यालय के छात्रों को 2 हजार लैपटॉप उपहार में दिए, 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कृषि प्रसंस्करण मशीनरी का औपचारिक हस्तांतरण किया गया। 800 लोगों के लिए 50 दिनों के लिए कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का आयोजन, हील इन इंडिया के तहत भारत में विशेष चिकित्सा उपचार की पेशकश की जाएगी। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवा के तहत मदद के लिए टी एंड टी को 20 हेमोडायलिसिस इकाइयों, 2 समुद्री एम्बुलेंस का उपहार दिया, फोटोवोल्टिक सौर पैनल प्रदान करके देश के विदेश-कैरिकॉम मामले के मंत्रालय के मुख्यालय का सौरीकरण, पोर्ट ऑफ स्पेन में महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान में गीता महोत्सव का आयोजन और भारत में टी एंड टी और कैरेबियाई क्षेत्र के पंडितों का प्रशिक्षण शामिल है। कैरेबियाई देश ने भारत की वैश्विक पहलों जैसे सीडीआरआई और जीबीए में शामिल होने की घोषणा की।

कृषि, स्वास्थ्य सेवा, यूपीआई पर बातचीत: दोनों नेताओं ने बैठक में कृषि, स्वास्थ्य सेवा-औषधि, डिजिटल परिवर्तन, यूपीआई, क्षमता निर्माण, संस्कृति, खेल और लोगों के बीच संबंधों और संभावित सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों देशों के बीच विकास सहयोग को एक जरूरी स्तंभ के रूप में स्वीकार किया गया। टी एंड टी की प्रधानमंत्री कमला बिसेसर ने पीएम मोदी की इस ऐतिहासिक यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करने वाली बताया। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और साइबर सुरक्षा जैसी वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने किया ....

महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान कैरेबियाई देश की संसद में कई बार तालियां गूंजी, जिन्हें देखकर पीएम को अपना भाषण भी रोकना पड़ा। बाद में इसकी शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, मैं इस प्रतिष्ठित रेड हाउस में आपसे बात करने वाला पहला भारतीय प्रधानमंत्री हूं। यह ऐतिहासिक इमारत बीते 60 वर्षों से स्वतंत्रता और सम्मान के लिए त्रिनिदाद-टोबैगो के लोगों के संघर्ष और बलिदान की न केवल साक्षी रही है। बल्कि उनके लिए मजबूती से खड़ी रही है। क्योंकि इस देश के लोगों ने एक न्यायसंगत, समावेशी और समृद्ध लोकतंत्र का निर्माण किया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

औपनिवेशिक शासन की छाया से ऊपर उठे: पीएम ने कहा कि दोनों देश औपनिवेशिक शासन की छाया से ऊपर उठकर अपनी गाथाएं लिखने के लिए सामने आए। जिसमें साहस हमारी स्याही थी और लोकतंत्र हमारी लेखनी थी। आज भारत और टी एंड टी आधुनिक दुनिया में गौरवशाली लोकतंत्र और शक्ति के स्तंभ के रूप में मौजूद हैं। कुछ महीने पहले आपने चुनावों में भाग लेकर लोकतंत्र का उत्सव मनाया। उन्होंने प्रधानमंत्री कमला को चुनावों में जीत के बाद पुनः सरकार गठन की बधाई दी। साथ ही कहा कि वह इस महान राष्ट्र को सतत विकास और समृद्धि की ओर ले जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अध्यक्ष की कुर्सी पर अंकित सुनहरे शब्दों (भारत के लोगों की ओर से त्रिनिदाद-टोबैगो के लोगों के लिए) का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे मुझे गहरी भावना की अनुभूति होती है। क्योंकि वह कुर्सी केवल एक फर्नीचर का टुकड़ा नहीं है। बल्कि हमारे दोनों देशों के बीच मित्रता व विश्वास का शक्तिशाली प्रतीक है। ये शब्द उस बंधन को व्यक्त करते हैं। जो एक लोकतंत्र, दूसरे लोकतंत्र के लिए महसूस करता है। इस देश ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति के रूप में दो प्रवासी भारतीयों की बेटियों को चुना है। जिन्हें अपनी विरासत पर गर्व है। भारत में हम नेतृत्व, धैर्य, दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करते हैं।

लोकतंत्र जीवन जीने का एक तरीका: उन्होंने कहा कि भारत और उसके नागरिकों के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक राजनीतिक मॉडल के समान नहीं है। बल्कि ये हमारे लिए जीवन जीने का एक तरीका है। यह हमारे हजारों वर्षों की महान विरासत है। इस संसद में भी कई सांसद ऐसे हैं, जिनके पूर्वज भारत के बिहार से हैं। दोनों देशों के बीच एक स्वाभाविक गर्मजोशी है। भारत के लोग वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे विश्वसनीय प्रशंसकों में से एक हैं। भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के संबंध सदियों पुराने बंधनों की नींव पर बने हैं। 180 साल पहले भारतीय एक कठिन और लंबी यात्रा के बाद पहली बार इस भूमि पर पहुंचे थे। आज भारतीय लोग लाल, काले और सफेद झंडे के वाहक हैं। राजनीति से लेकर कविता तक, क्रिकेट से लेकर वाणिज्य तक, कैलिप्सो से लेकर चटनी तक, वे हर क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। वह उस जीवंत विविधता के अभिन्न अंग हैं। जिसका आप सभी सम्मान करते हैं।

ग्लोबल साउथ के लिए चाहिए उचित स्थान: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ग्लोबल साउथ उभर रहा है और वे इसके लिए एक नई और निष्पक्ष विश्व व्यवस्था को देखना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ पर विकासशील दुनिया को एक बड़ी उम्मीद जगी थी कि लंबे समय से अटके पड़े हुए सुधार होंगे और उनकी आवाज भी आखिरकार सुनी जाएगी। लेकिन वह उम्मीद निराशा में बदल गई है। विकासशील दुनिया की आवाज हाशिये पर है। भारत ने हमेशा इस अंतर को पाटने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम साथ मिलकर काम करें। जिससे वैश्विक दक्षिण को सही जगह पर उसका उचित स्थान मिले। जलवायु न्याय सुनिश्चित करने के लिए जिससे बोझ उन लोगों पर न पड़े। जिन्होंने जलवायु संकट में सबसे कम योगदान दिया है। हम इस प्रयास में त्रिनिदाद-टोबैगो को एक अहम भागीदार मानते हैं। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान वैश्विक दक्षिण की चिंताओं को वैश्विक निर्णय लेने के केंद्र में लाया है। कोविड के दौरान हमने 150 से अधिक देशों को टीके और दवाइयां प्रदान की। पीएम मोदी ने आतंकवाद को मानवता का दुश्मन बताते हुए कहा कि त्रिनिदाद-टोबैगो के इसी रेड हाउस ने खुद आतंकवाद की विभीषिका और निर्दोष लोगों को जान गंवाते हुए देखा है। दोनों देशों को आतंकवाद को किसी भी तरह की शरण या स्थान न देने के लिए एकजुट होना चाहिए।

महिलाओं की भागीदारी ....

अंतरिक्ष, खेल, स्टार्टअप, शिक्षा, उद्यम, विमानन से सशस्त्र बलों तक महिलाएं भारत को एक नए भविष्य की ओर ले जाने का नेतृत्व कर रही हैं। आपकी तरह हमारे पास भी एक महिला है, जो साधारण जीवन से ऊपर उठकर हमारी राष्ट्रपति बनीं। भारत में महिलाओं को संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण दिया गया। 15 लाख निर्वाचित महिलाएं स्थानीय शासन संस्थाओं को शक्ति प्रदान कर रही हैं।

भारत का पहला ...

पर किया जाएगा।

अब शिक्षा के साथ साथ युवाओं को नौकरी भी मिलेगी: शाह ने कहा कि पहले सहकारी क्षेत्र में लोगों को नौकरी दी जाती थी, फिर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता था, लेकिन अब टीएसयू इस कमी को पूरा करेगा। यह विश्वविद्यालय प्रशिक्षण देकर सहकारी क्षेत्र को और मजबूत करेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया कि देश के लगभग 30 करोड़ लोग, यानी हर चौथा व्यक्ति, सहकारी क्षेत्र से जुड़ा है। जो इस क्षेत्र की ताकत को दिखाता है।

कांग्रेस अपने नेता ...

ही पार्टी से थे। उस समय भाजपा का अस्तित्व भी नहीं था। यह विवि सहकारी क्षेत्र में क्रांति लाएगा और युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा।

सीएक्यूएम ने हरियाणा...

23 अप्रैल 2025 के अनुसार स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरा प्रणाली की स्थापना दिल्ली में प्रवेश करने वाली सभी बसों को स्वच्छ साधनों में स्थानांतरित करना, जिसमें अखिल भारतीय पर्यटक परमिट और अन्य सेवा व्यवस्थाओं के अंतर्गत संचालित बसें भी शामिल हैं, इसके अलावा ऐसी बसें जो पहले से ही निर्देश संख्या 78 और 81 के अंतर्गत आती हैं; और दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले परिवहन/वाणिज्यिक माल वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू करना। सभी डीजल-संचालित ऑटो-रिक्शा को चरणबद्ध तरीके से हटाने और अंतर-शहर बसों को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने की प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

समीक्षा बैठकों के अलावा, आयोग की टीम ने 4 जुलाई 2025 को पंजाब और हरियाणा राज्यों में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा भी किया, जिसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। इससे धान की पराली के बाहरी प्रबंधन को मजबूत बनाने में दोनों राज्यों द्वारा की गई तकनीकी और परिचालन प्रगति के बारे में मूलभूत जानकारी प्राप्त की गई।

आयोग ने समन्वय बढ़ाने, कार्य योजनाओं के लक्षित क्रियान्वयन और आयोग द्वारा जारी वैधानिक निर्देशों के सख्त क्रियान्वयन के महत्व को दोहराया। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

50 किलो सोना,...

जानबूझकर और जानबूझकर नीरव को कथित मनी लांड्रिंग को छिपाने और सबूतों को नष्ट करने में मदद की। ईडी ने यह भी आरोप लगाया है कि नेहल ने नीरव की दुबई स्थित कंपनी से करीब 50 किलो सोना, साथ ही हांगकांग से नकदी और 150 बक्से मोती चुराए हैं। प्रत्यर्पण कार्यवाही के लिए अगली सुनवाई की तारीख 17 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। वह इस दौरान जमानत के लिए आवेदन कर सकता है, जिसका अमेरिकी अभियोजन पक्ष ने विरोध करने की बात कही है।

झारखंड में ऐसे स्कूल पहुंच रहे छात्र

बारिश में पुल ढहा, बांस की सीढ़ी को छात्रों ने बनाया रास्ता

एजेंसी ▶▶ खूंटी

जिले में भारी बारिश ने एक पुल को तहस-नहस कर दिया, लेकिन स्कूल जाने की जिद ने बच्चों को जोखिम भरा रास्ता चुनने पर मजबूर कर दिया। पेलौल गांव के पास बनाई नदी पर बना पुल बारिश के कहर में ढह गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने टूटी पुलिया पर बांस की सीढ़ी बनाकर रास्ता निकाला, जिसका इस्तेमाल अब स्कूली बच्चे कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने सबका ध्यान खींचा है। इसमें बच्चे टूटे हुए पुल पर बांस की सीढ़ी चढ़कर स्कूल पहुंचने की कोशिश करते दिख रहे हैं। कुछ राहगीर बच्चों की मदद करते हैं, ताकि वे सुरक्षित उस पार पहुंच सकें। यह नजारा देखकर लोग हैरान हैं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।

पुल ढहने से लोग परेशान

पुल ढहने के बाद वाहनों के लिए वैकल्पिक रास्ता बनाया गया है। लेकिन जिनके पास निजी वाहन नहीं हैं, उनके लिए यह रास्ता मुश्किल साबित हो रहा है। नतीजतन, बच्चे टूटी पुलिया और बांस की सीढ़ी के सहारे स्कूल जा रहे हैं। ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ से यह अस्थायी सीढ़ी बनाई, लेकिन यह कितना सुरक्षित है, यह सवाल सबके मन में है।

तेजस्वी ने मांगा चार महीने का समय

बोलीं राबड़ी, हर घर में झगड़ा लेकिन चर्चा लालू परिवार की

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना में आरजेडी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में एक बार फिर लालू प्रसाद यादव को 13वीं बार पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर लालू यादव ने अपनी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ मंच से कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए आरजेडी चीफ लालू यादव ने कहा कि आप लोगों ने हम पर विश्वास दिखाया है और हम आपको निराश नहीं करेंगे। इस साल बिहार में चुनाव है। सबको एकजुट रहना है। और तेजस्वी की सरकार बनानी है।

वहीं तेज प्रताप प्रकरण को लेकर विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा कि हर घर में झगड़ा होता है लेकिन हमारे घर की चर्चा अधिक होती है। वहीं एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में बेरोज़गारी कोई नई बात नहीं है, सरकार ने पिछले 20 सालों में कुछ नहीं किया। हमने बिहार को कारखाने दिए, लेकिन इन एनडीए ने कुछ नहीं किया।

मोहर्रम से पहले प्रतापगढ़ में बड़ा एक्शन

राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह समेत 13 नजरबंद

एजेंसी ▶▶ प्रतापगढ़

मोहर्रम के मद्देनजर प्रशासन ने पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह समेत 13 लोगों को 40 घंटे के लिए नजरबंद किया है। अपराध निरीक्षक संजय सिंह ने भदरी कोठी पहुंचकर नजरबंदी की नोटिस चस्पा की। सभी के घरों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से मोहर्रम को लेकर नजरबंद की कार्रवाई की जा रही है।

नजरबंद की नोटिस चस्पा करने के लिए अपराध निरीक्षक संजय सिंह भारी भरकम पुलिस फोर्स के साथ शनिवार को भदरी कोठी पहुंचे। वहां पर उन्होंने राजा उदय प्रताप सिंह को शनिवार की भोर पांच बजे से रविवार रात 9 बजे तक नजरबंद करने की नोटिस को चस्पा किया। नोटिस चस्पा करने के दौरान राजा उदय प्रताप सिंह भदरी कोठी में मौजूद रहे।

अपराध निरीक्षक ने भदरी कोठी पहुंचकर नोटिस चस्पा की

अपराध निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि राजा उदय प्रताप सिंह के साथ ही जितेंद्र यादव निवासी नौबस्ता हथिगवां, आनंदपाल बढ़ईपुर कुंडा, उमाकांत शेखपुर कुंडा, भवानी विश्वकर्मा बद्दूपुर कुंडा, रवि सिंह व हनुमान प्रसाद पांडेय निवासी सुभाष नगर कुंडा, केसरी नंदन सरैया प्रवेश पुर हथिगवा, जमुना प्रसाद मियां का पुरवा कुंडा, निर्भय सिंह बेती हथिगवां, गया प्रजापति लोहारन का पुरवा, जुगनू विश्वकर्मा गोपाल गंज शाहपुर हथिगवां, मोहनलाल पन्नालाल रोड प्रयागराज को नजर बंद किया गया है। नजरबंद किए गए सभी के घरों पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

मोहर्रम के दिन बंदर को मारी थी गोली

कुंडा के शेखपुरा गांव में वर्ष 2012 में मोहर्रम के दिन कुछ लोगों ने एक बंदर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही मोहर्रम के दिन शेखपुर आशिक स्थित हनुमान मंदिर पर प्रति वर्ष मोहर्रम के दिन हनुमान चालीसा का पाठ व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम कुछ भक्तों द्वारा किया जाने लगा। पहले यह कार्यक्रम छोटे पैमाने पर होता था, लेकिन वर्ष 2015 में राजा उदय प्रताप सिंह की निगरानी में वृहद रूप ले लिया।

विशेषः विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही शहरों की बढ़ती जनसंख्या

कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी

जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

बदलाव / नरेंद्र शर्मा

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्टः एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्दः अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तारी से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतताः एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

सही नहीं हर बात पर साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएंः सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोशः प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है,

वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाशः चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारणः चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियांः वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

गजल
वसीम अहमद

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिकाः** अलका सोनी, **मूल्यः** 150 रुपए, **प्रकाशकः** मेधा बुक्स, दिल्ली

मेधावी बच्चों को मिलेगी शैक्षणिक सहायता, बैंक लोन की गारंटी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल की घोषणा, भाजपा कर्मचारियों को मेडिकल क्लेम, बीमा की मिलेगी सुविधा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी के कर्मचारियों से प्राप्त किया और उनके लिए कई घोषणाएं की। ऐसा करने वाले संभवतः वे पहले प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्होंने घोषणा की कि सभी कर्मचारियों के लिए मेडिकल क्लेम और बीमा की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों के बच्चों को स्कॉलरशिप मिलती है, तो पार्टी उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए हरसंभव आर्थिक मदद प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी को बैंक लोन की आवश्यकता होगी तो मैं स्वयं गारंटी देने को तैयार हूं, ताकि आपके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बन सके। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद भी मौजूद थे।

खंडेलवाल ने प्रदेश कार्यालय में कर्मचारियों से प्राप्त किया परिचय

अनुशासन, समयबद्धता के साथ कार्य करने का किया आग्रह

कार्यालय परिसर में मिलेगा कम शुल्क में भोजन, जल्द शुरू होगी व्यवस्था

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी पार्टी की एक अहम कड़ी हैं। आप केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि इस विचार परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक किसी संस्था से जुड़ता है, तो वह उस संस्था की संस्कृति, विचार और कार्यपद्धति का सहभागी बन जाता है। उन्होंने कहा कि कार्यालय में कार्यरत प्रत्येक सदस्य का परिवार सुरक्षित एवं संरक्षित भाव से रहे, हम इसका सदैव ध्यान रखेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि शीघ्र ही पार्टी कार्यालय परिसर में कम शुल्क पर भोजन व्यवस्था प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने सभी से अनुशासन, समयबद्धता और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

परिचय आपस में बढ़ाता है प्रेमः हितानंद

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि तुलसीदास जी ने कहा है कि 'बिनु प्रतीत होइ न प्रीति' अर्थात बिना परिचय के प्रेम और विश्वास नहीं होता। उन्होंने कहा कि यही उद्देश्य लेकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रत्येक सदस्य से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया है, ताकि पारिवारिक भाव और आपसी विश्वास को और सशक्त किया जा सके। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ राघवेंद्र शर्मा ने सभी कर्मचारियों का परिचय प्रदेश अध्यक्ष से कराया। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल, पार्टी के प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार एवं प्रदीप त्रिपाठी सहित पार्टी कार्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

परिवार और समाज नहीं, कार्यकर्ताओं की ताकत से चलती है भारतीय जनता पार्टीः खंडेलवाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार और समाज नहीं, कार्यकर्ताओं की ताकत से चलती है। अगर कार्यकर्ता तय कर ले, तो कोई चुनाव जीतना मुश्किल नहीं है। मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व का निर्वाह कर रहा हूं, मुझमें ऐसा कुछ भी नहीं, जो मुझे आपसे अलग करे। मैं आपके बीच का ही कार्यकर्ता हूं। आपका सम्मान बरकरार रहे, इसकी चिंता हम करेंगे। हर कार्यकर्ता की क्षमता का पूरा उपयोग हो, यह भी हम देखेंगे। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने रविन्द्र भवन परिसर में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम को प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, प्रदेश महामंत्री व भगवानदास सबनानी, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने भी संबोधित किया।

कार्यकर्ता तय कर लें, तो हर चुनाव जीत सकते हैं

खंडेलवाल ने कहा कि हमारे संगठन में कार्यकर्ता सर्वोपरि होता है। खंडेलवाल ने कहा कि भोपाल राजनीतिक दृष्टि से एक कठिन जिला रहा है। कार्यकर्ताओं ने भोपाल में पार्टी को मजबूत किया, उसके बाद ही पूरे प्रदेश में कमल खिल सका, क्योंकि भोपाल का असर पूरे प्रदेश पर होता है। इसके लिए मैं आप कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं। भोपाल के कार्यकर्ताओं पर दोहरी जिम्मेदारी होती है। अगर कोई राष्ट्रीय नेता का दौरा होता है, तो उसकी भी जिम्मेदारी है और कोई स्थानीय कार्यक्रम है, तो उसकी भी जिम्मेदारी है।

सरई में महिला सशक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की घोषणा

दीपावली के बाद बहनों को हर महीने देंगे 1500 रुपए सिंगरौली को जल्द मिलेगी मेडिकल कॉलेज की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंगरौली प्रदेश का खनिज सम्पन्न जिला है। सिंगरौली को शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने वाली है। अगले साल से यहां पढ़-लिखकर डॉक्टर निकलेंगे। शुक्रवार को प्रदेशभर के 94 हजार 234 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि ट्रांसफर की गई है। इसमें 60 प्रतिशत छात्राएं और 40 प्रतिशत छात्र शामिल हैं।

राज्य सरकार जनजातीय अंचल में सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सिंगरौली जिले के सरई गांव में महिला सशक्तिकरण तथा जनजातीय गौरव सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। कुछ दिनों बाद 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है, इस दिन प्रदेश के सभी स्कूल-कॉलेज, हॉस्टल सहित बच्चों की सुविधा से जुड़े निर्माण कार्यों का एक साथ लोकार्पण होगा। बच्चों को साइकिल, ड्रेस और किताबों का वितरण भी किया जाएगा।

बहनों को रक्षाबंधन पर मिलेगा 250 रुपए का शगुन

503 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाले 54 कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं भूमिपूजन

सिंगरौली की आबादी में कुल 39% अजजा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए राज्य सरकार नेक-नीयत और विशेष भावना से कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सिंगरौली की कुल आबादी में 39 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति है, इनमें से 5 लाख को शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हमारी सरकार की भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना से जनजातीय वर्ग को बड़ी मदद मिली है। प्रधानमंत्री जन-मन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का लाभ भी जनजातीय वर्ग को दिया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें फसलों का समुचित मूल्य देने के लिए संकल्पित है।

सिंगरौली को मिली 503 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरई में हुए सम्मेलन से सिंगरौली जिले को 503 करोड़ 9 लाख 19 हजार रुपए के 54 निर्माण कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 104 करोड़ 67 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 20 निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा 398 करोड़ 41 लाख 93 हजार रुपए की लागत के 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सांदीपनि हायर सेकंडरी स्कूल चकरिया के नवनिर्मित भवन, विद्युत सब स्टेशन हरफरी, सांदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल भवन हिरवाह का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने इसके साथथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, 8 सड़कों में डामरीकरण का कार्य, कॉलेज भवन बरगवां, लोक सेवा केन्द्र माड़ा और सरई तथा आयुष विंग के निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया।

महिलाओं को हक दिलाने में कोई कमी नहीं रखी

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को उनका हक दिलाने में हमने कोई कमी नहीं रखी है। हमारी सरकार में प्रदेश के 4 जिलों में महिला अधिकारी जिला कलेक्टर का दायित्व संभाल रही हैं। राज्य सरकार गरीब से गरीब के जीवन में सबेरा लाने का कार्य कर रही है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास के लाभ से वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान के लिए नए सिरे से सर्वे शुरू किया गया है। संपति की रजिस्ट्री में एक प्रतिशत की छूट देने से आज 45 प्रतिशत रजिस्ट्री बहनों के नाम पर हो रही हैं। यह हमारी पहल का ही सुखद परिणाम है।

मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरई में कहा कि सिंगरौली में भरपूर कोयला एवं अन्य खनिज संपदा उपलब्ध है। यहां 4 लेन सड़क बनाई जाएगी। माडा अस्पताल को अपग्रेड कर सीएचसी बनाया जाएगा। सरई में उपखंड कार्यालय, बरगवा-परसवा में 52 किमी लंबी 4 लेन सड़क बनाई जाएगी। सरई में 100 बेड के नए अस्पताल की स्थापना के लिए सर्वे कराया जाएगा।

सभी लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए महीना देंगे

राज्य सरकार लाड़ली बहनों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को और अधिक सशक्त करने के लिए कार्य कर रही है। पहले प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय मात्र 11 हजार थी, लेकिन अब हमारी सरकार के प्रयासों से यह एक लाख 52 हजार रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से पहले सभी पात्र बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि शगुन के रूप में भेजी जाएगी। दीपावली के बाद हम प्रदेश की सभी लाडली बहनों को हर माह 1500 रुपए महीना देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के सम्मान और गरीबों के कल्याण के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। हमने रानी दुर्गावती और राजा भभूत सिंह की स्मृति में कैबिनेट की बैठक भी आयोजित की है।

दोबारा विवेचना के दौरान पुलिस को मिली सफलता

बहुचर्चित डॉक्टर दंपती हत्याकांड में आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

पुलिस ने आठ साल पहले 6 अप्रैल 2017 को कवर्धा शहर में हुए चर्चित डॉक्टर दंपति हत्याकांड का शनिवार 5 जुलाई को खुलासा कर दिया है। हत्यारा कोई और नहीं, बल्कि दंपति का पूर्व वाहन चालक सत्यप्रकाश साहू निकला। शनिवार को कबीरधाम एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी धर्मेंद्र सिंह ने मामले का विवरण साझा किया।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 6 अप्रैल 2017 को कवर्धा के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. गणेश सूर्यवंशी और उनकी पत्नी डॉ. उषा सूर्यवंशी के शव उनके निवास के आंगन में रक्तरंजित अवस्था में मिले थे। प्रारंभिक जांच में यह दोहरा हत्याकांड प्रतीत हुआ, लेकिन ठोस सुराग के अभाव में मामला अनसुलझा रहा। हाल ही में दोबारा विवेचना के दौरान सत्यप्रकाश साहू पर संदेह गहराया, जो दंपति का पूर्व ड्राइवर था।

ड्राइवर ने डॉक्टर को दिया था उधार

जांच में पता चला कि सत्यप्रकाश ने डॉ. गणेश को 1.80 लाख रुपये उधार दिए थे। रुपये वापस मांगने के लिए वह उनके घर गया, जहां दंपति के बीच पहले से चल रहे घरेलू विवाद का गवाह बना। विवाद के दौरान डॉ. गणेश ने अपनी पत्नी पर भारी पत्थर से वार कर उनकी हत्या कर दी। यह देख सत्यप्रकाश घबरा गया और उसने डॉ. गणेश को धक्का देकर गिराया, फिर पत्थर से वार कर उनकी भी हत्या कर दी। हत्या के बाद सत्यप्रकाश ने खून के धब्बे साफ किए। शवों को आंगन में खींचकर रखा और डॉक्टर का एक मोबाइल लेकर फरार हो गया। उसने मोबाइल को गंडई में 1900 रुपये में गिरवी रख दिया। 6 अप्रैल को जब पुलिस को घटना की जानकारी मिली, तब वह भीड़ में शामिल होकर स्थिति का जायजा ले रहा था।

पिछले कुछ सालों में कई खुलासे किए

मामले के खुलासे में सहयोग के लिए आईजी अभिषेक शांडिल्य ने 30,000 रुपये और एसपी धर्मेंद्र सिंह ने 10,000 रुपये के इनाम की घोषणा की थी। कबीरधाम पुलिस ने हाल के वर्षों में कई पुराने अनसुलझे हत्याकांडों का खुलासा कर अपनी सतर्कता और विवेचना में दक्षता साबित की है। वैज्ञानिक साक्ष्यों और 14 घंटे की गहन पूछताछ के बाद सत्यप्रकाश ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। हाल ही में उसके खिलाफ ब्लैकमेलिंग की शिकायत भी दर्ज हुई थी, जिसके डर से वह गंडई भाग गया था। एसपी ने बताया कि यह जटिल हत्याकांड तकनीकी दक्षता, वैज्ञानिक विवेचना के साथ सुलझाया गया।

पंडरिया विस क्षेत्र के 61 विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

आज कबीरधाम के दौरे पर रहेंगे सीएम साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को कबीरधाम जिले के दौरे पर रहेंगे। वे पंडरिया नगर पालिका में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे और पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए 72.70 करोड़ रुपये की लागत वाले 61 विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे।

इस दौरान सीएम साय 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत टॉपर छात्राओं, खेलों में पदक प्राप्त खिलाड़ियों, महिला स्व-सहायता समूहों, महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों और बैगा परिवार की महिलाओं को महतारी अलंकरण सम्मान से सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्री लखनलाल देवांगन, सांसद संतोष पांडेय और पंडरिया विधायक भावना बोहरा उपस्थित रहेंगे।

कलेक्टर ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

शनिवार को कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उन्होंने मंच, पंडाल, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, बेरिकेडिंग, विद्युत और शौचालय जैसी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में छात्राओं के लिए पांच मुफ्त बस सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। विधायक भावना बोहरा ने बताया कि बस सेवा का लाभ लेने के लिए पंजीयन शुरू हो चुका है।

एक नक्सली ढेर, मुठभेड़ स्थल से हथियार बरामद

जवानों और नक्सलियों के बीच रुक-रुककर जारी है मुठभेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है अभी भी माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों के बड़े कैडर की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने सर्चिंग अभियान शुरू किया। इस अभियान के दौरान चार जुलाई से माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। पुलिस के अनुसार, अब तक की कार्रवाई में मुठभेड़ स्थल से एक पुरुष माओवादी का शव और हथियार बरामद किया गया है। अभियान अभी भी जारी है और जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फिलहाल अधिक जानकारी साझा नहीं की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभियान समाप्त होने के बाद विस्तृत विवरण अलग से उपलब्ध कराया जाएगा।

---

32 जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल कराने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने की जनसुनवाई

सचिव ने कहाः फिलहाल मप्र की 68 जातियां शामिल, जबकि मप्र शासन की सूची में 94 जाति, उपजाति, वर्ग समूह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर एवं आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल ने शुक्रवार को प्रदेश की पिछड़ा वर्ग सूची में सम्मिलित 32 जातियों को मध्यप्रदेश राज्य की केन्द्रीय सूची में सम्मिलित करने के लिए राजकीय अतिथि गृह (वीआईपी गेस्ट हाउस) भोपाल में जनसुनवाई की।

जिसमें इन जातियों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश राज्य की पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में सम्मिलित होने के लिए अपना पक्ष प्रस्तुत किया। सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने बताया कि वर्तमान स्थिति में केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में मध्यप्रदेश राज्य के लिए 68 जातियां सम्मिलित हैं। जबकि मध्यप्रदेश शासन की सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जाति की सूची में 94 जाति, उपजाति, वर्ग समूह सम्मिलित हैं। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, सदस्य सीताराम यादव, विभागीय प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार,आदि उपस्थित रहे।

खरसिया थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही मामले की जांच

तलवार लेकर गदर मचा रहे युवक ने ग्रामीण को मारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक युवक ने एक शख्स की तलवार से वार कर हत्या कर दी। युवक तलवार लेकर हंगामा कर रहा था। मृतक उसे समझाने के लिए गया था। लेकिन आरोपी नहीं माना और समाझाने गए शख्स के गले और सीने पर तलवार से वार कर दिए। पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक, खरसिया थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए मृतक की बेटी सुकवारा बाई खडिया निवासी तुरेकेला खड़यिपारा ने बताया कि 3 जुलाई को उनके पड़ोस सम्पत खडिया के घर में छठी का कार्यक्रम था। जिसमे गांव के अधिकांश लोग शामिल हुए थे। इस दौरान हसीं मजाक में जगन्नाथ खडिया और अर्जुन खडिया के बीच विवाद हो गया। इस बीच वहां मौजूद लोगों के द्वारा समझाया गया, अर्जुन गुस्सा होकर वहां से चला गया। सुकवारा बाई खडिया ने बताया कि अर्जुन अपने घर से तलवार लेकर आया जवाहर और राम कुमार को मारने की कोशिश किया। सुकवारा बाई ने बताया कि इस बीच उसके पिता केन्दाराम खड़िया ने अर्जुन को समझाया। जिसके बाद वे बाहर चले गए। अर्जुन तलवार लेकर उनके पीछे-पीछे गया। घर के बाहर केन्दाराम खड़िया पर अर्जुन ने पहले पीछे से उनके गले पर जोरदार वार किया। जिससे केन्दाराम जमीन पर गिर गए और फिर अर्जुन ने उसके सीने में भी तलवार से वार कर दिया। जिससे अधिक खून बहने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अर्जुन खड़िया के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नर्मदा परिक्रमा तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए परिक्रमा पथ का होगा विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक के पर्यटन विकास में नए आयाम जोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमरकंटक धार्मिक एवं पर्यटन के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

- 2800 करोड़ की लागत से चित्रकूट धाम का किया जाएगा विकास

यह त्रिवेणी नर्मदा, सोन एवं जोहिला का मायका है, मप्र सरकार नर्मदा परिक्रमा पथ क्षेत्र के समग्र विकास के लिए संकल्पबद्ध है। इसके तहत घाटों का विकास, अन्न क्षेत्र का विकास और वृहद पौधरोपण किया जाएगा।

तीर्थ स्थानों का लगातार विकास कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य और केन्द्र की सरकार प्रदेश में धार्मिक एवं आस्था वाले तीर्थ स्थानों का लगातार विकास कर रही है। अयोध्या धाम की तर्ज पर 2800 करोड़ की लागत से चित्रकूट धाम का भी विकास किया जाएगा। राज्य और केंद्र की सरकार 1450 किलोमीटर लंबा राम वन गमन पथ तैयार करने पर कार्य कर रही है। बदलते दौर के मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक** निवासी मकान नं. बी–1654, गौर एवेन्यू 2, गौर सिटी, नोएडा एक्सटेंशन, ग्रेटर नोएडा वेस्ट–201305 ने सी.सी. संख्या 4357/19 धारा 138 एनआई अधिनियम थाना करोल बाग, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **दीपक** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दीपक** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि सी.सी. संख्या 4357/19 धारा 138 एनआई अधिनियम थाना करोल बाग, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **दीपक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **08.08.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री आरुषि परवाल,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05 (एन.आई. अधिनियम)
कमरा नं. 02, एनेक्सी–01,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8833/CD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजेश कुमार** पुत्र किशोर शाह निवासी मकान नं. 815, पशु अस्पताल, बुराड़ी, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सख्यां 200/2021 धारा 188 भा.द.सं. थाना वजीराबाद उत्तर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राजेश कुमार** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राजेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सख्यां 200/2021 धारा 188 भा.द.सं. थाना वजीराबाद उत्तर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **राजेश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **27.08.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री चतिंदर सिंह,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–7, केन्द्रीय,
कमरा नं. 32, भूतल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8641/N/2025

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि आपातकाल के दौरान संविधान संशोधन कर प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष के विलोपन को लेकर बहस होनी चाहिए। समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात है। देश में वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था, वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिये संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े गए थे। यूं संविधान में मूल अधिकार से नीति निर्देशक तत्व तक प्रकृति में समाजवादी व धर्मनिरपेक्षता की भावना उद्धृत है। संविधान सभा में चर्चा के दौरान इन दोनों शब्दों को लेकर डा. आंबेडकर का मानना था कि संविधान को एक ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जो देश की भावी पीढ़ियों पर एक विशेष प्रकार का सामाजिक दर्शन या आर्थिक विचारधारा थोपता हो। पश्चिम का अंधानुकरण करते हुए धर्मनिरपेक्षता को संविधान की प्रस्तावना में सम्मिलित करना न्यायसंगत नहीं है। नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। आजकल में पेश है एक विश्लेषण...

आपातकाल में संविधान-संशोधन का औचित्य

विश्लेषण

प्रणय कुमार

शिक्षाविद एवं वरिष्ठ स्तंभकार

लोकसभा से 2 नवंबर 1976, राज्यसभा से 11 नवंबर, 1976 को 42वां संविधान संशोधन विधेयक पारित करा, 3 जनवरी 1977, को आनन-फानन में उसे लागू कर दिया गया। उस संशोधन के अन्तर्गत संविधान की मूल आत्मा यानी प्रस्तावना में परिवर्तन करते हुए 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द बिना किसी चर्चा के जोड़ दिए गए। सामान्यत: प्रस्तावना को अपरिवर्तनीय माना जाता है, क्योंकि वह संविधान की नींव या आधार मानी जाती है। आएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले यदि संविधान की मूल भावना व आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात करते हैं, तो उसे आलोचना नहीं, बल्कि विमर्श की स्वस्थ भारतीय परंपरा व आत्मावलोकन के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत न केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, अपितु वह लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र भारत की आत्मा है। वह आम भारतीयों की सांसों और संस्कारों में रचा-बसा है। भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं अवधारणाओं का विकास 1215 ई. में जारी किए गए इंग्लैंड के कानूनी परिपत्र मैग्ना कार्टा से नहीं, अपितु सहयोग, समन्वय एवं सह-अस्तित्व पर आधारित प्राचीन एवं सनातन सांस्कृतिक विचार-प्रवाह एवं जीवन-दर्शन से हुआ है। इस देश में लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली मात्र नहीं, बल्कि वह सहस्त्राब्दियों के अनुभव और इतिहास से सिंचित-निर्मित भेद में एकत्व और विरुद्धों में सामंजस्य देखने वाली जीवन-शैली व जीवन-दृष्टि है। इंग्लैंड अथवा अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की तुलना में भारत की लोकतांत्रिक जड़ें कहीं ज्यादा गहरी हैं।

इतनी गहरी कि उसने भिन्न-भिन्न मान्यताओं, विश्वासों, जीवन-पद्धत्तियों को न केवल स्वीकार किया, बल्कि उनकी विविधता में सौंदर्य देखने की अंतर्दृष्टि भी विकसित की। एक ऐसी अंतर्दृष्टि जो केवल सहिष्णुता में नहीं, सह-अस्तित्व में विश्वास रखती है। सहिष्णुता में जबरन या किसी विवशता में एक-दूसरे को सहने की भावना व्यक्त होती है, जबकि सह-अस्तित्व में पारस्परिक समझ से विकसित स्वीकार की भावना परिलक्षित होती है। सह-अस्तित्व एवं वैविध्य में एकत्व देखने वाली यही अंतर्दृष्टि सनातन भारत की मौलिक विशेषता एवं सहस्त्राब्दियों से चली आ रही समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। इस अविच्छिन्न एवं अविरल लोकतांत्रिक धारा को निरकुंश सत्ता द्वारा केवल एक बार अवरुद्ध करने की चेष्टा की गई, वह भी स्वतंत्र भारत में। परंतु लोकतंत्र में गहरी आस्था रखने वाले भारतीय जन-मन ने उसे सिरे से खारिज़ कर दिया।

हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। एक ऐसा फैसला, जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 'न भूतो, न भविष्यति' की प्रकृति का था। 1971 के आम चुनाव में रायबरेली से इंदिरा गांधी के विरुद्ध चुनाव लड़ने वाले समाजवादी नेता राजनारायण ने उन पर सरकारी तंत्र व संसाधनों का व्यापक पैमाने पर दुरुपयोग करने तथा भ्रष्ट तरीके से चुनाव जीतने का आरोप लगाया। उपलब्ध साक्ष्यों एवं विधिक दलीलों के आधार पर न्यायालय ने इसे सही पाया। न्यायालय ने यह पाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा चुनाव जीतने के लिए चुनाव आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन किया गया है। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने के कारण 12 जून 1975 को धारा 123 (7) के तहत इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद कर दिया और उन्हें अगले 6 वर्षों तक चुनाव

लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। इस फैसले के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय से भी उन्हें राहत नहीं मिली। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वीआर कृष्ण अय्यर ने इंदिरा गांधी की सदस्यता तो बरकरार रखी, लेकिन संसद में बहस करने तथा वोट देने के अधिकार से उन्हें वंचित कर दिया।

इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा

लोकतांत्रिक परंपराओं और नैतिकता का तकाज़ा तो यह था कि इंदिरा गांधी को अपने पद से त्यागपत्र देकर न्यायालय के निर्णय का सम्मान करना चाहिए था, परंतु उन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटते हुए 25 जून, 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के लिए कलंक का एक ऐसा काला दौर रहा, जिसमें संवैधानिक नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई गईं। सब प्रकार के मौलिक अधिकारों को निरस्त कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई, शासन ने निरंकुशता की सारी हदें लांघते हुए न केवल राजनीतिक विरोधियों पर, बल्कि आम जनमानस पर भी अन्याय-अत्याचार के भयानक कहर बरपाए, अभिव्यक्ति की आजादी तो दूर, जीने तक की स्वतंत्रता संकट में पड़ गई। आपातकाल का विरोध करने वाले कई शख्सियतों को सरकारी उत्पीड़न व अत्याचार के कारण प्राण गंवाने पड़े। कर्नाटक की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री स्नेहलता रेड्डी तथा संघ के तत्कालीन अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख पांडुरंगपंत क्षीरसागर भी उनमें से एक थे। प्रसिद्ध समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस के भाई लॉरेंस फर्नांडिस को पुलिस ने कैद में इतनी यातनाएं दीं कि अगले कई महीने तक वे चलने-फिरने के काबिल नहीं रहे। हजारों-लाखों लोग अकारण जेल में ठूंस दिए गए, उनकी संख्या इतनी अधिक थी कि विद्यालयों-विश्वविद्यालयों एवं सरकारी भवनों तक को जेल की अस्थाई काल-कोठरी में तब्दील करना पड़ा।

संविधान में मनमाने परिवर्तन किए गए

विरोधी विचारधारा वाली तमिलनाडु और गुजरात की सरकारें बर्खास्त कर दी गईं। भारत की सदियों पुरानी परंपरा और संविधान-सभा की सम्मति व निष्कर्ष के विरुद्ध जाकर संविधान में मनमाने परिवर्तन कर दिए गए। येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष का कर दिया गया। न्यायालयों के अधिकार सीमित कर दिए गए। विपक्ष विहीन संसद में लोकसभा से 2 नवंबर 1976, राज्यसभा से 11 नवंबर, 1976 को 42वां संविधान संशोधन विधेयक पारित करा, 3 जनवरी 1977, को आनन-फानन में उसे लागू कर दिया गया।

यहां तक कि उस संशोधन के अन्तर्गत संविधान की मूल आत्मा यानी प्रस्तावना में परिवर्तन करते हुए 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द बिना किसी चर्चा के जोड़ दिए गए। सामान्यतः प्रस्तावना को अपरिवर्तनीय माना जाता है, क्योंकि वह संविधान की नींव या आधार मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि संविधान-सभा (1946-10949) की बैठकों में 'धर्मनिरपेक्ष (सेकुलर)' और 'समाजवादी' शब्द को सम्मिलित करने को लेकर पर्याप्त चर्चा हुई थी।

संविधान-सभा के सदस्य खुशाल तालाक्षी शाह यानी केटी शाह ने प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द जोड़ने का संशोधन रखा था। उन्होंने नवंबर और दिसंबर 1948 सहित तीन बार इन शब्दों को प्रस्तावना में शामिल करने की वकालत की। उनकी मांग थी कि अनुच्छेद 1 में यह उल्लखित हो कि 'भारत एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय व समाजवादी राज्यों का संघ है।' परंतु संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं संविधान-सभा के अन्य अनेक सदस्यों ने ठोस तर्कों व दृष्टांतों के आधार पर न केवल इसे अस्वीकृत कर दिया, अपितु इसे अनावश्यक एवं भारतीय परंपरा-संस्कृति के प्रतिकूल बताया।

संविधान-संशोधन के प्रस्ताव का विरोध

डॉ. आंबेडकर का मानना था कि संविधान को एक ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जो देश की भावी पीढ़ियों पर एक विशेष प्रकार का सामाजिक दर्शन या आर्थिक विचारधारा थोपता हो। उन्होंने केटी शाह के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं, जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं करना चाहिए।' उनके अनुसार, भारत के संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद जैसी विचारधारा को संहिताबद्ध कर देने से भविष्य की पीढ़ियों द्वारा अपना रास्ता स्वयं चुनने की स्वतंत्रता बाधित और प्रतिबंधित होगी, जो एक जीवंत, गतिशील एवं उत्तरदायी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अनुचित एवं अव्यावहारिक है। उन्होंने 'समाजवादी' शब्द की अप्रासंगिकता सिद्ध करते हुए कहा था कि राज्य के नीति निदेशक तत्त्व में समानता, शोषणमुक्त और श्रम को सम्मान देने वाले प्रावधानों की प्रचुरता है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 31 की ओर संकेत करते हुए कहा कि इसमें धन के संकेंद्रण को रोकने और समान काम के लिए समान वेतन की रूपरेखा दी गई है, जो प्रकारांतर से एक समाजवादी प्रावधान ही है।

'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' का मुद्दा

उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा था, 'यदि ये निर्देशक सिद्धांत.......अपनी दिशा और विषयवस्तु में समाजवादी नहीं हैं तो मैं यह नहीं समझ पा रहा हूँ कि समाजवाद और क्या हो सकता है! 'समाजवाद' की तरह ही संविधान-सभा के अधिकतम सदस्य 'धर्मनिरपेक्षता' को प्रस्तावना में सम्मिलित किए जाने के पक्ष में नहीं थे। डॉ. आंबेडकर, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, सी राजगोपालाचारी, स्वयं जवाहरलाल नेहरू जैसे तमाम सदस्य इसके विरुद्ध थे। डॉ. आंबेडकर का कहना था कि धर्मनिरपेक्षता के विचारों को विभिन्न अनुच्छेदों में लागू किया गया है, जो धार्मिक स्वतंत्रता और राज्य के किसी विशेष धर्म के साथ गैर-संरेखण (नॉन एलाइनमेंट) से संबंधित थे।

मसलन अनुच्छेद 19, अनुच्छेद 16 आदि धर्म के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव को प्रतिबंधित करते हैं। जवाहरलाल नेहरू समेत संविधान-सभा के अधिकतम सदस्यों में इस बात को लेकर आम सहमति थी कि धर्मनिरपेक्षता (सेकुलरिज्म) पश्चिम या यूरोप से आयातित विचार है, जो मुख्य रूप से वहां की धार्मिक सत्ता (चर्च) व राज्यसत्ता (स्टेट) के बीच हुए शक्ति-संघर्ष की कोख से उपजा है। भारत में इन दोनों सत्ताओं के मध्य संघर्ष का कोई इतिहास नहीं मिलता।

आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात

भारत की सनातन परंपरा में धर्म - किसी पंथ, संप्रदाय, मजहब या रिलीजन से परे - एक सार्वभौमिक व उदार अवधारणा है। धर्म का अर्थ है - मनुष्यता के लिए धारण करने योग्य तत्त्व। जबकि अब्राहमिक मत (ईसाई, इस्लाम, यहूदी) मज़हब या रिलीजन की उस परिभाषा में बंधे हैं, जहां केवल एक ग्रंथ, एक पैगंबर, एक सत्य की बात होती है और अन्य को अस्वीकार किया जाता है। यह सोच संघर्ष, श्रेष्ठताबोध और असहिष्णुता को जन्म देती है। पश्चिम का अंधानुकरण करते हुए धर्मनिरपेक्षता को संविधान की प्रस्तावना में सम्मिलित करना न्यायसंगत नहीं है। अतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले यदि संविधान की मूल भावना व आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात करते हैं, तो उसे आलोचना नहीं, बल्कि विमर्श की स्वस्थ भारतीय परंपरा व आत्मावलोकन के रूप में देखा जाना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र में बहस की पूरी गुंजाइश है, इसका सवागत होना चाहिए।

समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा हो

विमर्श

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार

आपातकाल में जब भारतीय लोकतंत्र कारागारों में बंधक था, तब 1976 में संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदलाव किया गया, जिसमें 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़ दिए गए थे। अब इन शब्दों को विलोपित करने की मांग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठा दी है। केंद्र सरकार से इन शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया है। इस मांग के समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुर मिलाते हुए कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात का संकेत है, जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह बदलाव हजारों वर्षों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के साथ सनातन की भावना का अपमान भी है। प्रस्तावना संविधान का बीज होती है। इसी के आधार पर संविधान की मूल भावना विकसित होती है। भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। अतएव यह बदलाव न्याय का उपहास है।

सनातन संस्कृति और सभ्यता

भारतीय समाज के बहुलतावादी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक गणराज्य की नींव रखी थी। इसीलिए मूल संविधान में भारतीय परंपरा, संस्कृति, आध्यात्म जैसे ऊर्जावान तत्वों का समावेश संभव हुआ। तब संविधान निर्माताओं ने सोचा था कि भारत की संस्कृति, संस्कार और सभ्यतामूलक इतिहास के प्रवाह को भी विभिन्न छवियों के द्वारा स्थान मिलना चाहिए। तब उस समय के प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस से आग्रह कर हजारों वर्षों की सांस्कृतिक सभ्यता के चित्रों की संविधान में जीवंत प्रस्तुति संभव हुई। इस क्रम में मोहनजोदड़ों के चित्रों से लेकर वैदिक युग के गुरुकुल हैं। मौलिक अधिकार के अध्याय में प्रभु राम, सीता और लक्ष्मण का चित्र है। चूंकि राम मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ रामराज्य के प्रतीक हैं। इसलिए उनका चित्र तार्किक है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा गीता का उपदेश दिए जाने का चित्र है। यह चित्र एक हताश योद्धा को अपने कर्तव्य पालन के प्रति इंगित करता है। भगवान बुद्ध, महावीर, सम्राट विक्रमादित्य और नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा है। शिव के नटराज नृत्य की छवि प्रदर्शित है। इन चित्रों को छापना इसलिए संभव हुआ, क्योंकि संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक गणतंत्र के साथ भारतीय सनातन संस्कृति और सभ्यता को जानने पर जोर दिया था। क्या आज के परिप्रेक्ष्य में इन चित्रों का संविधान में प्रदर्शन संभव था?

मूल संविधान की प्रस्तावना

दरअसल स्वतंत्रता के कुछ वर्ष बाद से केवल हिंदू और हिंदुओं से जुड़े प्रतिरोध को धर्मनिरपेक्षता मान लेने की परंपरा सी चल निकली थी। जबकि वास्तविकता तो यह है कि मूल संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और

'समाजवाद' शब्द थे ही नहीं। ये शब्द तो आपातकाल के दौरान 42वां संविधान संशोधन लाकर 'समाजवादी धर्मनिरपेक्ष संविधान अधिनियम 1976' के माध्यम से जोड़े गए थे। आपातकाल के बाद जब जनता दल की केंद्र में सरकार बनी तो यह सरकार 43वां संशोधन विधेयक लाकर सेक्युलरिज्म मसलन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या स्पष्ट करना चाहती थी, प्रस्तावित प्रारूप में इसे स्पष्ट करते हुए वाक्य जोड़ा गया था, 'गणतंत्र शब्द जिसका विशेषण 'धर्मनिरपेक्ष' है का अर्थ है, ऐसा गणतंत्र जिसमें सब धर्मों के लिए समान आदर हो,' लेकिन लोकसभा से इस प्रस्ताव के पारित हो जाने के बावजूद कांग्रेस ने इसे राज्यसभा में गिरा दिया था। अब यह स्पष्ट उस समय के कांग्रेसी ही कह सकते हैं कि धर्मों का समान रूप से आदर करना धर्मनिरपेक्षता क्यों नहीं है? गोया, इसके लाक्षणिक महत्व को दरकिनार कर दिया गया। शायद ऐसा इसलिए किया गया जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव स्थिर न होने पाए और सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता को अनंतकाल तक वोट की राजनीति के चलते तुष्टिकरण के उपायों के जरिए भुनाया जाता रहे। साथ ही इसका मनमाने ढंग से उपयोग व दुरुपयोग करने की छूट सत्ता-तंत्र को मिली रहे। दुर्भाग्य से हमारे यहां नरेंद्र मोदी सरकार के पहले तक परस्पर तालमेल खंडित होता रहा है। अलगाव और आतंकवाद की अवधारणाएं निरंतर देश की संप्रभुता व अखण्डता के समक्ष खतरा बनकर उभरती रही हैं। राष्ट्रवाद और भारत माता की जय को भी संकीर्ण और अल्प-धार्मिक दृष्टि से देखा जाता रहा है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में वामपंथी मानसिकता के चलते जिस तरह से देश के हजार टुकड़े करने के नारे लगते रहे और उन्हें अभियक्ति की आजादी के परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक ठहराने की कोशिशें हुईं, उस संदर्भ में लगता है कि धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की आजादी के मायने राष्ट्रद्रोह को उकसाने और उन्हें संरक्षित करने के उपाय ही साबित हुए हैं। अतएव इस तरह की विकृतियों को आधार देने वाले संविधान के अनुच्छेदों में बदलाव जरूरी है। भारतीय संविधान जिस नागरिकता को मान्यता देता है, वह एक भ्रम है। सच्चाई यह है कि हमारी नागरिकता भी खासतौर से अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक समुदायों में बंटी हुई है। लिहाजा इसका चरित्र उत्तरोत्तर सांप्रदायिक होता रहा है। हिंदु, मुसलमान और ईसाई भारतीय नागरिक होने का दंभ बढ़ता है। जबकि नागरिकता केवल देशीय मसलन भारतीय होनी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है,क्योंकि भारत में 4635 समुदाय हैं, जिनमें से 78 प्रतिशत समुदायों की न सिर्फ भाषाई एवं सांस्कृतिक बल्कि सामाजिक श्रेणियां भी हैं। इन समुदायों में 19.4 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। गोया, धर्मनिरपेक्षता शब्द को विलोपित किया जाना जरूरी है। वर्तमान में हमारे यहां धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग अंग्रेजी के शब्द 'सेक्युलर' के अर्थ में हो रहा है। अंग्रेजी के ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में इसका अर्थ 'ईश्वर' विरोधी दिया है।

संविधान में धर्म की भी व्याख्या नहीं

भारत और इस्लामिक देश ईश्वर विरोधी कतई नहीं हैं। ज्यादातर क्रिश्चियन देश भी ईसाई धर्मावलंबी हैं। हां, बौद्ध धर्मावलंबी चीन और जापान जरूर ऐसे देश हैं, जो धार्मिक आस्था से पहले राष्ट्रप्रेम को प्रमुखता देते हैं। हमारे संविधान की मुश्किल यह भी है कि उसमें धर्म की भी व्याख्या नहीं हुई है। नतीजतन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या को किसी एक इबारत में बांधना असंभव है। इसीलिए श्रीमद्भागवत गीता में जब यक्ष धर्म को जानने की दृष्टि से प्रश्न करते हैं तो धर्मराज युधिष्ठिर का उत्तर होता है, 'तर्क कहीं स्थिर नहीं हैं, श्रुतियां भी भिन्न-भिन्न हैं। अतएव धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्दों को संविधान की प्रस्तावना से विलोपित करके उसे मूल स्वरूप में लाने की जरूरत है।

मूल प्रस्तावना को बहाल करने की मंशा

दो टूक

रवि शंकर

लेखक व पत्रकार

इमरजेंसी के बाद से ही गाहे-बगाहे यह बात उठती रही है कि संविधान की प्रस्तावना को उसके मूल रूप में स्थापित किया जाए। प्रस्तावना को मूल रूप में स्थापित करने का अर्थ यह है कि उसमें से 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्द हटाया जाए। भारतीय जनता पार्टी व संघ की ओर से समय-समय पर यह मुद्दा उठाया जाता है और इससे ऐसा प्रतीत होता है कि बीजेपी संविधान सभा द्वारा अंगीकार की गई मूल प्रस्तावना को वापस बहाल करने की स्पष्ट मंशा रखती है। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने के अवसर पर एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने फिर से यह प्रसंग छेड़ा है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान में जोड़े गए समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द को हटाए जाने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने फिर से एक नए विवाद को जन्म दे दिया। होसबाले ने कहा है कि कांग्रेस को 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार की ओर से लगाए गए आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़े गए थे। इन्हें हटाने के लिए भी बाद में प्रयास नहीं हुए, इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए कि क्या इन शब्दों को रहना चाहिए या नहीं। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उनकी प्रस्तावना में ये दोनों शब्द नहीं थे। होसबाले के इस बयान का आरएसएस और बीजेपी के कुछ नेताओं ने भी समर्थन किया है।

दोनों शब्दों से आपत्ति क्यों

दरअसल, संविधान में समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता शब्द को शामिल करने के साथ ही इस पर विवाद शुरू हो गया था। इसके विरोधियों का मानना है कि संविधान के दर्शन में एक तरह से पहले से ही समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता का स्पष्ट उल्लेख हुए बिना न्याय, समानता, स्वाधीनता और भाईचारे का विचार निहित है। कांग्रेस के आलोचक चिंता व्यक्त करते रहे हैं कि संविधान में अलग से इन शब्दों को शामिल किए जाने से इनका दुरुपयोग या फिर गलत व्याख्या की जा सकती है। कांग्रेस के विरोध वाली पार्टियां हमेशा इसे कांग्रेस के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं। अहम सवाल यह भी उठता है कि यदि इन दोनों शब्दों से इतनी आपत्ति थी तो इन्हें 1977 में आई जनता पार्टी की सरकार ने क्यों नहीं बदल दिया। उस वक्त 42वें संशोधन की तमाम चीजों को बदल दिया गया था। जानकारों का कहना है कि तत्कालीन मोरारजी देसाई की सरकार के कुछ सहयोगियों ने ही उस वक्त इन्हें हटाने से मना किया था क्योंकि उनके मुताबिक, इससे राजनीतिक रूप से काफी नुकसान होने की आशंका थी।

कोर्ट ने रद कर दी थी याचिका

खैर, आरएसएस नेता की ओर से यह मांग तब आई है जब नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये शब्द

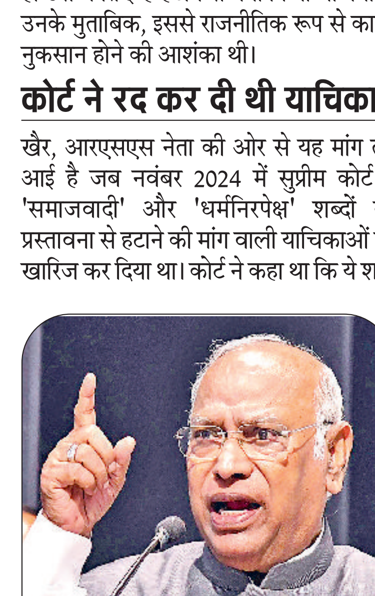

संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं और इन्हें हटाना संविधान की भावना के खिलाफ होगा। यही नहीं, इन्हें हटाने के लिए संविधान में विशेष बहुमत की जरूरत होगी जो मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी के पास नहीं है। विपक्षी दलों का कहना है कि यही सब करने के लिए तो बीजेपी 'चार सौ पार' करने का मंसूबा पाले हुए थी, पिछले लोकसभा चुनाव में। हालांकि चार सौ पार हो जाते, तब भी ऐसा करना संभव नहीं था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का भाग हैं। बात सिर्फ बहुमत तक की नहीं है। दरअसल, ये अपनी विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने की कोशिश की है। राम मंदिर का मामला देखिए। उन्हें पता था कि कहने से नहीं बन पाएगा, फिर भी 1989 से ही कहते चले आ रहे थे और फिर बन गया। तो उन्हें पता है कि आज नहीं तो कभी तो आएगी दो तिहाई बहुमत और जब तक नहीं आएगी, तब तक इसके जरिए बहुमत पाने की कोशिशें जारी रहेंगी।

अपनी विचारधारा मजबूत करने के लिए जनमत बनाने की कोशिश होती रहेगी। वैसे तो बीजेपी के लोग खुद को भी समाजवादी मानते हैं कि पार्टी की स्थापना ही 'गांधीवादी समाजवाद' के मूल्यों पर की गई थी लेकिन बीजेपी समाजवाद से संबंधित राजनीतिक पार्टियों से खुद को अलग दिखाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिकाएं खारिज होने के बावजूद यह बहस चलती रही कि इन शब्दों को हटाया जाना चाहिए, लेकिन यह मांग तक ही सीमित रही, इससे आगे कोई संवैधानिक प्रक्रिया नहीं चली। हालांकि कहा ये जाता है कि ये शब्द हटाए जाएं या ना हटाए जाएं लेकिन हिन्दू राष्ट्र बनाने की राह में प्रस्तावना में निहित ये दोनों शब्द सबसे बड़ा रोड़ा हैं, खासकर पंथनरिपेक्ष। इसीलिए बार-बार इनकी चर्चा होती रहती है। संविधान को लेकर आरएसएस और बीजेपी की सोच चाहे जो रही हो लेकिन 2014 के बाद से ही बीजेपी संविधान से जुड़े मुद्दों पर बहुत सोच-समझकर बात करती है क्योंकि संविधान से जुड़े मुद्दे अक्सर उसके लिए राजनीतिक तौर पर नुकसानदायक साबित होते हैं। हाल ही में 2024 के लोकसभा चुनाव में उसके कुछ नेताओं ने संविधान बदलने की बातें कहकर विपक्ष को मौका दे दिया और बीजेपी उम्मीद से 160 सीटें नीचे चली आई।

2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का 'आरक्षण की समीक्षा' वाला बयान बीजेपी भला कैसे भूल सकती है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बार-बार 'संविधान का रक्षक और सम्मानकर्ता' होने का सबूत देना पड़ता है। ऐसे में संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की बहस की मांग कहां तक पहुंचेगी, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। पिछले कुछ सालों में कई बार इन दोनों ही शब्दों को संविधान से हटाने की भी मांग की जा चुकी है। 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' जैसे शब्दों को संविधान से हटाने की चर्चा समय-समय पर उठती रही है। संघ के महासचिव के बयान के बाद टकराव जाहिर है फिर से शुरू हो गया है। संघ के शब्दों में भारत का संविधान कभी भी 'मनुस्मृति से प्रेरित नहीं था।

नए संविधान की बात

आरएसएस और बीजेपी बार-बार एक नए संविधान की बात करती आ रही हैं। यह तो साल 2024 में नरेंद्र मोदी के लोकसभा चुनाव प्रचार का मुद्दा भी था। लेकिन अब जब इस पर संवैधानिक पदों पर बैठे लोग खुलकर बोलने लगे हैं, तो यह बहस सिर्फ वैचारिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रणभूमि बनती जा रही है। इस बयान के बाद अब निगाहें संसद के आगामी सत्र और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं। क्या यह सिर्फ एक विचारधारा की अभिव्यक्ति है या किसी बड़ी संवैधानिक पहल की प्रस्तावना- इसका जवाब आने वाले दिनों में और स्पष्ट होगा।

नड्डा ने हिमाचल में चल रहे 2592 करोड़ के नेशनल हाइवे के कामकाज की समीक्षा की

जेपी नड्डा मुख्यमंत्री को दो विषयों के बारे में लिखेंगे चिट्ठी, बात भी करेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश में चल रहे 25 नेशनल हाईवे के निर्माण पर प्रगति कार्यों की समीक्षा की। प्रदेश के बिलास पुर में समीक्षा बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने कहा कि प्रदेश में 25 नेशनल हाईवे का काम चल रहा है जिनकी कुल लंबाई 2592 किलोमीटर है।

नड्डा ने बताया कि एनएचएआई के अंतर्गत चार बड़े कार्य चल रहे हैं जिसमें से अधिकतम कार्य 2026 एवं 2027 तक पूर्ण हो जाएंगे और बाकी 2028 में होंगे। चार कामों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि कीरतपुर मनाली कॉरिडोर जिसके लिए 7667 करोड़ आवंटित है जिसमें 12 टनल 11.51 किलोमीटर का निर्माण होगा। कीरतपुर मनाली कुल आवंटन 9452 करोड़, 28 टनल जिनकी लंबाई 41 किलोमीटर होगी। शिमला मटौर 10208 करोड़ का आवंटन जिसमें 15 टनल कुल टनल लंबाई 13.41 होगी। । पठानकोट मंडी कुल आवंटन 1088 करोड़, 13 टनल बनेगी जिनकी कुल लंबाई 10 किलोमीटर होगी। ध्यान दें कि यह लंबाई केवल टनल के बारे है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बताया कि वह दो विषयों के बारे में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात भी करेंगे और चिट्ठी भी लिखेंगे।

एक विषय जितने एनएचएआई द्वारा काम चल रहे है उनको उद्योग से बाहर किया जाए क्योंकि उन्हें राज्य प्रदूषण बोर्ड की एनओसी हर साल लेनी पड़ती है जिसके कारण काम धीमी गति से चल रहा है इसके अंतर्गत क्रेशर तारकोल पिघलाने वाले यंत्र हॉट मिक्सर आते हैं यह सब अस्थाई काम है कुछ समय बाद बंद हो जाते हैं।

दूसरा विषय ड्रेजिंग का है, व्यास नदी के इर्द-गिर्द इस विषय के बारे में काफी चिंता करने की आवश्यकता है और प्रदेश सरकार को इसके बारे जल्द से जल्द निर्णय लेना चाहिए। सुमदो काजा सड़क की सैंक्शन 2024 में मिल गई थी और यह काम बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन कर रही है पर राज्य सरकार अभी तक इसकी फॉरेस्ट क्लीयरेंस नहीं दे पा रही है अगर यह क्लीयरेंस जल्दी आ जाए तो काम जल्दी चलेगा।

नड्डा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार की गलती गिनाई

नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में एक वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि केंद्र सरकार हिमाचल बारे ध्यान नहीं दे रही है पर गलती तो राज्य सरकार की है जो केंद्र से आए पैसे को खर्च नहीं कर पा रही है। 2021 से 2025 तक स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से ही आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फास्ट्रक्चर मिशन के तहत 360 करोड़ 11 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं, जिसमें से प्रदेश सरकार केवल 78 करोड़ ही खर्च कर पाई है। इस योजना के तहत प्रदेश में 73 ब्लाक लेबल पब्लिक हेल्थ यूनिट बनाए जाने प्रस्तावित हैं, जिनमें से छह ही बन पाए हैं जबकि 14 के टेंडर हुए हैं। आठ क्रिटिकल केयर यूनिट स्थापित होने हैं, जिसमें रोहड़ू, रिकांगपिओ, घवांडल, टांडा, मंडी अस्पताल व पांवटा साहिब शामिल हैं। प्रदेश को 15वें वित्तायोग से 521 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिसमें से केवल 128 करोड़ 62 लाख रुपए ही खर्च हुए हैं। उन्होंने कहा कि 25 मई को मुख्यमंत्री उनसे मिलने आए थे। उन्होंने जाइका से पैसा दिलवाने का आग्रह किया था जिस पर 30 जून को 1138 करोड़ रुपए केंद्र ने मंजूर किए। इसमें से प्रदेश सरकार को 1024 करोड़ रुपए ग्रांट इन एड दिए गए हैं जबकि शेष राशि सस्ते लोन पर उपलब्ध करवाई गई है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश को प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए तीन साल में एसडीआरएफ के तहत 1736 करोड़, एनडीआरएफ के तहत 1071 करोड़ और स्टेट डिजास्टर मेटिगेशन फंड के तहत 339 करोड़ रुपए प्रदान किए हैं। हाल ही में गृह मंत्री ने पोस्ट डिजास्टर रिहेब्लिटेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन फंड (पीडीआरआरएफ) के तहत 2006 करोड़ रुपए दिए हैं।

खबर संक्षेप

कोयला खदान का एक हिस्सा ढहा, 4 की मौत

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में अवैध खनन के दौरान बंद पड़ी कोयला खदान का एक हिस्सा ढह जाने से 4 लोगों की मौत हो गई। कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। यह घटना जिले के कुजू चौकी के कर्मा इलाके में तड़के घटी। दुर्घटना स्थल से चार शव बरामद कर लिये गए हैं। हालांकि, पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने से पहले ही ग्रामीण तीन शव वहां से ले गए।

विंध्यवासिनी में पुरोहितों में मारपीट, 4 पर केस

मिर्जापुर। मां विंध्यवासिनी मंदिर के गर्भगृह में शुक्रवार रात करीब 12 बजे पुरोहितों में मारपीट का मामला प्रकाश में आया जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।पुजारी विश्वमोहन मिश्र की तहरीर पर विंध्याचल कोतवाली में अमित पांडेय, सुमित पांडेय व नवनीत पांडेय निवासी विंध्याचल समेत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

वोटर लिस्ट संशोधन का केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। गैर सरकारी संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमेक्रेटिक रिफॉर्म्सने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान का चुनाव आयोग का आदेश रद करने की मांग की है। चुनाव आयोग का यह आदेश संविधान विरुद्ध है।

विरोध करने वालों को कपड़े उतारकर पीटोः रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इंदिरा कैंटीन करने का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा कैंटीन का नाम बदलकर इंदिरा कैंटीन करने पर विरोध कर रहे लोग मूर्ख हैं। ये पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की महानता को तब तक नहीं समझ पाएंगे जब तक कपड़े उतारकर उन्हें पीटा न जाए।

कोलकाता से बैंकॉक जाने वाली उड़ान रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बैंकॉक जाने वाली थाई लायन एयर की एक उड़ान शनिवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक विमान में 130 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। बताया गया कि इस घटना के बाद उड़ान को फिलहाल रद्द कर दिया गया।

राज ठाकरे के साथ 20 साल बाद उद्धव ने साझा किया मंच, बोले

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने रैली को संबोधित किया

हम साथ आए हैं और साथ ही रहेंगे निजी हितों में नहीं उलझें तो अच्छा

जो काम बाला साहेब नहीं कर पाए, फडणवीस ने कर दिया

महाराष्ट्र सरकार की ओर से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के लिए दो सरकारी प्रस्तावों को रद्द कर दिया है

राज ने पहले ही शानदार भाषण दिया, ज्यादा कहने की जरूरत ही नहीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की ओर से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के लिए दो सरकारी प्रस्तावों को रद्द करने के बाद उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने मुंबई के वर्ली डोम में एक संयुक्त रैली की। पहले राज ठाकरे ने रैली को संबोधित किया और कहा कि आज 20 साल बाद मैं और उद्धव एक साथ आए हैं। जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने किया। हम दोनों को साथ लाने का काम। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम साथ आए हैं, हम साथ रहेंगे। हम साथ रहने के लिए ही साथ आए हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी ताकत हमारी एकता में है, जब भी कोई चुनौतीपूर्ण समय आता है, हम सभी एक साथ आते हैं, लेकिन हम सभी ने अनुभव किया है कि जब चुनौतीपूर्ण समय बीत जाता है, तो हम सभी अपने निजी हितों के लिए जाते हैं, जो इस बार नहीं होना चाहिए।'

हम दोनों का एक साथ आना और यह मंच ज्यादा अहम

उद्धव ठाकरे ने कहा कि जब से हमने इस कार्यक्रम की घोषणा की थी, तब से सभी को आज हमारे भाषण का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन मेरे विचार से हम दोनों का एक साथ आना और यह मंच हमारे भाषणों से ज्यादा महत्वपूर्ण था। राज ठाकरे पहले ही बहुत शानदार भाषण दे चुके हैं और मुझे लगता है कि अब मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं है।

..तो हां, हम 'गुंडा' हैं'

उद्धव ठाकरे ने कहा कि आप (शिवसेना) पहले ही हमारा काफी इस्तेमाल कर चुके हैं। अगर आपको बालासाहेब ठाकरे का समर्थन नहीं था, तो महाराष्ट्र में आपको कौन जानता था। आप हमें हिंदुत्व के बारे में सिखाने वाले कौन होते हैं? जब मुंबई में दंगे हो रहे थे, तब हम मराठी लोगों ने महाराष्ट्र के हर हिंदू को बचाया था, चाहे वह कोई भी हो। अगर आप मराठी लोगों को 'गुंडा' कह रहे हैं जो अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, न्याय मांग रहे हैं। तो हां, हम 'गुंडा' हैं।

एक निशान तिरंगा है न कि भाजपा का झंडा

उद्धव ने कहा कि जब भाजपा कहती है कि उन्हें एक संविधान, एक निशान और एक प्रधानमंत्री चाहिए, तो उन्हें याद रखना चाहिए एक निशान तिरंगा है, न कि भाजपा का झंडा।

11 साल में सरकार ने क्या किया?

उद्धव ने कहा कि वे हमेशा हमसे पूछते हैं कि हमने बीएमसी में अपने शासन के दौरान मुंबई में मराठी लोगों के लिए क्या किया? अब हम सवाल पूछ रहे हैं- आपके शासन के पिछले 11 वर्षों में आपने क्या किया है? आपने मुंबई के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को गुजरात में धकेल दिया है। कारोबार गुजरात में स्थानांतरित हो रहे हैं।

राज ठाकरे का तंज

फडणवीस हम दोनों को साथ लाए, बधाई

राज ठाकरे ने कहा कि मैंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि मेरा महाराष्ट्र किसी भी राजनीति और लड़ाई से बड़ा है। आज 20 साल बाद मैं और उद्धव एक साथ आए हैं। जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने किया। हम दोनों को साथ लाने का काम। दोनों भाइयों ने गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी।

भाजपा ने किया हमला

ये रैली सियासी जमीन बचाने की बेताबी के सिवाय कुछ नहीं

दोनों भाइयों की साझा रैली को लेकर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भाजपा ने रैली को एक 'राजनीतिक फायदे के लिए की गई पारिवारिक मुलाकात' बताया। यह सिर्फ नगर निगम चुनावों से पहले खोई सियासी जमीन को पाने की बेताबी है।

दरेकर ने इसे सियासी इवेंट बताया

भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि यह भाषा के नाम पर नहीं, बल्कि एक राजनीतिक स्टंट था। उद्धव की बातों में हताशा और सत्ता खोने का दुख साफ झलक रहा था। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि राजनीतिक इवेंट था।

अठावले ने कहा

महाविकास अघाड़ी में फूट हो जाएगी

भाजपा विधायक रामदास अठावले ने दावा किया कि इससे एनडीए को और भी ज्यादा फायदा है। महाविकास अघाड़ी में फूट हो जाएगी। कांग्रेस और एनसीपी अलग रहेगी। उद्धव को वहां से बाहर आना पड़ेगा।

केरल पाठ्यक्रम समिति ने दी मंजूरी

10वीं की किताब में राज्यपाल के कर्तव्यों पर नया पाठ जोड़ा

◆ *कक्षा 2, 4, 6, 8 और 10 की पाठ्यपुस्तकों में भी नई विषय-वस्तु शामिल होगी*

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल के सामान्य शिक्षा विभाग द्वारा बनाई गई एक पाठ्यक्रम समिति ने राज्य के सरकारी स्कूलों में कक्षा 10 की किताब में एक नया अध्याय जोड़ने की मंजूरी दे दी है, जिसमें राज्य के राज्यपालों की संवैधानिक शक्तियों और कर्तव्यों के बारे में बताया गया है। यह फैसला सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। इस बैठक में कक्षा 2, 4, 6, 8 और 10 की पाठ्यपुस्तकों में भी नई विषय-वस्तु शामिल करने को हरी झंडी दी गई है। भारत माता के चित्र के प्रदर्शन के नाम पर केरल सरकार और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के बीच चल रही खींचतान के बीच कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तक में राज्यपाल की शक्तियों पर नया अध्याय शामिल किया गया।

राज्यपाल-सरकार में तनातनी तेज

मंत्री शिवनकुट्टी ने पिछले महीने कहा था कि स्कूल की किताबों में जल्दी ही राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों और जिम्मेदारियों से जुड़ी जानकारी जोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल लोकतंत्र के मूल्यों को समझाने और सिखाने के लिए सबसे उपयुक्त जगह हैं।आधिकारिक समारोहों के दौरान राजभवन में भारत माता की तस्वीर लगाने को लेकर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और राज्य की पिनाराई विजयन नीत एलडीएफ सरकार के बीच कुछ समय से तनातनी चल रही है। शिवनकुट्टी ने हाल ही में राज्यपाल की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम से बाहर निकलते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर चित्र प्रदर्शित किया गया था। उनके कैबिनेट सहयोगी और कृषि मंत्री पी प्रसाद ने भी इसी तरह का कारण बताते हुए राजभवन में आयोजित एक समारोह का बहिष्कार किया था।

'लोकतंत्रः एक भारतीय अनुभव' शामिल

10वीं की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के दूसरे खंड में 'लोकतंत्रः एक भारतीय अनुभव' शीर्षक वाले अध्याय में राज्यपाल की शक्तियों और कर्तव्यों पर विस्तार से चर्चा की गई है। बयान में कहा गया है कि विशेष अध्याय में भारतीय लोकतंत्र में संकट, चुनावी बांड को समाप्त करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के फैसले और रिसॉर्ट राजनीति के बारे में भी बताया गया है। संशोधित पाठ्य पुस्तकें ओणम की छुट्टियों से पहले बच्चों तक पहुंच जाएंगी।

लखनऊ में 'थूक जिहाद' आया सामने

'शरीफ' ने केन में थूककर बांट दिया दूध, कैमरे में कैद

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

योगी आदित्यनाथ सरकार व्यवसाय करने वाले सभी लोगों को परिचय पत्र देने की तैयारी में है, जिससे बहुरूपिए सामने आ सकें, लेकिन गोरखधंधा जारी है। लखनऊ में थूक जिहाद का मामला सामने आने पर खलबली मच गई है। यहां कई वर्षों से कालोनी में दूध बांट रहे युवक का शनिवार को वीडियो वायरल होने से लोग परेशान हैं। शरीफ नाम का युवक पप्पू के नाम से दूध बांटता है और शनिवार को उसकी हकीकत सीसीटीवी में कैद होने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कराने की तैयारी है।

शरीफ ने शनिवार को दूध के बर्तन में थूककर एक घर में दूध दे दिया। पूरी घटना सीसी कैमरे में कैद हो गई। जब घर में रहने वालों ने सीसी फुटेज देखी तो पूरी घटना सामने आ गई। इससे जुड़ा एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। हिंदू संगठन के सदस्यों ने कोतवाली तहरीर दी है।

केंद्र ने दिया राज्यों को निर्देश

घटिया हेलमेट बनाने व बेचने वालों पर 'सख्त' कार्रवाई करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र ने राज्यों से दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घटिया हेलमेट बेचने वाले विनिर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) देश भर के उपभोक्ताओं से केवल बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट का उपयोग करने की अपील करते हैं। विभाग ने बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना हेलमेट के विनिर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। विभाग ने कहा कि भारतीय सड़कों पर 21 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन हैं, इसलिए सवार की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है। इस पर कोताही न बरती जाए।

भगवान जगन्नाथ की 'बहुड़ा यात्रा' शुरू

पुरी। भगवान जगन्नाथ की 'बहुड़ा' यात्रा या रथ वापसी उत्सव शनिवार को औपचारिक 'पहांडी' अनुष्ठान के साथ शुरू हो गया। मूर्तियों को श्री गुंडिचा मंदिर से सारधाबली में खड़े रथों तक औपचारिक यात्रा के जरिये ले जाया जा रहा है। इस यात्रा के दौरान भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को रथों तक ले जाया गया। तलध्वज (बलभद्र), दर्पदलन (सुभद्रा) और नंदीघोष (जगन्नाथ) भव्य रथों को भक्त श्री गुंडिचा मंदिर से जगन्नाथ के मुख्य स्थान तक खींचा।

हिमाचल में बारिश का कहर फिलहाल नहीं हो रहा कम

75 की मौत और 288 घायल, 800 करोड़ का नुकसान

बाढ़ और भूस्खलन ने राज्यभर में मचाई तबाही, बुनियादी ढांचा नेस्तनाबूत

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश में बारिश और भूस्खलन ने हाहाकार मचाया हुआ है। मानसूनी सीजन में मृतकों की संख्या 75 हो गई है। इनमें 45 लोगों की बारिश से संबंधित मौतें हुई हैं और 30 लोगों की आकस्मिक मौतें हुईंइनमें सड़क दुर्घटनाएं, बिजली का झटका और गैस विस्फोट शामिल हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने 20 जून से 4 जुलाई तक की अवधि को कवर करते हुए डेटा जारी किया है। यह अवधि मौसमी क्षति रिपोर्ट, पहाड़ी राज्य में विनाश की एक भयावह तस्वीर दे रही है।

आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर

सरकार ने मृतकों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की। राज्य सरकार प्रभावित जिलों में राहत कार्य जारी रखे हुए है। आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं।अधिकारियों ने भूस्खलन की आशंका वाले और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए परामर्शों का पालन करने का आग्रह किया है।

10,168 पशु और पक्षी मरे

इसके साथ ही हजारों हेक्टेयर बागवानी और कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है, हालांकि अभी भी पूरा आकलन किया जा रहा है। 10,168 पशु और पक्षी मारे गए, जिनमें 10,000 पोल्ट्री पक्षी और 168 मवेशी शामिल हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक संकट पैदा हो गया।

सीएम सुक्खू ने दी जानकारी

इसके साथ ही सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। शिमला स्थित राज्य सचिवालय में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब तक 800 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान आपदा से हुआ है। मौसम संबंधी घटनाओं के कारण सीधे तौर पर 45 लोगों की मौत हुई। सड़क दुर्घटनाओं में 27 अतिरिक्त मौतें हुईं, जिनमें सबसे अधिक मौतें चंबा (6) और कुल्लू (3) में हुईं। इन मौतों के साथ, कुल दुर्घटनाजन्य मौतों की संख्या 30 हो गई है, जिससे मानसून के मौसम में कुल मौतों का आंकड़ा 75 हो गया है।

भीलवाड़ा में सीताराम की हत्या पर बवाल

मोहर्रम जुलूस रद्द, बुलडोजर और फांसी देने की मांग, एक गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ भीलवाड़ा

जहाजपुर कस्बे में एक दर्दनाक घटना के बाद तनाव है। 25 साल के दिव्यांग युवक सीताराम की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने कस्बे में बाजार बंद कर दिए हैं। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच सीताराम की मां सुगना देवी ने आरोपियों को फांसी देने और मस्जिद पर बुलडोजर चलवाने की मांग कर रही हैं। पुलिस ने इस मामले में रईस नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों को भी डिटेन कर लिया है।

तनाव को देखते हुए प्रशासन का फैसला

प्रशासन ने मोहर्रम के ताजिया जुलूस पर रोक लगा दी है। पहले 5 और 6 जुलाई को जुलूस निकालने की अनुमति दी गई थी, लेकिन अब वह अनुमति वापस ले ली गई है। प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए ताजिया नहीं निकाले जाएंगे।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- पहले अपना लक्ष्य तय करें और रिस्क क्षमता जांच लें
- आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर
- रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो डेट फंड्स में निवेश सही

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

निवेश करने जा रहे हैं तो पल्ले 'गांठ' बांध लें ये बातें, अच्छी होगी कमाई

म्यूचुअल फंड निवेश का एक पॉपुलर और स्मार्ट तरीका बन चुका है। यह एक ऐसा ऑप्शन है, जिसमें छोटे निवेशकों को भी प्रोफेशनल मैनेजमेंट, डायवर्सिफिकेशन और फ्लेक्सिबिलिटी का फायदा मिल पाता है, लेकिन अपने लिए सही म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन करते समय केवल पिछले रिटर्न को देखना ही काफी नहीं होता। सही फंड चुनने के लिए कुछ अहम बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि निवेश से बेहतर रिटर्न मिले और रिस्क भी कंट्रोल में रहे। सबसे पहले अपनी रिस्क क्षमता को देखते हुए लक्ष्य तय करें। इसके बाद ही निवेश के इस समर में उतरे। अगर इन जरूरी बातों पर ध्यान नहीं दिया तो सही फंड चुनने में चूक हो सकती है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अपना फाइनेंशियल गोल तय करें

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं। घर खरीदने के लिए, बच्चों की पढ़ाई के लिए, रिटायरमेंट प्लान करने के लिए या फिर एसेट्स बनाने के लिए। अगर आपका निवेश का लक्ष्य साफ होगा, तो आपके लिए यह तय करना भी आसान हो जाएगा कि आपके लिए किस तरह का फंड बेहतर रहेगा। मिसाल के तौर पर अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जबकि रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो डेट फंड्स में निवेश करना सही हो सकता है.

रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

म्यूचुअल फंड की कैटेगरी को समझें

म्यूचुअल फंड्स की कई कैटेगरी हैं। मिसाल के तौर पर इक्विटी, डेट, हाइब्रिड, इंडेक्स, सेक्टोरल, ईएलएसएस वगैरह। हर फंड कैटेगरी की खूबियां अलग-अलग होती हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सा फंड किस तरह की जरूरत के लिए बना है। फंड एक्टिव है या पैसिव, यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि इससे निवेश की रणनीति बदल सकती है।

पिछला ट्रैक रिकॉर्ड जरूर चेक करें

म्यूचुअल फंड्स के पिछले रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं देते, लेकिन यह जरूर बताते हैं कि किसी फंड ने बाजार के अलग-अलग साइकल या हालात में कैसा प्रदर्शन किया है। किसी फंड के तीन, पांच और सात साल के औसत रिटर्न की तुलना स्कीम के बेंचमार्क इंडेक्स और कैटेगरी एवरेज से करने पर उसके प्रदर्शन का काफी-कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है।

फंड का पोर्टफोलियो देखें

कोई फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहा है, यह जानना भी जरूरी है। इससे पता चलता है कि फंड मैनेजर की इनवेस्टमेंट फिलॉसफी क्या है और यह आपके जोखिम प्रोफाइल से मेल खाती है या नहीं। मिसाल के तौर पर लार्ज कैप स्टॉक्स में ज्यादा निवेश करने वाले फंड, मिड कैप या स्मॉल कैप में ज्यादा इनवेस्ट करने वाली स्कीम के मुकाबले कम रिस्क वाले हो सकते हैं।

फंड मैनेजर का पिछला ट्रैक रिकॉर्ड

म्यूचुअल फंड्स में फंड मैनेजर की भूमिका बहुत अहम होती है। उनका अनुभव और ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि वे बाजार की चाल को कितना समझते हैं और निवेशकों के पैसों को संभालने में कितने माहिर हैं। यह भी देखें कि जिस फंड में आप निवेश करना चाहते हैं, उसके फंड मैनेजर कितने अनुभवी हैं।

निवेश के खर्च पर भी गौर करें

किसी फंड में निवेश करने पर कितना खर्च आता है, यह उसके एक्सपेंस रेशियो से पता चलता है. अगर यह ज्यादा है तो आपकी कमाई पर असर पड़ सकता है। एक्टिव फंड्स में यह रेशियो कुछ अधिक हो सकता है, लेकिन पैसिव या इंडेक्स फंड्स में इसे कम ही रहना चाहिए. साथ ही डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो भी उसी स्कीम के रेगुलर प्लान से कम होता है।

एग्जिट लोड व लॉक-इन पीरियड को समझें

कुछ फंड्स में तय समय से पहले पैसे निकालने पर एग्जिट लोड लगता है। ईएलएसएस जैसे फंड में 3 साल का लॉक-इन पीरियड होता है। कुछ फंड्स में यह 5 साल भी हो सकता है। इसलिए निवेश से पहले यह जानना जरूरी है कि आप जरूर पड़ने पर अपने पैसे कितनी जल्दी निकाल सकते हैं और उसका खर्च कितना होगा।

टैक्स के असर को भी जानें

इक्विटी और डेट फंड्स पर टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं। लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म के टैक्स रेट भी अलग होते हैं। निवेश का फैसला करते समय टैक्स इम्पैक्ट को ध्यान में रखें ताकि नेट रिटर्न का सही कैलकुलेशन हो सके।

फंड हाउस का पुराना प्रदर्शन भी देखें

जिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी से फंड जुड़ा है, उसकी क्रेडिबिलिटी और पिछले इतिहास को जानना भी जरूरी है। एक मजबूत और भरोसेमंद एएमसी आपके पैसों को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकता है। म्यूचुअल फंड में निवेश से अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए आंख बंद करके किसी भी फंड में पैसा न लगाएं। अपनी जरूरत, रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन को समझें और ऊपर बताए गए हर प्वाइंट को ध्यान में रखकर फैसला करें। अगर जरूरत हो तो किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह भी लें।

पीपीएफ में निवेश से भी जुटा सकते हैं 1.50 करोड़, ट्रिपल 5 का फॉर्मूला आएगा काम

केंद्र सरकार ने निवेशकों खासतौर से सैलरीड क्लास के बीच पॉपुलर स्मॉल सेविंग्स पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। जुलाई से सितंबर 2025 तक के लिए पीपीएफ पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलता रहेगा। पीपीएफ की मैच्योरिटी 15 साल होती है, यानी यह लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करने वाली स्कीम है। फाइनेंशियल एडवाइजर भी इसे लंबी अवधि के लिए सुरक्षित स्कीम मानते हैं। इस स्कीम के जरिए आप कितना फंड जुटा सकते हैं। क्या 1 करोड़ या 1.50 करोड़। इसका जवाब है आपके द्वारा होल्ड किए जाने वाली अवधि। पब्लिक प्रोविडेंट फंड एक ऐसी सरकारी स्कीम है, जिसे लंबी अवधि की निवेश के लिए डिजाइन किया गया है। अगर इस सरकारी स्कीम में लंबी अवधि तक या पूरे नौकरी पीरियड तक निवेश बनाए रहें तो रिटायरमेंट पर यह सरप्राइज दे सकता है। अब सवाल है कि मैच्योरिटी 15 साल की है तो इसे 25 साल या 30 साल तक होल्ड करना कैसे संभव है। ऐसा संभव है, इसे संभव बनाता है इस स्कीम में एक्सटेंशन से जुड़ा नियम।

पीपीएफ में निवेश के नियम

पीपीएफ की मैच्योरिटी वैसे तो 15 साल की है, लेकिन निवेशक चाहें तो इसे एक बार में 5 साल - 5 साल के लिए कितनी बार भी आगे बढ़ा सकते हैं। इस तरह से यह स्कीम पूरी नौकरी पीरियड में भी बनाए रखी जा सकती है। अगर आप एक्सटेंशन से जुड़े इस नियम का सही से फायदा उठाते हैं तो आपका भविष्य वित्तीय रूप से बहुत हद तक सुरक्षित हो सकता है। हमने यहां 28 साल से 58 साल तक यानी नौकरी के 30 साल निवेश पर कैलकुलेशन दिया है।

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

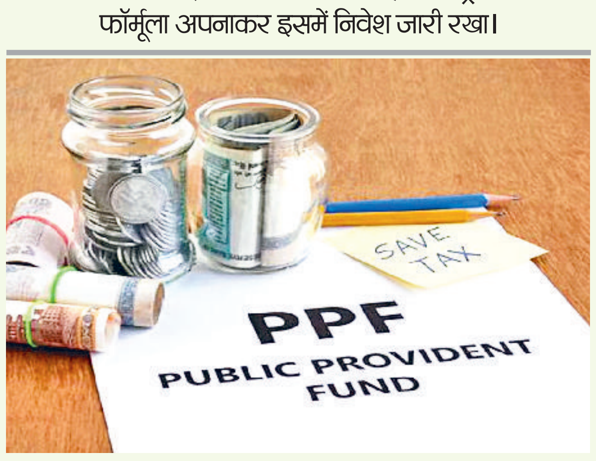

28 से 58 साल तक निवेश

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

इसे ऐसे समझें

- एक फाइनेंशियल ईयर में जमा : 1.50 लाख रुपये
- ब्याज दर : 7.1 फीसदी सालाना
- 15 साल में कुल जमा : 22,50,000
- 15 साल बाद कुल फंड : 40,68,209
- 3 बार एक्सटेंड करने पर
- 30 साल में कुल जमा : 45,00,000
- 30 साल बाद कुल फंड : 1,54,50,911
- ब्याज का फायदा : 1,09,50,911 रुपये

पीपीएफ को एक्सटेंड करने पर क्या हैं फायदे?

यह बचत स्कीम एक्सटेंड करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपने रिटायरमेंट तक इसके जरिए एक बड़ा कॉर्पस जो 1.50 करोड़ रुपये भी हो सकता है, तैयार कर सकते हैं। वहीं ईपीएफ अकाउंट से भी आपको रिटायरमेंट पर अच्छा खासा फंड मिलेगा। ऐसे में आपका बुढ़ापा पूरी तरह से टेंशन फ्री हो जाएगा।

क्लोजिंग बैलेंस पर 89,000 रुपये मंथली इनकम

यहां आपने 30 साल तक निवेश कर, रिटायरमेंट तक 1.50 करोड़ फंड जुटा लिया। अब इसी फंड से मंथली कमाई करना चाहते हैं तो इसे फिर एक्सटेंड कर फायदा उठा सकते हैं. अगर आप स्कीम को बिना कुछ निवेश किए 5 साल के लिए एक्सटेंड किया है तो आपको क्लोजिंग बैलेंस पर सालाना ब्याज मिलेगा। वहीं हर साल एक बार आप पूरी रकम का कितना फीसदी भी निकाल सकते हैं। यह 100 फीसदी तक हो सकता है। यहां 1.50 करोड़ रुपये के क्लोजिंग बैलेंस पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह एक साल में 10,65,000 रुपये होगा. आप एक साल में एक बार में इस पूरी ब्याज की रकम को निकाल सकते हैं। इसे 12 महीनों में बांट दें तो करीब 88,750 रुपये महीना होगा. वहीं इस निकासी पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।

क्या है पीपीएफ

- पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) एक प्रकार की बचत योजना है जो भारत सरकार द्वारा संचालित की जाती है। यह योजना व्यक्तियों को अपने भविष्य के लिए बचत करने और कर लाभ प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।
- लंबी अवधि की बचत: पीपीएफ एक लंबी अवधि की बचत योजना है जिसमें निवेश की अवधि 15 वर्ष होती है।
- कर लाभ: पीपीएफ में निवेश करने से आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर लाभ प्राप्त होता है।
- निश्चित ब्याज दर: पीपीएफ पर ब्याज दर सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है और यह दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं।
- सुरक्षित निवेश: पीपीएफ एक सुरक्षित निवेश विकल्प है क्योंकि इसमें सरकार का समर्थन होता है।

सोने में लौट रहा निवेशकों का भरोसा

गोल्ड ईटीएफ ने 5 वर्ष में दिया बड़ा मुनाफा

विकल्प | बिजनेस डेस्क

अगर आपने पिछले 5 सालों में हर महीने सिर्फ 10,000 रुपये गोल्ड ईटीएफ में लगाए होते, तो आज आपकी रकम करीब 10 लाख हो चुकी होती! एक रिपोर्ट के मुताबिक, येलो कमोडिटी यानी गोल्ड पर बेस्ड ईटीएफ ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, एलआईसी एमएफ गोल्ड ईटीएफ में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी से कुल 6 लाख रुपये का निवेश करके 5 साल में 9.93 लाख रुपये तक का फंड तैयार किया है। इस दौरान इसका एक्सआईआरआर 20.93% रहा। इगोवहीं, यूटीआई गोल्ड ईटीएफ ने भी 9.92 लाख का रिटर्न दिया, जिसमें एक्सआईआरआर 20.87% रहा। कुल मिलाकर, गोल्ड ईटीएफ ने यह दिखा दिया है कि अगर आप अनुशासित तरीके से एसआईपी करते हैं, तो आपको बेहतर रिटर्न मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में कुल 291 करोड़ रुपये का निवेश आया है। इससे पता चलता है कि गोल्ड में निवेशकों को भरोसा लौट रहा है।

सोना निवेश का भरासेमंद विकल्प

मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 291 करोड़ की नया निवेश हुआ। एक्सपर्ट का मानना है कि सोने की मजबूत कीमत और दुनिया भर की अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का सोने में फिर से भरोसा बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि सोना अब भी एक सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का ऑप्शन बना हुआ है। जानकारों के मुताबिक निवेशक फिर से सोने पर भरोसा कर रहे हैं क्योंकि सोना शेयर और बॉन्ड बाजार की अस्थिरता के बीच एक सुरक्षित जगह माना जाता है। मई महीने में सोने की कीमतें ज्यादा बदल नहीं हुईं, जिससे निवेशकों के लिए यह सही समय था कि वे अपने पैसे सुरक्षित जगह लगाएं या अपने निवेश का संतुलन ठीक करें। इसलिए अब ज्यादा लोग सोने में निवेश कर रहे हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो सोने की कीमतों को ट्रैक करता है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

गोल्ड ईटीएफ के लाभ

- **सोने में निवेश :** गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।
- **विविधीकरण :** गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने में मदद कर सकता है।
- **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में उच्च लिक्विडिटी होती है, जिससे निवेशक अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
- **कम लागत :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने की लागत कम होती है।

एसआईपी करने वालों के लिए खुशखबरी

- 5 साल में गोल्ड ईटीएफ ने 10,000 मासिक एसआईपी को 10 लाख में बदला
- एलआईसी, यूटीएल, और इनवेस्को जैसे फंड्स ने 20% से ज्यादा रिटर्न दिया
- मई में गोल्ड ईटीएफ में 291 करोड़ का निवेश आया, दे रहा बढ़िया संकेत

गोल्ड ईटीएफ- 5 साल का परफॉर्मेंस

गोल्ड ईटीएफ	10,000 मंथली एसआईपी का वर्तमान वैल्यू जो 5 साल पहले शुरू किया था	एक्सआईआरआर (%)
एलआईसी	993,917.25	20.93
यूटीआई गोल्ड	992,677.42	20.87
इन्वेस्को इंडिया	991,639.77	20.83
एक्सिस	990,730.89	20.79
आईसीआईसीआई प्रू	990,214.31	20.77
आदित्य बिड़ला एसएल	988,839.31	20.71
एचडीएफसी	988,609.05	20.7
कोटक	988,529.52	20.7
एसबीआई	986,021.61	20.59
क्वांटम गोल्ड फंड	984,917.72	20.54
निप्पॉन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईएस	983,924.09	20.5

गोल्ड ईटीएफ की विशेषताएं

- सोने की कीमतों को ट्रैक करना : गोल्ड ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशकों को सोने के मूल्य में परिवर्तन के अनुसार लाभ या हानि होती है।
- एक्सचेंज पर कारोबार : गोल्ड ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होता है और इसका कारोबार शेयरों की तरह किया जा सकता है।
- लिक्विडिटी : गोल्ड ईटीएफ में उच्च लिक्विडिटी होती है, जिससे निवेशक अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
- कम लागत : गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने की लागत कम होती है क्योंकि इसमें भौतिक सोना खरीदने और रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

स्वास्थ्य बीमा में ईएमआई के लाभ : कवरेज को और किफायती बनाएं

ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक ■ पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाने में होते हैं सक्षम ■ मिलती है मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा

जानकारी
भास्कर नेरुरकर

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में, स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ते मेडिकल खर्चे व्यक्तियों और परिवारों दोनों के लिए एक आम समस्या बन गए हैं। हेल्थकेयर की बढ़ती लागत के चलते, बहुत से लोगों के लिए कॉम्प्रिहेंसिव स्वास्थ्य बीमा कवरेज खरीदना पहले से ज़्यादा मुश्किल हो गया है। सुलभता और किफायत को बढ़ाने के लिए, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) ने 2019 में यह नियम बनाया कि बीमा प्रीमियम का भुगतान एकमुश्त करने के बजाय, बीमा कंपनियां पॉलिसीधारकों को ईएमआई (समान मासिक किश्तों) में प्रीमियम चुकाने का विकल्प दें। इससे लोगों के लिए अपने खर्चों को बजट में लाना आसान हो जाएगा और यह सुनिश्चित होगा है कि उनके पास अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों से सुरक्षा के लिए निरंतर स्वास्थ्य कवरेज हो। ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक हो जाता है, जिससे पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाते हैं।

ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा आपको एक बार में पूरी राशि का भुगतान करने के बजाय, मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा देता है, जिससे अपना बजट बनाना आपके लिए आसान हो जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपका वार्षिक प्रीमियम 36,000 रुपये है, तो फाइनेंशियल बाधाओं की वजह से पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ईएमआई भुगतान के ज़रिए, आप 3,000 रुपये की 12 किश्तों में भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं या पूरी राशि को त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक किश्तों में बांटकर भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपको लगातार कवरेज भी मिलती है और आपकी फाइनेंशियल स्थिरता भी बनी रहती है। यह तरीका पॉलिसीधारकों को एक बार में बड़े खर्चों से बचने में मदद करता है, जिससे स्वास्थ्य बीमा प्राप्त करना और मैनेज करना आसान हो जाता है। ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा लेने से कई लाभ मिलते हैं, जो हेल्थकेयर कवरेज प्राप्त करना आसान और सुविधाजनक बनाते हैं. यहां कुछ प्रमुख लाभ दिए गए हैं।

उच्च कवरेज का एक्सेस

एक अच्छा स्वास्थ्य बीमा प्लान होना बहुत ज़रूरी है, लेकिन कई बार इसकी लागत आपके लिए चिंता का विषय हो सकती है। ईएमआई का विकल्प चुनकर, आप उच्च कवरेज वाले प्लान खरीद सकते हैं। जो कि विशेष रूप से हृदय रोग, कैंसर, किडनी फेलियर या न्यूरोलॉजिकल विकार जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने में मददगार होते हैं। इन बीमारियों का इलाज महंगा हो सकता है, जिसमें लंबे समय तक मेडिकल केयर, सर्जरी और महंगी दवाओं की आवश्यकता होती है। ईएमआई प्लान के साथ, आप उन गंभीर बीमारियों को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी चुन सकते हैं, जिनके लिए एकमुश्त भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे कठिन समय में आपके और आपके परिवार के लिए फाइनेंशियल सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

सीनियर सिटीज़न और रिटायर हो चुके लोगों के लिए उपयुक्त

जैसे-जैसे व्यक्ति की आयु बढ़ती है, स्वास्थ्य बीमा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन आयु से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के कारण कवरेज की लागत अधिक हो सकती है. सीनियर सिटीज़न और रिटायर हुए लोगों के लिए, बीमा के लिए बड़ी राशि का एकमुश्त भुगतान चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासतौर पर तब जब उनकी आय एक निश्चित राशि तक ही सीमित हो। ऐसी स्थिति में ईएमआई प्लान सहायक बन जाते हैं। सुविधाजनक भुगतान विकल्पों के साथ, वे सही पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं जो फाइनेंशियल स्थिरता बनाए रखते हुए उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा करती है।

ज़्यादा किफायती

बीमा के लिए एक बड़ी राशि का भुगतान करना कभी-कभी आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। ऐसे में ईएमआई प्लान मददगार साबित होते हैं -वे खर्च को छोटे, आसान भुगतानों में बांटते हैं, जिससे हर किसी के लिए बीमा लेना ज़्यादा किफायती हो जाता है। वार्षिक प्रीमियम का एक बार में भुगतान करके परेशान होने की बजाय, आप आसान किश्तों में भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपका आर्थिक दबाव कम हो सकता है। उदाहरण के लिए, कॉम्प्रिहेंसिव पॉलिसी के लिए एक बार में 50,000 रुपये का भुगतान करने के बजाय, आप एक वर्ष के लिए प्रति माह लगभग 4,167 रुपये का भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं।

परेशानियों को कम करते हैं ऑटोमैटिक भुगतान

कभी-कभी बीमा प्रीमियम का भुगतान करना मुश्किल हो सकता है, खासतौर पर जब आप जीवन में व्यस्त हो जाते हैं। इसलिए कई बीमा कंपनियां ईएमआई भुगतान के लिए ऑटो-डेबिट विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे प्रीमियम का भुगतान करना आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि आपकी पॉलिसी जारी रहे. ऑटो-डेबिट सुविधा के साथ, आपकी चुनी गई आवृत्ति, जैसे मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक या वार्षिक के आधार पर, आपका बीमा प्रीमियम ऑटोमैटिक रूप से आपके बैंक अकाउंट से काटा जाता है। यह सुविधा आपको भुगतान से चूकने से बचाती है और भुगतान में देरी की वजह से पॉलिसी समाप्त होने के जोखिम को खत्म करती है। इसके अलावा, यह आपको हर देय तिथि को याद रखने से भी बचाती है। इस विकल्प के साथ, आप बिना किसी फाइनेंशियल दबाव के लगातार कवरेज बनाए रख सकते हैं और हर समय सुरक्षित रह सकते हैं।

टैक्स लाभ : स्वास्थ्य बीमा न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि टैक्स लाभ भी प्रदान करता है, जो आपको पैसे बचाने में मदद कर सकता है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर खर्च किए गए पैसे पर कटौती का क्लेम कर सकते हैं। यह आपकी टैक्स योग्य आय को कम करता है, जिससे आपका देय टैक्स भी कम हो जाता है। स्वयं, पति/पत्नी, बच्चों और आश्रित माता-पिता के लिए चुकाए गए प्रीमियम पर यह कटौती लागू होती है। अगर आप प्रीमियम का भुगतान ईएमआई पर करना चुनते हैं, तो आपको टैक्स लाभ भी मिलेंगे और छोटे भुगतानों की सुविधा भी। टैक्स फाइल करते समय कटौती का क्लेम करने के लिए, सभी भुगतानों की रसीदें और पॉलिसी डॉक्यूमेंट को प्रमाण के रूप में ज़रूर रखें।

स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प : ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा उन व्यक्तियों और परिवारों के लिए एक स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प है, जो एक बार में बड़ी राशि का भुगतान किए बिना कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थकेयर कवरेज चाहते हैं। शुरुआत करने के लिए, अपनी हेल्थकेयर की आवश्यकताओं का आकलन करें और विभिन्न बीमा प्लान्स के बारे में जानें। नियम और शर्तों को समझें और अपने बजट के अनुसार भुगतान की आवृति चुनें। पता लगाएं कि क्या कोई अतिरिक्त शुल्क लग रहा है, पॉलिसी की कवरेज में क्या शामिल है और क्लेम कैसे करते हैं, ताकि बाद में कोई समस्या न हो। सही स्वास्थ्य बीमा प्लान और किफायती ईएमआई आपको लंबे समय के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, फाइनेंशियल सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करते हैं। याद रखें, आज सही विकल्प चुनने से आपको भविष्य में मेडिकल एमरजेंसी के दौरान फाइनेंशियल तनाव से बचने में मदद मिल सकती है।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं।)

खबर संक्षेप

हम्पी की निगाह कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालीफाई पर

बातुमी (जॉर्जिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी को फिडे विश्व महिला शतरंज कप में चौथी वरीयता दी गई है और वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। इस प्रतियोगिता में पहले तीन स्थान पर रहने वाली खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। चीन की लेई टिंगजी, जिनर झू और झोंगयी टैन शीर्ष तीन वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। हम्पी के साथ वे एशियाई चुनौती का नेतृत्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में पिछले कुछ समय से एशियाई खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिल रहा है। कैंडिडेट्स में विजेता को अगली विश्व चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा महिला चैंपियन वेनजुन जू को चुनौती देने का अधिकार मिलेगा। इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक रेटिंग वाली 21 खिलाड़ियों को वरीयता दी गई है।

श्रीकांत सेमीफाइनल में, विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को दी मात

मकैलगरी। भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोऊ टिएन चेन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता और इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने 43 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को 21-18, 21-9 से हराया।

अरोड़ा और विद्या सेफा में, पांच पदक पक्के

बालाक्लावा (मॉरीशस)। भारतीय क्यू खिलाड़ियों ने शनिवार को यहां शुरूआती राष्ट्रमंडल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में विभिन्न स्पर्धाओं में पांच पदक पक्के किए। हेबॉल में शिवम अरोड़ा (पुरुष) और विद्या पिल्लई (महिला) ने क्वार्टर फाइनल में एकतरफा जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद कीर्तना पांडियन ने 6-रेड स्नूकर में महिलाओं के सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनके साथ एशियाई चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन भी शामिल हो गईं। चित्रा मगिमाइराज ने महिलाओं के 10-बॉल पूल में अंतिम-चार चरण में पहुंचकर भारत के लिए पांचवां पदक पक्का किया। उन्होंने एलजेटा कोएन को 7-4 से शिकस्त दी।

सील्स की तूफानी गेंदबाजी, ऑस्ट्रेलिया को दिए शुरुआती झटके

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने ऑस्ट्रेलिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके दूसरी टेस्ट क्रिकेट मैच को रोमांचक बनाए रखा। अपनी पहली पारी में 286 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 12 रन बनाए हैं और इस तरह से उसकी कुल बढ़त 45 रन की हो गई है। वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 253 रन बनाए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

वनडे अंडर-19: सूर्यवंशी ने 52 गेंदों पर लगाई सेंचुरी, भारत ने श्रृंखला जीती

नई दिल्ली। प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी ने अपनी दमदार बल्लेबाजी से प्रभावित करना जारी रखते हुए युवा वनडे मैच का सबसे तेज शतक जड़ा जिससे भारत की अंडर-19 टीम ने शनिवार को यहां चौथे मैच में इंग्लैंड को 55 रन से हराकर श्रृंखला जीत ली। भारतीय अंडर-19 टीम ने इस तरह पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त बना ली। आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले सूर्यावंशी ने 50 ओवर के प्रारूप में भी अपनी काबिलियत साबित की। उन्होंने सिर्फ 78 गेंदों की पारी में 13 चौके और 10 छक्कों की मदद से 143 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183 का रहा जिससे भारत ने नौ विकेट पर 363 रन बनाये। फिर इंग्लैंड की टीम को 45.3 ओवर में 308 रन पर समेट दिया। नमन पुष्पक ने 63 रन देकर तीन विकेट लिए।

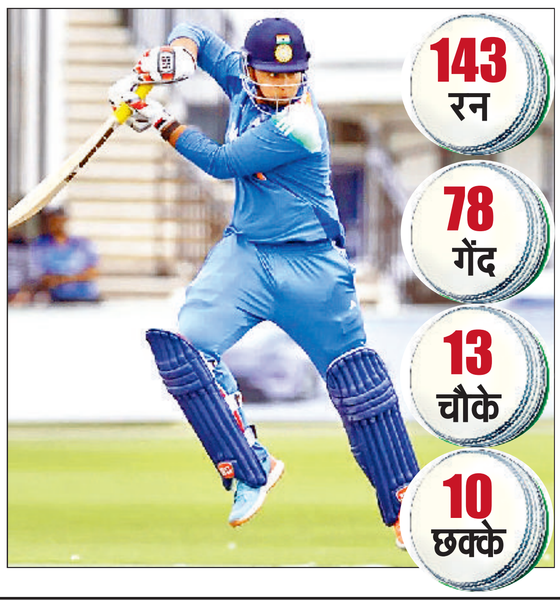

अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया

वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक 52 गेंदों पर लगाया। अपनी शतकीय पारी के दौरान वैभव के बल्ले से 8 छक्के और 10 चौके निकले। वैभव यूथ वनडे में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में वैभव 86 रन पर आउट हो गए थे और शतक से चूक गए थे, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने इस कसर को पूरी कर ली और अपना शतक पूरा कर लिया। 14 साल के वैभव का यूथ वनडे मैचों में ये करियर का पहला शतक रहा। वैभव ने इस मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 10 छक्के और 13 चौके लगाए। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

बाउंड्री से बनाए 112 रन

इस मैच में वैभव ने दूसरे विकेट के लिए विहान मलहोत्रा के साथ मिलकर 219 रन की शानदार साझेदारी की और टीम इंडिया की स्थिति को बेहद मजबूत बना दिया। वैभव ने 143 रन की पारी के दौरान बाउंड्री के जरिए 112 रन बनाए। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर कुटाई की और हर तरफ बाउंड्री लगाए। वैभव ने इस वनडे सीरीज के पहले मैच में 19 गेंदों पर 48 रन जबकि दूसरे मैच में 34 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने तीसरे वनडे मैच में 31 गेंदों पर 86 रन बनाए जबकि चौथे मैच में उन्होंने 78 गेंदों पर 143 रन ठोक डाले।

टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा टला, बीसीसीआई ने की पुष्टि

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम अगस्त 2025 में बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए नहीं जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि कर दी है। बांग्लादेश दौरे को रिशेड्यूल करने का फैसला किया गया है। टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा टल गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को यह कंफर्म कर दिया। पिछले कई दिनों से अगस्त 2025 में होने वाले बांग्लादेश दौरे को लेकर स्थगित करने की संभावना जताई जताई जा रही थी, जिसपर अब मुहर लग चुकी है। बताया जा रहा है कि पड़ोसी देश में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव ने भी दौरे को स्थगित करने में भूमिका निभाई। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज होने थी। बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सीमित ओवरों की सीरीज को सितंबर 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, ''बीसीबी और बीसीसीआई ने अगस्त 2025 में बांग्लादेश और भारत के बीच होने वाली तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज को सितंबर 2026 तक के लिए टालने पर आपसी सहमति जताई है।

टेस्ट : 'रन मशीन' गिल और तेज गेंदबाजों ने भारत का पलड़ा भारी रखा

शुभमन का शतक, भारत के 6 विकेट पर 427 रन, इंग्लैंड को 608 रन का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

कप्तान शुभमन गिल (161 रन) के दूसरे शतक की बदौलत भारत ने शनिवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की और इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का अंसभव लक्ष्य दिया। पर पांचवें दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज मुश्किल में होंगे क्योंकि टीम ने दूसरी पारी में स्टंप तक 72 रन तक तीन विकेट गंवा दिए जिसमें दो विकेट आकाशदीप और एक विकेट मोहम्मद सिराज ने झटका। आकाशदीप ने खतरनाक बेन डकेट और जो रूट के विकेट झटके जबकि सिराज ने जाक क्राउले को आउटस्विंगर पर बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच कराया। गिल ने चार पारियों में तीसरा शतक जड़कर रन बनाने का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने पहली पारी में 269 रन बनाए थे। उनके अलावा दूसरी पारी में रविंद्र जडेजा (नाबाद 69), ऋषभ पंत (65) और केएल राहुल (55) ने अर्धशतक जड़कर योगदान दिया। भारत ने चाय के एक घंटे बाद दूसरी पारी घोषित की। हालांकि पारी घोषित करने के समय पर विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने सवाल उठाए जिसमें चेतेश्वर पुजारा ने 'ऑन एयर' कहा कि भारत को कम से कम आधे घंटे पहले पारी घोषित कर देनी चाहिए थी। जब गिल के आउट होने के बावजूद पारी घोषित नहीं की गई तो 'होलीज स्टैंड' में इंग्लैंड के प्रशंसकों ने 'बोरिंग बोरिंग' के नारे लगाए। इसके तुरंत बाद हूटिंग शुरू हो गई। चाय से तुरंत पहले शतक तक पहुंचने वाले गिल ने शोएब बशीर और कामचलाऊ जो रूट की स्पिन जोड़ी के खिलाफ अपना आक्रामक रुख अपनाते हुए डीप स्क्वायर और मिड-विकेट पर स्वीप शॉट लगाए। गिल की 162 गेंद की पारी में 13 चौके और आठ छक्के शामिल थे जिससे उन्होंने मैच में 430 रन बनाए।

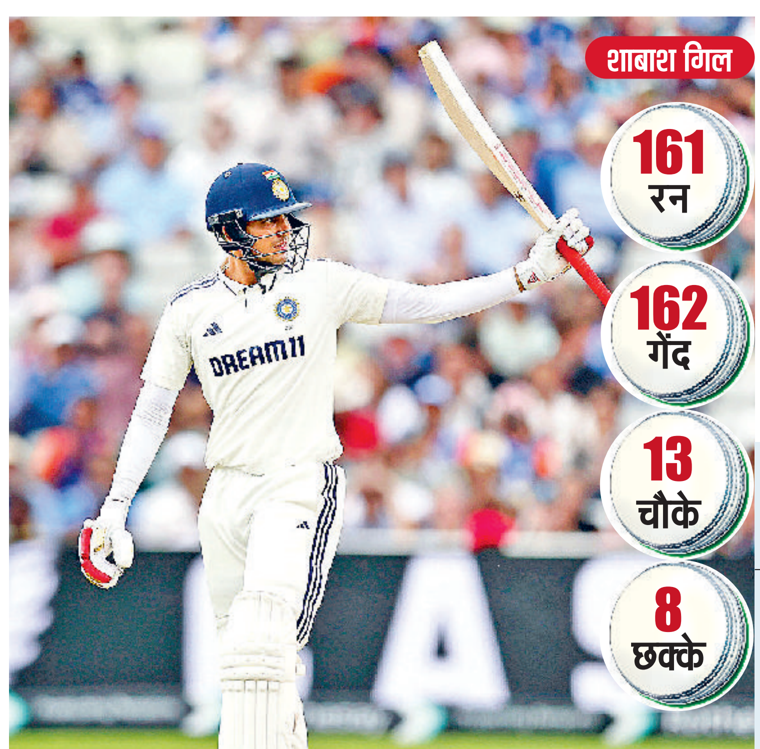

एक टेस्ट में भारत के लिए सर्वाधिक स्कोर

346* - शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, एजबेस्टन, 2025
344 - गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1971
340 - लक्ष्मण बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलकाता, 2001
330 - सौरव गांगुली बनाम पाकिस्तान, बेंगलुरु, 2007
319 - वीरेंद्र सहवाग बनाम द.अफ्रीका, चेन्नई, 2008
309 - वीरेंद्र सहवाग बनाम पाक, मुल्तान, 2004

गिल ने गावस्कर को पीछे छोड़ा

गिल ने किसी भी भारतीय के एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन जुटाने के मामले में महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 1971 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टेस्ट में 344 रन बनाए थे। वह गावस्कर के बाद एक ही टेस्ट में 200 और 100 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय भी बने। विकेट अभी तक सपाट रहे जिससे रनों का पहाड़ बना। लेकिन भारत ने अभी तक दौरे में सात शतक बना लिए हैं जो किसी विदेशी श्रृंखला में अभूतपूर्व है।

पंत हुए स्पेशल क्लब में शामिल, विदेशी जमीं में लगाए सबसे अधिक छक्के

बर्मिंघम में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन पंत अपनी 65 रन की पारी में पहला छक्का जड़ते ही स्पेशल क्लब में शामिल हो गए। पारी के 32वें ओवर की टांग्वे की करीब 140 किमी/घंटा की रफ्तार से आती शॉर्टपिच गेंद को पंत ने बैकवर्ड स्कवॉयर लेग के ऊपर से छक्के के लिए भेजा, तो इसी के साथ ही लेफ्टी बल्लेबाज टेस्ट इतिहास में विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा छक्के जड़ने के मामले में बॉस बनते हुए दुनिया के शीर्ष 5 सुपर से ऊपर कारनामा करने के साथ ही ऋषभ पंत की एक तरह से बेन स्टोक्स के साथ रेस छिड़ गई है।

छा गया हरियाणवी छोरा

नीरज चोपड़ा एनसी क्लासिक के पहले सत्र के चैंपियन बने

भाषा ▶▶| बेंगलुरु

भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने शनिवार को विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी और उसमें प्रतिस्पर्धा करने के अपने सपने को साकार करते हुए 'एनसी क्लासिक' का खिताब जीत लिया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 साल के चोपड़ा ने अपने माता-पिता की मौजूदगी में श्री कांतीरवा स्टेडियम में अपने तीसरे प्रयास में 86.18 मीटर की दूरी के साथ खिताब अपने नाम किया। चोपड़ा का यह लगातार तीसरा खिताब है। उन्होंने इससे पहले उन्होंने पेरिस डायमंड लीग (20 जून) और पोलैंड के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक (24 जून) में खिताब जीता था। कीनिया के 2025 विश्व चैंपियन जूलियस येगो 84.51 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि श्रीलंका के रुमेश पथिरगे (84.34 मीटर) ने तीसरा स्थान हासिल किया। चोपड़ा ने बाद में कहा कि वह थ्रो की दूरी से खुश नहीं थे लेकिन हवा भरे हालात को देखते हुए वह संतुष्ट थे। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''निश्चित रूप से मैं जीतना चाहता था। मेरा लक्ष्य सफलतापूर्वक टूर्नामेंट पूरा करना था। यह आसानी से हो गया। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ 90 मीटर की दूरी हासिल की थी। उन्होंने कहा, मुझे अच्छे परिणाम की उम्मीद थी, लेकिन हवा काफी तेज थी। मैं जीत कर खुश हूं। यह मेरे लिए मानसिक रूप से काफी मुश्किल था क्योंकि मुझे पता था कि लोग मुझसे जीत की उम्मीद कर रहे थे। मैं दो टूर्नामेंट में भाग लेने के बाद यहां आया था और इसलिए मुझ पर घरेलू दर्शकों के सामने प्रदर्शन करने का दबाव था। '' चोपड़ा ने कहा, ''हवा सामने से आ रही थी और दिशा भी बदल रही थी इसलिए यह मुश्किल स्थिति थी। '' उ न्हों ने स्वीकार किया कि पहले कुछ प्रयासों में हवा के विपरीत थ्रो करते समय उन्हें कुछ तकनीकी समस्याएं आई थीं। उन्हें अपने कोच और विश्व रिकॉर्डधारी जान जेलेजनी के साथ चर्चा करते देखा गया जो लगभग हर थ्रो के बाद कुछ मीटर की दूरी से स्टेडियम के कोने पर खड़े होकर देख रहे थे।

गोल्ड

भुल्लर और अजीतेश ने कट में बनाई जगह, नौ भारतीय चूके

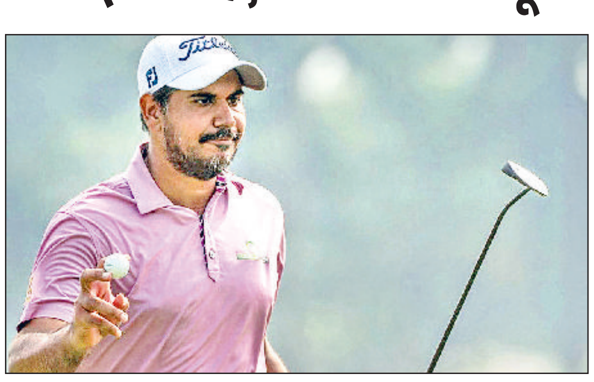

एजेंसी ▶▶| रबात (मोरक्को)

भारतीय खिलाड़ियों में गगनजीत भुल्लर और अजीतेश संधू ही 20 लाख डॉलर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को में कट में जगह बना पाए, जबकि नौ अन्य खिलाड़ी आधे चरण में ही बाहर हो गए।

एशियाई टूर पर सबसे सफल भारतीय गोल्फ खिलाड़ी भुल्लर ने अपने शुरूआती राउंड में 72 के बाद पार 73 का कार्ड बनाया और 36 होल के बाद उनका स्कोर एक अंडर 145 है, जिससे वह पार-73 रॉयल गोल्फ डार एस सलाम कोर्स पर संयुक्त 36वें स्थान पर हैं। संधू ने पहले दो राउंड में 74 और 73 का कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर एक ओवर हो गया और वह संयुक्त 61वें स्थान पर पहुंच गए। कट एक ओवर पर ही गया।

कट से चूकने वाले भारतीयों में खलिन जोशी (74-74), राशिद खान (77-72), एस चिक्कारंगप्पा (75-75), एसएसपी चौरसिया (74-76), युवराज संधू (76-74), राहिल गंगजी (75-75), विराज मडप्पा (78-76), करणदीप कोचर (78-80) और अमन राज (79-79) शामिल हैं।

कट में जगह बनाने वाली दीक्षा एकमात्र भारतीय

किल्डारे (आयरलैंड)। दीक्षा डागर दूसरे दौर में 73 का स्कोर बनाकर केपीएमजी महिला आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। दीक्षा पहले दो दौर के बाद संयुक्त 56वें स्थान पर थीं। यह लगातार 11वां मौका था जबकि उन्होंने किसी टूर्नामेंट के कट में जगह बनाई। इससे उनके प्रदर्शन में निरंतरता का पता चलता है। आयरिश ओपन में भाग लेने वाली भारत की अन्य तीन खिलाड़ी कट में जगह बनाने में असफल रही। इन खिलाड़ियों में अवनि प्रशांत (74) एक स्ट्रोक से चूक गईं और त्वेसा मलिक (78) और हिताशी बख्शी (83) काफी पीछे रहीं।

युकी-गैलोवे तीसरे दौर में, बालाजी और बोलिपल्ली विम्बलडन से बाहर

भाषा ▶▶| लंदन

युकी भांबरी विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में एकमात्र भारतीय बचे हैं जिन्होंने शनिवार को यहां अपने अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे के साथ मिलकर पुरुष युगल के तीसरे दौर में प्रवेश किया।

चैंपियनशिप में 16वीं वरीयता प्राप्त युकी-गैलोवे की जोड़ी ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस और मार्कोस गिरोन को डेढ़ घंटे में 6-3, 7-6 (8-6) से शिकस्त दी। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना स्पेन के मार्सेलो ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबेलोस से होगा। अन्य नतीजे भारत के पक्ष में नहीं रहे जिसमें एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोलिपल्ली अपनी-अपनी जोड़िदारों के साथ दूसरे दौर में हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वारेला ने चौथी वरीयता प्राप्त मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस की जोड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन सीधे सेटों में हार गए। स्पेन-अर्जेंटीना की जोड़ी ने गैर वरीयता प्राप्त बालाजी और रेयेस-वारेला को एक घंटे 20 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-4 से हराया। बोल्लिपल्ली और उनके कोलंबिया के उनके जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस ने भी छठी वरीयता प्राप्त सैलिसबरी और नील स्कूपस्की की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को कड़ी टक्कर दी। भारत और कोलंबिया के खिलाड़ियों की जोड़ी को हालांकि एक घंटे 47 मिनट के मुकाबले में 4-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा।

विंबलडन: सबालेंका ने राडुकानु को हराया यूएस ओपन चैंपियन के सफर को रोका

एजेंसी ▶▶| लंदन

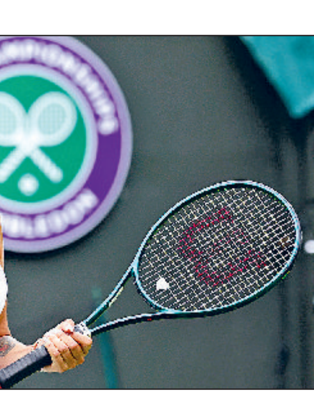

शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका ने विंबलडन में स्थानीय दावेदार एम्मा राडुकानु के शानदार सफर को विंबलडन में 7-6(6) 6-4 की जीत के साथ रोक दिया। ऑल इंग्लैंड क्लब में दो बार की सेमीफाइनलिस्ट सबालेंका ने दोनों सेटों में 2021 यूएस ओपन चैंपियन के खिलाफ जोरदार वापसी की।

राडुकानु 18 साल की उम्र में यूएस ओपन में एक क्वालीफायर के रूप में अपने खिताब के बाद से अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रही थीं। राडुकानु 74 मिनट के पहले सेट में एक समय 4-2 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने अगले 12 में से 11 अंक हासिल कर 5-4 की बढ़त बना ली। राडुकानु इसके बाद टाईब्रेकर में भी 6-5 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने शानदार वापसी कर अंतिम तीन अंक को जीत कर बढ़त कायम की। तीन बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने इसके बाद दूसरे सेट में ब्रिटेन की खिलाड़ी को ज्यादा मौके नहीं दिए। सबालेंका पिछले लगातार तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं, जिसमें उन्होंने पिछले साल सितंबर में यूएस ओपन जीता था।

महिला क्रिकेट टी20: हरमनप्रीत आखिरी गेंद नहीं लगा पाई सिक्स

इंग्लैंड ने रोमांचक जीत से रोका भारत का विजय अभियान

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत की बल्लेबाजी अंतिम क्षणों में लड़खड़ा गई, जिससे इंग्लैंड ने तीसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच रन से करीबी जीत दर्ज करके पांच मैच की श्रृंखला को जीवंत रखा। किया ओवल में खेले गए मैच में इंग्लैंड बल्लेबाजी के पतन और खराब क्षेत्ररक्षण के बावजूद भारत को जीत की हैट्रिक लगाने और श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने से रोकने में सफल रहा। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) ने पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी करके उसे शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन इंग्लैंड ने 25 गेंदों में 31 रन के अंदर नौ विकेट गंवा दिए और इस तरह से आखिर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए।

बना वर्ल्ड रिकॉर्ड, इंग्लैंड के 25 गेंदों पर गिरे 9 विकेट

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय वुमेंस टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20। में भले ही 5 रन से हार का सामना करना पड़ा हो, मगर इस मैच में भारतीय गेंदबाज एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बना गए। इंग्लैंड ने तेजी से रन बनाने के प्रयास में 25 गेंदों में 9 विकेट गंवा दिए और भारत के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। 15.1 ओवर में जहां इंग्लैंड का स्कोर बिना किसी विकेट के 137 रन था, वहीं 19.2 ओवर में टीम ने 168 के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए। इस दौरान तीन इंग्लिश बैटर खाता भी नहीं खोल पाईं, वहीं कुल 7 बैटर सिंगल डिजिट पर आउट हुईं। अनुराधा रेड्डी और दीप्ति शर्मा ने इस दौरान 3-3 विकेट चटकाए।

इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट बाहर

इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट शनिवार को भारतीय महिला टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के शेष दो मैचों से चोटिल होने के कारण बाहर हो गईं। उन्हें बाईं जांघ में चोट लगी है। इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने बताया कि टैमी ब्यूमोंट श्रृंखला के बाकी दोनों मैचों में टीम की कमान संभालेंगी। ब्यूमोंट ने ब्रिस्टल में तीसरे मैच के दौरान भी सिवर-ब्रंट के मैदान से बाहर रहने के दौरान टीम की अगुवाई की थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

एक्सिओम-4 मिशन का दसवां दिन

शुभांशु शुक्ला ने किया हड्डियों पर गुरुत्वाकर्षण के असर का अध्ययन, बीमारियों के इलाज में मिलेगी मदद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अभी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर हैं। एक दिन के आराम के बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ 'बोन ऑन आईएसएस' नामक प्रयोग में हिस्सा लिया जिसमें यह जाना गया कि अंतरिक्ष में हड्डियां कैसे कमजोर होती हैं और पृथ्वी पर वापस आने के बाद उनकी स्थिति कैसे सुधरती है। वैज्ञानिक जैविक संकेतकों का विश्लेषण कर रहे हैं, जो हड्डियों के निर्माण, सूजन और विकास से जुड़े हैं। शुक्ला ने मांसपेशियों की मरम्मत से जुड़े 'मायोजेनेसिस' नामक अध्ययन में भी हिस्सा लिया, जिसमें यह देखा जा रहा है कि माइक्रोग्रैविटी में मानव मांसपेशियां कैसे पुनर्जीवित होती हैं। आईएसएस पर एक अन्य प्रयोग में उन्होंने विकिरण (ऊर्जा का उत्सर्जन और उसका एक जगह से दूसरी जगह फैलना) के संपर्क की निगरानी की गई। यह प्रयोग यह जानने के लिए किया गया है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को विकिरण से कैसे बेहतर सुरक्षा दी जा सकती है। बता दें, मिशन में उनका कोड नाम 'शक्स' है।

'स्पेस माइक्रो एल्गी' के नमूने स्थापित किए

एक्सिओम स्पेस के अनुसार, शुक्ला ने 'स्पेस माइक्रो एल्गी' नामक एक प्रयोग के लिए नमूनों को अंतरिक्ष में स्थापित किया। यह सूक्ष्म जीवाणु भविष्य में अंतरिक्ष में जीवन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ये भोजन, ईंधन और सांस लेने लायक ऑक्सीजन देने की क्षमता रखते हैं। लेकिन ऐसा तभी संभव होगा, जब यह समझा जाए कि ये सूक्ष्म जीवाणु अंतरिक्ष में कैसे बढ़ते और खुद को ढालते हैं।

अमरनाथ यात्रा का चौथा जत्था रवाना, भगवती नगर में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

एजेंसी ▶▶ जम्मू

अमरनाथ यात्रा के लिए शनिवार को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से चौथा जत्था भोले बाबा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। सुबह के शांत और भक्ति भरे माहौल में 'बम बम भोले' और 'भोले बाबा की जय' के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इसके साथ ही श्रद्धालु 'इंडियन आर्मी जिंदाबाद' और 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे लगाते दिखे। यात्रा के दौरान कुछ श्रद्धालु अपने हाथों में गमले लिए हुए थे, जिनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्टीकर लगा हुआ था। बातचीत में कुछ यात्रियों ने कहा कि सभी देशवासियों से यहीं कहना चाहते हैं कि इंडियन आर्मी पर भरोसा करें और जितना हो सके उतना हुजूम में अमरनाथ यात्रा पर आएं और यात्रा का आनंद उठाएं। हजारों श्रद्धालुओं की आंखों में बाबा बर्फानी के दर्शन की ललक और मन में अपार श्रद्धा साफ झलक रही थी।

'बम बम भोले' के लगे नारे

प्रशासन ने अच्छी व्यवस्था की

यात्रा शुरू होने से पहले भगवती नगर बेस कैंप में भक्ति का अनोखा नजारा देखने को मिला। जैसे ही बसों और अन्य वाहनों का काफिला रवाना हुआ, माहौल में एक अलग ही जोश और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बताया कि वे कई साल से इस पवित्र यात्रा में हिस्सा ले रहे हैं, और हर बार यह अनुभव उनके लिए नया अविस्मरणीय होता है। इसके साथ ही श्रद्धालु 'जय-जय श्रीराम' के नारे लगाते नजर आए। श्रद्धालुओं ने कहा कि प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्था की है। खाने-पीने से लेकर रहने और सुरक्षा तक, हर चीज का पूरा ध्यान रखा गया है। प्रशासन ने यात्रियों के लिए मेडिकल कैंप, लंगर और विश्राम स्थलों की भी व्यवस्था की है, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो।

पांच बसों की आपस में भिड़ंत, 36 घायल

रामबन। जम्मू के रामबन में शनिवार को पांच बसों की टक्कर में कम से कम 36 अमरनाथ तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए। बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम बेस कैंप के लिए जा रहे काफिले का हिस्सा थीं। दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास हुई। दुर्घटना एक बस के ब्रेक फेल होने के कारण हुई, जिसने बाद बस ने अन्य वाहनों को टक्कर मार दी। घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई।

उत्तराधिकारी के ऐलान की अटकलों पर बोले आध्यात्मिक नेता

उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जिंदा रहूंगा

एजेंसी ▶▶ मैक्लोडगंज (धर्मशाला)

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने कहा है कि बहुत सारी भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जीवित रहूंगा। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं। शनिवार सुबह बौद्ध मठ में दलाई लामा की लंबी उम्र और स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सुबह 8:00 बजे शुरू हुई इस प्रार्थना सभा में दलाई लामा खुद मौजूद रहे। रविवार को केक कटेगा और दलाई लामा अनुयायियों को आशीर्वाद देंगे।

किरेन रिजिजू ने जताई खुशी

केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई, रविवार को उनका 90वां जन्मदिन समारोह मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर से भक्त यहां आए हैं और मुझे खुशी है कि मैं भी इसमें शामिल हो पाया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल बोले

भारत अब नौकरी खोजने वाला नहीं, देने वाला देश बनेगा, 'तकनीक' निभाएगी अहम भूमिका

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की विकास यात्रा को नई

तकनीकें परिभाषित करेंगी। भारत अब एक ऐसा देश बन रहा है जो नौकरियां मांगने वाला नहीं, बल्कि देने वाला है। गोयल आईआईटी मद्रास एलुमनी एसोसिएशन के संगम 2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपका विज्ञान, आपकी तकनीक, देश के इस जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम, रिसर्च और इनोवेशन के साथ मिलकर भविष्य की भारत की विकास कहानी को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि हमने भी स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स और अन्य पहलों के जरिए स्टार्टअप इकोसिस्टम का हिस्सा बनने की कोशिश की है। इसमें आईआईटी मद्रास जैसे संस्थानों का योगदान भी अहम है।

अमेरिका से समझौता राष्ट्रीय हित में होगा

गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा, जब यह पूरी तरह से अंतिम रूप ले लेगा और राष्ट्रीय हित में होगा। भारत समयसीमा के तहत बातचीत नहीं करता। हम राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं और दुनिया भर में हमारे सभी जुड़ावों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार देशों के समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और अब पिछले महीने ब्रिटेन के साथ भी समझौता किया गया।

प्रीमियम फ़ीचर्स डिजि-एनालॉग स्पीडोमीटर LED गाइड लैम्प्स बूट लैम्प मोबाइल चार्जिंग पोर्ट | आकर्षक कीमत ₹74,199~

कम डाउन पेमेंट ₹8999^ | ऑन-रोड कीमत ₹86500## | ADDITIONAL CASH DISCOUNT* AVAILABLE ON Flipkart amazon | GREEN BONUS OF ₹2000$ FOR VEHICLE SCRAPPING | pine labs PAY LATER CASHBACK UPTO ₹7500* | TOLL FREE NO. 1800-266-0018 | INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Regd. Office: Hero MotoCorp Ltd., The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. CIN: L35911DL1984PLC017354. It is our endeavour to improve our product. This could lead to changes in product specifications without notice. Accessories and features shown may not be a part of the standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. Available at select dealerships. On-road price of Destini Prime in Delhi and may change without any prior notice. $Green Bonus is applicable Pan India on select Hero products and bonus amount may vary as per model/variant. ##On-road price includes ex-showroom price, insurance and registration charges. ~Ex-showroom price of Destini Prime in Delhi and may change without any prior notice. ^Finance scheme is at the sole discretion of financiers and subject to its respective terms and conditions. *T&C apply. Offer valid till 31st July 2025. Offer is for limited period or till stock lasts. For further information, contact nearest Hero MotoCorp authorised outlet (s) or visit website www.heromotocorp.com

Authorised Dealers: South Delhi: Lajpat Nagar: Sapphire Hero: Ph: 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road): Pashupati Hero, Ph: 9289922381, Pul Prahladpur Badarpur: Singla Hero, Ph: 9289922771, Okhla Phase II: A R C Hero, Ph: 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero: Ph: 9289922380, Pushtakartar Nagar: Aman Hero, Ph: 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero, Ph: 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero, Ph: 9289923222, North Delhi: Azadpur: Shraman Automobiles: Ph: 9289923185, Rithala (Rohini): Metro Hero, Ph: 9289922597, Budh Vihar: JMD Automotives, Ph: 9289924188, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero, Ph: 9289922382, Upper India Hero, Ph: 9289924343, West Delhi: Roshan Vihar (Najafgarh): Avni Hero, Ph: 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero, Ph: 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero, Ph: 9289922530, Tilak Nagar: Khanna Hero, Ph: 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero, Ph: 9289924309, Nawada: Khanna Hero, Ph: 9289924310, Ghaziabad: Globe Hero, Meerut, Delhi Road, Ph: 9289922073, Aman Hero, Shiv Puri, Vijay Nagar, Ph: 9289232123, Sahibabad: Sahib Hero, Ph: 9289922486, Noida: Dhansri Hero, H-206A, Sector 63, Ph: 9289923044, Uppal Hero, B 124, Sector-5, Ph: 9289922462, Singla Hero, C-70, Sector-58, Ph: 9289923059, Gurugram: Globe Agencies, Sec-18, Noble Enclave, 9289233915, Himgiri Hero, 9289923046, Sharma Hero, Basai Road Sector 11, 9289923221, Autoneeds Hero, Ph: 9289922051, Jasodha Hero, Ph: 9289922495, Himgiri Hero (Wazirabad), Ph: 9289924247, Himgiri Hero (Railway Road): Ph: 9289924248, Sohna: Auto Links Hero, No.160/2 Delhi Road, Sohna, Ph: 9289924089, Faridabad: Sehgal Hero, Ph: 9289922419, Sehgal Hero, NIT, Ph: 7217627327, Bulandshahr: Shri Durga Hero, Delhi Road, Ph: 9289922504, Krishna Hero, Raje Babu Road, Ph: 9289922410, Hapur: Globe Hero, Ph: 9289923209.

RS/Hero/07/25